धनबाद
शुक्रवार 19.06.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-117 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-5
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

दुनिया संसाधनों की कमी का नहीं भरोसे के संकट का सामना कर रही

पीएम मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन में वैश्विक चुनौतियों पर जताई चिंता

नई दिल्ली (ईएमएस): फ्रांस में आयोजित जी७ शिखर सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने वैश्विक चुनौतियों पर चिंता जताते हुए कहा कि दुनिया संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि भरोसे के संकट का सामना कर रही है। उन्होंने समुद्री मार्गों की सुरक्षा और वैश्विक व्यापार को सुचारू बनाए रखने की जरुरत पर बल दिया। पीएम मोदी ने हाल के क्षेत्रीय तनावों के बीच समुद्री सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि वैश्विक व्यापार को आगे बढ़ाने वाले नाविकों की सुरक्षा तय की जानी चाहिए। उन्होंने भारतीय नाविकों की सुरक्षा को भारत की प्राथमिकता बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जी७ बैठक के इतर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति, होर्मुज की सुरक्षा, ऊर्जा सहयोग और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान ट्रम्प ने कहा कि जब तक मैं प्रेसिडेंट हूं, व्हाइट हाउस में इंडिया का एक बहुत अच्छा दोस्त है...यहां हर कोई इंडिया से प्यार करता है और वे नरेंद्र मोदी की बहुत इज्जत करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि ...वह एक बहुत ही कठिन वार्ताकार हैं... आप इस आदमी को देखें। वह सबसे सुंदर दिखने वाला आदमी है। वह बहुत अच्छा दिखता है, एक देवदूत की तरह। लेकिन असल में, वह जितना टफ़ है, उतना ही किलर भी है।...लेकिन वह इतना अच्छा दिखता है। इसलिए वह आपको आश्चर्यचकित कर देता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं। लोग कहते हैं कि वह बहुत अच्छा है। मैंने कहा कि वह बहुत सख्त है। वह एक सख्त व्यापारी है, और वह भारतीय लोगों से प्यार करता है, लेकिन वह अमेरिका से भी प्यार करता है। हमने ह्यूस्टन में हाउडी मोदी मनाया था। स्टेडियम भरा हुआ था... हम भविष्य में किसी समय भारत जाएंगे। भारत-अमेरिकी डिफेंस रिश्तों पर ट्रम्प ने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छा रिश्ता है...अगर उन पर हमला होता है, तो हम उनकी मदद के लिए वहां होंगे।

राज्यसभा चुनाव में झामुमो के बैद्यनाथ राम एवं भाजपा समर्थित परिमल नाथवानी ने मारी बाजी, कांग्रेस के प्रणव झा पराजित

रांची (एजेंसी): कई दिनों तक तैयारी, राजनीतिक घेराबंदी एवं गहमागहमी के बीच गुरुवार को राज्यसभा चुनाव संपन्न हुआ। इसमें झामुमो के बैद्यनाथ राम एवं भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने जीत दर्ज की। कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को हार का मुंह देखना पड़ा।

इस चुनाव में कुल तीन उम्मीदवार मैदान में थे। इंडिया गठबंधन की ओर से झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बैद्यनाथ राम को उम्मीदवार बनाया था, जबकि कांग्रेस ने प्रणव झा को मैदान में उतारा था। दूसरी ओर भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ताल ठोंक रहे थे। आंकड़ों के अनुसार बैद्यनाथ राम की जीत पहले से तय मानी जा रही थी। जबकि कांग्रेस ने प्रणव झा एवं भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी को राज्यसभा तक पहुंचाने के लिए इंडिया गठबंधन एवं राजग एड़ी-चोटी एक किए हुए थे।

विधानसभा के कमरा नंबर ४२ में सुबह से शुरू हुई चुनावी प्रक्रिया में सभी विधायकों ने कतार में लगकर बारी-बारी से अपने वोट डाले। वोटिंग का समय शाम चार बजे तक निर्धारित था। नियत समय तक सभी ८१ विधायकों ने वोट डाल दिए। शाम पांच बजे से मतगणना शुरू हुई। यह एक घंटे का समय तीनों उम्मीदवारों के लिए काफी भारी पड़ रहा था। उनके मन में जीत की खुशी एवं हार का भय के बीच द्वंद्व चल रहा था।

इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं ने अपने विधायकों के साथ बैठक कर पूरी सतर्कता बरतने की नसीहत दी थी। जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सहयोगी दलों के विधायकों को एकजुट रखने और क्रॉस वोटिंग की आशंका को रोकने के लिए उन्हें होटल में ठहराया था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन महागठबंधन की एकजुटता बनाए रखने के लिए लगातार सक्रिय दिखे।

महागठबंधन एवं राजग के वरिष्ठ नेता मतदान शुरू होने के पूर्व से ही अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित बताते रहे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नारा ५६ नहीं, ६१ हैं हम सुर्खियों में रहा।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री आवास पर महागठबंधन विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई और विधायकों को मतदान प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए मॉक पोल भी कराया गया। मॉक पोल के दौरान झामुमो प्रत्याशी बैजनाथ राम को २९ वोट और कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को २५ वोट मिले थे।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्या ने दावा ▶▶ 8

पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली में पूर्व अग्निवीरों को २० फीसदी आरक्षण मिलेगा। यह आरक्षण दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवा, जेल और वन विभाग की समूह-ग भर्तियों में लागू होगा। उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त के साथ समीक्षा बैठक की। भर्ती नियमों में बदलाव की तैयारी तेज है। उपराज्यपाल ने कहा कि सभी योग्य पूर्व-अग्निवीरों के लिए भर्ती खुली रहेगी। इससे उन्हें समान अवसर मिल सकेंगे। यह देश के लिए उनकी सेवा को मान्यता देने का एक तरीका है। यह कदम उनके अनुभव का लाभ उठाने के लिए उठाया गया है। सभी संबंधित विभागों के लिए भर्ती नियमों में बदलाव की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान शांति समझौते का समारोह टला, अब 60 दिन की तकनीकी वार्ताओं पर फोकस

नई दिल्ली (ईएमएस): अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते को लेकर स्विट्जरलैंड में होने वाला औपचारिक हस्ताक्षर समारोह फिलहाल टाल दिया गया है। हालांकि दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रक्रिया जारी रहेगी और अब ध्यान अगले ६० दिनों तक चलने वाली तकनीकी वार्ताओं पर केंद्रित रहेगा। रिपोर्टों के अनुसार समझौते के प्रारंभिक मसौदे पर डिजिटल हस्ताक्षर पहले ही हो चुके हैं, इसलिए औपचारिक समारोह की आवश्यकता कम हो गई है।

इस समझौते का उद्देश्य हाल के संघर्षों के बाद क्षेत्र में स्थिरता बहाल करना, होरमुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को सामान्य करना और लंबे समय से विवादित परमाणु मुद्दों पर आगे की बातचीत का रास्ता तैयार करना है। प्रारंभिक सहमति के तहत युद्धविराम को आगे बढ़ाने तथा व्यापक समझौते के लिए ६० दिनों की वार्ता अवधि निर्धारित की गई है।

सूत्रों के अनुसार आगामी तकनीकी वार्ताओं में प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम, संवर्धित यूरेनियम के प्रबंधन और क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी। ▶▶ 8

मोदी सरकार के 12 साल विकास और विरासत के संगम का स्वर्णिम युग

अमित शाह ने कहा- कई योजनाओं ने देश की विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति दी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि मोदी सरकार के १२ साल विकास और विरासत के संगम का स्वर्णिम युग रहे हैं। इन १२ सालों में, एक ओर जहां राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन महाकाल लोक का निर्माण हुआ, वहीं दूसरी ओर पीएम आवास, आयुष्मान भारत, अन्न भंडार, विश्व स्तरीय कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने देश की विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार विकास भी, विरासत भी की थीम के तहत पिछले १२ सालों में की गई पहलों को उजागर कर रही है। सरकारी बयान के मुताबिक विरासत संरक्षण को व्यापक विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, विकास और प्रचार-प्रसार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बयान में कहा गया है कि मुख्य पहलों में एक करोड़ रिकॉर्ड का डिजिटाइज़ेशन, ६६८ प्राचीन कलाकृतियों की वापसी, आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम के ११ म्यूज़ियम बनाना और ११ भारतीय भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देना शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया है कि पिछले कुछ सालों में मशहूर जगहों को फिर से ठीक करने, आने वाले लोगों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने और हेरिटेज शहरों व तीर्थयात्रा सर्किट को विकसित करने के कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। भारत की सांस्कृतिक संपत्तियां जिनमें स्मारक, प्राचीन वस्तुएं, पांडुलिपियां और ऐतिहासिक स्थल शामिल हैं पीढ़ियों से चली आ रही एक साझा विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं।

अभिषेक बनर्जी शुक्रवार शाम करेंगे ओम बिरला से मुलाकात

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी को पार्टी में विभाजन के मुद्दे पर अपना पक्ष रखने के लिए १९ जून यानी शुक्रवार को बैठक के लिए बुलाया है। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि पार्टी को बुधवार शाम पांच बजे लोक सभा अध्यक्ष कार्यालय से इसका ईमेल मिला। अभिषेक बनर्जी शुक्रवार शाम ओम बिरला से मुलाकात करेंगे। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आई है, जब टीएमसी के २० बागी सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय करने के बाद स्वयं को अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग की है। स्पीकर ओम बिरला ने इस मामले में कोई फैसला लेने से पहले दोनों पक्षों को सुनने का फैसला किया है।

दलाई लामा का शांति संदेश: तिब्बती कूटनीति और चीन की बढ़ती रणनीतिक चुनौतियां

नई दिल्ली (ईएमएस): तिब्बतियों के सर्वोच्च आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष संदेश साझा किया, इसमें उन्होंने मानवीय मूल्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्नेह और गर्मजोशी से मिलने वाली खुशी से आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे डर कम होता है, आपसी भरोसा पैदा होता है और दोस्ती विकसित होती है। दलाई लामा ने सहयोग को सामाजिक प्राणी के रूप में मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक बताकर भरोसे पर आधारित बताया। उन्होंने रेखांकित किया कि एक दयालु मन और गर्मजोशी भरा व्यवहार आसपास के माहौल को अधिक सकारात्मक बनाता है।

पश्चिम बंगाल पुलिस में महिलाओं को मिलेगी नई ताकत

दो विशेष महिला रिजर्व फोर्स बनाने की तैयारी

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए पुलिस विभाग में महिलाओं के लिए दो विशेष स्टेट पुलिस रिजर्व फोर्स (एसपीआरएफ) बटालियन बनाने की घोषणा की है। इन दोनों बटालियनों का नाम राज्य की महान महिला हस्तियों और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी प्रेरणादायक महिलाओं के नाम पर रखा जाएगा।

सरकार के प्रस्ताव के अनुसार पहली बटालियन का नाम मातंगिनी हाजरा महिला एसपीआरएफ बटालियन होगा, जबकि दूसरी बटालियन को रानी शिरोमणि महिला एसपीआरएफ बटालियन के नाम से जाना जाएगा। इन विशेष महिला बलों को महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जन-सुरक्षा से जुड़े अभियानों तथा दंगा-रोधी ऑपरेशनों में तैनात किया जाएगा। विशेष बात यह है कि पश्चिम बंगाल में पहली बार महिला पुलिसकर्मियों को बड़े पैमाने पर दंगा-नियंत्रण और विशेष सुरक्षा अभियानों ▶▶ 8

वकीलों पर भड़के सीजेआई बोले- काम न करने का बहाना बनाना ठीक नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान स्थगन की मांग कर रहे जूनियर वकीलों को कड़ी नसीहत देते हुए न्यायपालिका में कर्तव्यनिष्ठा और दक्षता के महत्व पर जोर दिया। एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में, सीजेआई ने स्पष्ट रूप से कहा कि न्यायाधीश जनता के पैसे से वेतन पाते हैं, और इसलिए वे काम न करने का कोई बहाना नहीं बना सकते। उन्होंने यह भी साफ किया कि इस समय अदालत में कोई पूर्ण अवकाश नहीं चल रहा है, बल्कि आंशिक कार्यदिवस जारी हैं, और ऐसे में सुनवाई को टालना उचित नहीं है।

यह मामला तब सामने आया जब एक याचिकाकर्ता और प्रतिवादी की ओर से पेश हुए दो जूनियर वकीलों ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ से मामले को टालने का अनुरोध किया। वकीलों ने दलील दी कि उनके सीनियर वकील इस समय उपलब्ध नहीं हैं, और इसलिए इस मामले की सुनवाई १३ जुलाई को कोर्ट के आंशिक कार्यदिवसों के समाप्त होने के बाद की जानी चाहिए। यह अनुरोध अदालती कामकाज में अक्सर देखी जाने वाली एक सामान्य प्रक्रिया थी, लेकिन इस बार सीजेआई सूर्यकांत का रुख कुछ और ही था। जूनियर वकीलों के इस अनुरोध को सिरे से खारिज करते हुए, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अपनी नाराजगी व्यक्त की और एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा, आप लोग स्वतंत्र पेशेवर हैं। लेकिन हमें जो वेतन मिलता है, अगर हम काम नहीं करेंगे तो उसे कैसे सही ठहराएंगे? कल को कोई ▶▶ 8

कच्चे तेल की गिरावट के बावजूद तत्काल सस्ता नहीं होगा पेट्रोल-डीजल: राज्य मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस): पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का मतलब यह नहीं है कि भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम तुरंत कम हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि घरेलू ईंधन कीमतों का निर्धारण कई कारकों पर निर्भर करता है, इसमें कम कीमत पर खरीदे गए कच्चे तेल के भारत पहुंचने में लगने वाला समय महत्वपूर्ण पहलू है।

राज्य मंत्री गोपी ने कहा कि हॉरमुज जलडमरूमध्य जैसे व्यस्त समुद्री मार्गों से कम कीमत वाले कच्चे तेल के भारत पहुंचने में समय लगता है, इससे तुरंत कीमतों में कमी संभव नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि इस साल पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता पैदा की, जिसका सीधा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) पर पड़ा।

राज्य मंत्री गोपी ने बताया कि उपभोक्ताओं को बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन किया। इस प्रक्रिया में केंद्र सरकार को करीब १२,००० करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। ▶▶ 8

आस्था, लोककथाओं और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम है मनसा धाम

नई दिल्ली (ईएमएस):। राजस्थान के सीकर जिले के नीमकाथाना क्षेत्र में स्थित मनसा धाम एक पावन स्थान है, जहां आस्था, लोककथाओं और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। अरावली पर्वतमाला की गोद में बसा यह पवित्र स्थल आज धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ पारिवारिक भ्रमण और प्रकृति प्रेमियों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। नीमकाथाना उपखंड मुख्यालय से लगभग पच्चीस किलोमीटर दूर टोडा गांव के समीप स्थित मनसा धाम अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण विशेष महत्व रखता है।

ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर दूर से ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। पहाड़ी मार्ग से ऊपर पहुंचते समय चारों ओर फैली हरियाली, शुद्ध वातावरण और शांत प्राकृतिक दृश्य मन को आनंद से भर देते हैं। मंदिर परिसर में पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव होता है। यहां आने वाले लोगों का मानना है कि मां मनसा के दर्शन से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यही कारण है कि वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मनसा धाम केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि स्थानीय लोककथाओं और जनआस्थाओं का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रचलित मान्यता ▶▶ 8

भारतीय नौसेना को इसी माह मिलेंगे तीन नए स्वदेशी पोत

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय नौसेना अपनी युद्धक और सामरिक क्षमताओं को एक नया आयाम देने के लिए पूरी तरह तैयार है। जून २०२६ में नौसेना एक साथ तीन अत्याधुनिक स्वदेशी प्लेटफॉर्म-आईएनएस दुनागिरी, आईएनएस अग्रय और आईएनएस संशोधक-को अपनी सेवा में शामिल करेगी। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा निर्मित ये तीनों पोत नौसेना की परिचालन क्षमता को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचाएंगे। इनका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि ये सतही युद्ध, पनडुब्बी रोधी अभियान और समुद्री सर्वेक्षण जैसे तीन अलग-अलग लेकिन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नौसेना की ताकत को कई गुना बढ़ाएंगे। यह कदम आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

आईएनएस दुनागिरी आधुनिक स्टील्थ तकनीक से लैस नीलगिरि श्रेणी का फ्रिगेट है, जिसे प्रोजेक्ट-१७ए के तहत विकसित किया गया है। इसकी डिजाइन इस प्रकार बनाई गई है कि दुश्मन के रडार पर इसकी पहचान करना अत्यंत कठिन हो। यह जहाज अत्याधुनिक रडार, सेंसर और हथियार प्रणालियों से सुसज्जित है, जिसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और क्लोज-इन वेपन सिस्टम जैसी क्षमताएं शामिल हैं। हेलीकॉप्टर संचालन में सक्षम यह शक्तिशाली युद्धपोत लंबे समुद्री अभियानों, एस्कॉर्ट मिशनों और व्यापक समुद्री सुरक्षा कार्यों में अहम भूमिका निभाएगा।

वहीं, आईएनएस अग्रय को विशेष रूप से दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें

युद्धक और सामरिक क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि

निष्क्रिय करने के लिए तैयार किया गया है। यह एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) श्रेणी का पोत है, जो उथले और तटीय समुद्री क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से संचालन कर सकता है। इसमें उन्नत सोनार प्रणाली, हल्के टॉरपीडो और स्वदेशी पनडुब्बी रोधी रॉकेट लगाए गए हैं। क्षेत्रीय देशों द्वारा पनडुब्बी बेड़ों के विस्तार को देखते हुए यह क्षमता भारतीय नौसेना के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

तीसरा महत्वपूर्ण पोत आईएनएस संशोधक एक आधुनिक हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण जहाज है। लगभग ११० मीटर लंबे इस पोत का उपयोग समुद्र तल की मैपिंग, नौवहन मार्गों के सर्वेक्षण और समुद्री आंकड़ों के संग्रह के लिए किया जाएगा। इसमें स्वायत्त अंडरवाटर वाहन (एयूवी) और दूरस्थ रूप से संचालित अंडरवाटर प्रणालियां (आरओवी) भी मौजूद हैं। यह पोत समुद्री सीमाओं से जुड़े डेटा संग्रह, वैज्ञानिक अनुसंधान, बंदरगाह विकास और आपदा राहत अभियानों में महत्वपूर्ण योगदान देगा, जिससे सामरिक योजना और समुद्री सुरक्षा को बल मिलेगा। इन तीनों स्वदेशी पोतों की संयुक्त कमीशनिंग भारतीय नौसेना के आधुनिकीकरण अभियान और आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन ▶▶ 8

संपादकीय

होर्मुज जलमार्ग बहाल होने पर राहत की उम्मीद

अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष को समाप्त करने तथा होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर बनी सहमति भारत समेत दुनिया के कई देशों के लिए संकट से राहत मिलने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। द्विपक्षीय शांति समझौते पर उन्नीस जून को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर किए जाने का प्रस्ताव है। इसके लागू होने से निश्चित तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला फिर से बहाल हो पाएगी, जिससे खासकर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दबाव कम होगा और ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता के साथ-साथ इसकी कीमतों में भी गिरावट आएगी।

मगर अमेरिका और ईरान के बीच इस सहमति को अभी उम्मीद के तौर पर ही देखा जा रहा है, क्योंकि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों के रुख में जिस तरह की अनिश्चतता देखी गई है, उस लिहाज से इस समझौते के सिरे चढ़ने को लेकर अभी पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है।

संशय इसलिए भी बना हुआ है, क्योंकि अंतिम समझौते के नियम और शर्तें अभी औपचारिक रूप से सार्वजनिक नहीं की गई हैं और दोनों पक्षों में से कौन इसमें अड़ंगा लगा दे, इसे बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल ने इस वर्ष 28 फरवरी को ईरान पर संयुक्त रूप से हमला किया था, जिसके बाद ईरान ने भी पलटवार शुरू कर दिया। अप्रैल में अमेरिका की ओर से दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा की गई, जिसे बाद में अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया।

हालांकि, इस बीच दोनों ओर से छिटपुट हमले होते रहे, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान होर्मुज जलमार्ग को बाधित करने से हुआ, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया। वैश्विक तेल आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से का परिवहन इसी मार्ग से होता है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे तेल उत्पादक खाड़ी देशों के लिए यही मुख्य निर्यात मार्ग है, जो भारत के प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता भी हैं। अगर यह मार्ग फिर से बहाल हो जाता है, तो भारत जैसे दुनिया के कच्चे तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम होंगी, माल ढुलाई लागत घटेगी और महंगाई पर दबाव भी कम होगा।

पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने पर बनी सहमति की खबरें आने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल कीमतों में गिरावट का दौर शुरू हो गया। भारत में इसका असर शेयर बाजार में उछाल और डालर के मुकाबले रुपए की मजबूती के रूप में सामने आया। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह समझौता सफलतापूर्वक लागू होता है, तो भारत की अर्थव्यवस्था को कई मोर्चों पर राहत मिलने की उम्मीद है। इससे पश्चिम एशिया को होने वाले भारत के निर्यात में तेजी आएगी, विनिर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी और रुपये की स्थिरता को भी बल मिलेगा। ईरान की ओर से होर्मुज जलमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद इसके आसपास अमेरिका की नाकेबंदी से स्थिति और जटिल हो गई है। मगर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय सहमति के एलान के साथ यह स्पष्ट कर दिया है कि इस जलमार्ग के फिर से खुलते ही नाकेबंदी को भी हटा लिया जाएगा।

ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि अमेरिका और ईरान इस सहमति पर कायम रहेंगे और शांति समझौते को अंतिम मंजूरी देने की दिशा में सकारात्मक रूप से कदम आगे बढ़ाएंगे, ताकि पश्चिम एशिया में फिर से शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि का रास्ता खुल सके।

चलती ट्रेन में अफवाहों से पैदा हुए डर का असली जिम्मेदार कौन?

मध्य प्रदेश में मुरैना रेलवे स्टेशन के निकट हुए हादसे में चार यात्रियों की मौत से रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बार-बार होने वाले इस तरह के हादसे रेलवे बोर्ड के उन दावों की सच्चाई को सामने लाते हैं, जिनमें रेलगाड़ी के सफर को पूरी तरह सुरक्षित बनाए जाने की बात कही जाती है। सवाल है कि अगर चलती ट्रेन में किसी तरह की अफवाह से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपायों पर ध्यान न दिया जाए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? गौरतलब है कि रविवार को खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के इंजन के पास के एक डिब्बे में आग लगने की अफवाह के बाद कुछ यात्री ट्रेन से उतर कर बगल की पटरियों पर खड़े हो गए। इसी बीच, दूसरी ओर से आ रही एक अन्य ट्रेन की चपेट में आने से चार यात्रियों की मौत हो गई। इससे प्रतीत होता है कि पहले हुए इस तरह के हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया। एक ट्रेन के यात्रियों

का दूसरी ट्रेन की चपेट में आने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी देश भर में ऐसे कई हादसे हो चुके हैं। सवाल है कि इस तरह की अफवाह के दौरान स्थिति को कैसे संभालना है, क्या रेलवे कर्मियों को इसका प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है? ट्रेन के चालक और अन्य कर्मियों को वहां से गुजरने वाली अन्य रेलगाड़ियों के समय की जानकारी होती है, इसके बावजूद दूसरी पटरी पर खड़े यात्रियों को समय रहते आगाह क्यों नहीं किया गया। उत्तर मध्य रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया कि घटनास्थल पर तीखा मोड़ है, इसलिए पटरी पर खड़े यात्रियों और दूसरी ओर से आ रही ट्रेन के चालक को एक-दूसरे का पता नहीं चल सका। मगर सवाल यह भी है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए रेलवे में बचाव का कोई पुख्ता तंत्र विकसित क्यों नहीं किया जाता? रेलवे बोर्ड को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और इस हादसे की गहराई से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि इस तरह के हादसे की पुनरावृत्ति न हो।

आज का कार्टून

जयपुरः कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन में अभिजीत दीपके को जड़ा थप्पड़

मोदी की फ्रांस, स्लोवाकिया यात्रा से बदले वैश्विक समीकरण

> देखा जाये तो मोदी की यह पूरी यूरोपीय यात्रा दरअसल भारत की बहुस्तरीय कूटनीति का उदाहरण है। एक ओर फ्रांस जैसे शक्तिशाली राष्ट्र के साथ रक्षा और तकनीकी गठजोड़ को नई ऊंचाई दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर स्लोवाकिया जैसे देशों के माध्यम से यूरोप में भारत का प्रभाव क्षेत्र विस्तारित किया जा रहा है। यह नीति भारत को ग्लोबल साउथ और पश्चिमी शक्तियों के बीच एक संतुलित, विश्वसनीय और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज दुनिया के बदलते भू राजनीतिक माहौल में भारत जिस आत्मविश्वास के साथ अपनी रणनीतिक दिशा तय कर रहा है, उसके केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय और दूरदर्शी कूटनीति है। चाहे रक्षा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हो, वैश्विक नवाचार में नेतृत्व की महत्वाकांक्षा हो या यूरोप के साथ बहुआयामी साझेदारी का विस्तार, मोदी सरकार ने हर मोर्चे पर भारत की स्थिति को मजबूत किया है।

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। खासतौर पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मोदी का स्वागत जिस धुरंधर स्टाइल में किया, उसने दुनिया को साफ संदेश दे दिया कि मोदी वैश्विक राजनीति के सबसे बड़े धुरंधरों में गिने जाते हैं। इस यात्रा के दौरान यूरोप की धरती पर भारत की बढ़ती ताकत और मोदी की वैश्विक लोकप्रियता हर तरफ दिखाई दी। फ्रांस से लेकर स्लोवाकिया तक भारतीय समुदाय ने अपने प्रधानमंत्री का जिस उत्साह, जोश और भारतीय अंदाज में स्वागत किया, उसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी। हाथों में तिरंगा, भारत माता के जयकारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने यह दिखा दिया कि दुनिया भर में बसे भारतीय आज अपने देश की बढ़ती प्रतिष्ठा पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि मोदी की यह यात्रा केवल एक विदेशी दौरा नहीं रही, बल्कि दुनिया के सामने नए और शक्तिशाली भारत का दमदार प्रदर्शन बन गई।

देखा जाये तो यूरोप की धरती पर मोदी का स्वागत जिस गर्मजोशी, रणनीतिक सम्मान और राजनीतिक विश्वास के साथ हुआ, उसने दुनिया को यह संदेश दिया कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। विशेष रूप से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को जिस तरह भारतीय रंग दिया, वह भारत की बढ़ती सांस्कृतिक और रणनीतिक ताकत की स्वीकारोक्ति थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो, मोदी और मैक्रों की आत्मीयता और नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन ने यह साबित किया कि भारत और फ्रांस का रिश्ता अब केवल हथियार खरीद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक, नवाचार, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक नेतृत्व की साझेदारी में बदल चुका है।

मोदी और मैक्रों की बैठक में जो सबसे महत्वपूर्ण संदेश उभरा, वह था रक्षा सहयोग का नया प्रारूप। भारत ने साफ कर दिया कि अब वह केवल विदेशी हथियारों का खरीदार नहीं रहेगा। राफेल कार्यक्रम को लेकर भारत ने सह विकास, सह डिजाइन, सह उत्पादन और सह निर्माण की नीति अपनाकर अपनी रणनीतिक दिशा स्पष्ट कर दी है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री का बयान इस बात का संकेत है कि मोदी सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को निर्णायक रूप से आगे बढ़ा रही है।

देखा जाये तो राफेल केवल एक युद्धक विमान नहीं है बल्कि यह भारत की सामरिक शक्ति का प्रतीक बन चुका है। भारतीय वायुसेना के पास पहले से मौजूद 36 राफेल विमानों ने दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को बदल दिया है। अब भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल समुद्री विमानों का समझौता और भविष्य में बड़े राफेल कार्यक्रम की तैयारी यह दिखाती है कि भारत हिंद महासागर से लेकर हिमालय तक अपनी सैन्य क्षमता को नई ऊंचाई पर ले जा रहा है। इन विमानों की लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता, अत्याधुनिक सेंसर प्रणाली और बहु भूमिका युद्ध कौशल भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों के खिलाफ निर्णायक बढ़त देते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब राफेल का निर्माण और उसके पुर्जों का उत्पादन भारत में करने की दिशा में बातचीत आगे बढ़ रही है। इसके जरिये भारत विश्व का प्रमुख रक्षा विनिर्माण केंद्र बन सकता है। इससे न केवल लाखों कुशल रोजगार पैदा होंगे बल्कि भारत का रक्षा औद्योगिक ढांचा भी मजबूत होगा। यह बदलाव दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर गहरा प्रभाव डालेगा। अब तक हथियार आयात पर निर्भर भारत धीरे धीरे रक्षा निर्यातक राष्ट्र बनने की दिशा में बढ़ रहा है। इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के पक्ष में और अधिक झुकता दिखाई देगा।

साथ ही फ्रांस के साथ भारत की साझेदारी केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। भारत फ्रांस नवाचार रोडमैप 2030, कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्य समूह, आर्थिक सुरक्षा संवाद और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति शृंखला पर सहयोग जैसे फैसले इस बात का संकेत हैं कि दोनों देश आने वाले दशकों की वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी प्रतिस्पर्धा को साथ मिलकर आकार देना चाहते हैं।

नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन इस यात्रा का सबसे प्रतीकात्मक क्षण साबित हुआ। एक सौ बीस से अधिक भारतीय डीप टेक स्टार्टअप, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की भागीदारी और वैश्विक निवेशकों की मौजूदगी ने यह साबित कर दिया कि भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि नवाचार का वैश्विक केंद्र बन चुका है। मोदी ने सही कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता केवल हितों का नहीं, बल्कि साझा दृष्टि का रिश्ता है। मैक्रों द्वारा भारत की चंद्रयान उपलब्धि और नवाचार क्षमता की खुली प्रशंसा इस बात का प्रमाण है कि विश्व अब भारत को तकनीकी महाशक्ति के रूप में देखने लगा है।

फ्रांस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू था अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा सहयोग। छोटे और उन्नत परमाणु रिएक्टरों पर सहयोग तथा मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में साझेदारी भारत को भविष्य की रणनीतिक तकनीकों में अग्रणी स्थान दिला सकती है। यही कारण है कि भारत फ्रांस संबंध अब पारंपरिक कूटनीति से निकलकर भविष्य की वैश्विक व्यवस्था की धुरी बनते दिख रहे हैं।

फ्रांस के बाद प्रधानमंत्री मोदी की स्लोवाकिया यात्रा ने भारत की यूरोपीय रणनीति को और गहराई दी। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली स्लोवाकिया यात्रा थी और इसी तथ्य ने इसे ऐतिहासिक बना दिया।

ब्रातिस्लावा में प्रधानमंत्री राबर्ट फित्सो और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ हुई बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब यूरोप के छोटे लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देशों के साथ भी मजबूत संबंध बना रहा है। भारत और स्लोवाकिया के बीच संबंधों को व्यापक साझेदारी का दर्जा दिया जाना एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है। यह मध्य यूरोप में भारत की बढ़ती उपस्थिति का संकेत है। वाहन निर्माण, रेलवे उत्पादन, निवेश, उभरती तकनीक और व्यापार के क्षेत्रों में सहयोग भारत को यूरोपीय संघ के भीतर नई आर्थिक और रणनीतिक पहुंच देगा। विशेष रूप से भारत यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र लागू करने की दिशा में सक्रिय दिख रहा है, जिसका लाभ भारतीय उद्योग और निर्यात को मिलेगा।

देखा जाये तो मोदी की यह पूरी यूरोपीय यात्रा दरअसल भारत की बहुस्तरीय कूटनीति का उदाहरण है। एक ओर फ्रांस जैसे शक्तिशाली राष्ट्र के साथ रक्षा और तकनीकी गठजोड़ को नई ऊंचाई दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर स्लोवाकिया जैसे देशों के माध्यम से यूरोप में भारत का प्रभाव क्षेत्र विस्तारित किया जा रहा है। यह नीति भारत को ग्लोबल साउथ और पश्चिमी शक्तियों के बीच एक संतुलित, विश्वसनीय और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि आज दुनिया के बदलते भू राजनीतिक माहौल में भारत जिस आत्मविश्वास के साथ अपनी रणनीतिक दिशा तय कर रहा है, उसके केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय और दूरदर्शी कूटनीति है। चाहे रक्षा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हो, वैश्विक नवाचार में नेतृत्व की महत्वाकांक्षा हो या यूरोप के साथ बहुआयामी साझेदारी का विस्तार, मोदी सरकार ने हर मोर्चे पर भारत की स्थिति को मजबूत किया है।

दोस्त बहुत कुछ समानता रखते हुए भी होते हैं भिन्न

> दो मित्रों के बीच संवाद एक-दूसरे को समझने और सामंजस्य स्थापित करने में मदद करता है। फिर भी कई बार जब हम किसी व्यक्ति से किन्हीं कारणों से दूर होना चाहते हैं, उसे भी सहजता से स्वीकार करना चाहिए। इसमें दूसरे की इच्छा सर्वोपरि है, लेकिन ऐसे में कई बार जब हम दूसरे पर अपना हक जताने लगते हैं, तो रिश्ते में दरार पड़ने लगती है और यह स्थिति कई बार इतनी बढ़ जाती है कि दोस्ती, दुश्मनी में बदल जाती है। जो आज हमारे दोस्त हैं, वही कल दुश्मन हो जाता है। मगर हम यह क्यों यह भूल जाते हैं कि हर व्यक्ति की मानसिक स्थिति और आवश्यकता हमेशा एक-सी नहीं रहती।

अनुपमा तिवाड़ी

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज में वह बहुत सारे रिश्तों के साथ रहता है। हर व्यक्ति का रिश्ता किसी दूसरे के साथ अलग तरह का होता है। समाज में बहुत से रिश्ते हमें विरासत में मिलते हैं, जिन्हें हम कई बार पारिवारिक, तो कभी सामाजिक दबावों की वजह से निभाते हैं। ऐसे रिश्ते धीरे-धीरे मरते जाते हैं और फिर एक समय आता है कि जब वे टूट जाते हैं।

पहले ये रिश्ते झगड़ों के बाद भी बने रहते थे, जिसके अनेक कारण थे। मगर अब भौतिक साधनों के चलते परस्पर निर्भरता कम हुई है। कभी-कभी कुछ समय चलने के बाद रिश्तों में एक-दूसरे से कुछ नहीं कह पाने की ऊहापोह अबोलेपन में बदल जाती है और फिर दूरियां बढ़ते-बढ़ते रिश्तों की डोर कब टूट जाती है, पता ही नहीं चलता। किसी भी रिश्ते को खींच-खींचकर लंबे समय तक निभाया नहीं जा सकता है।

सामाजिक रिश्तों में दोस्ती का रिश्ता हम खुद चुनते हैं। एक जैसे आचार-विचार, पसंद-नापसंद और सम्मानजनक व्यवहार करने वाले दो व्यक्ति परिचय से आगे बढ़कर कब हाथ बढ़ाकर दोस्त बन जाते हैं, हमें पता ही नहीं चलता। यह दोस्ती एक-दूसरे के लगातार संपर्क से सुकून की तरफ जाने लगती है। दोस्ती का रिश्ता हमें खास महसूस करवाता है, जिसे हमने चुना होता है और जिसमें कोई बाध्यता नहीं, निभाने का कोई दबाव नहीं।

'दोस्ती' एक छोटा-सा शब्द है, लेकिन इसमें पूरी दुनिया समाई होती है। बिना दोस्ती के हमारा जीवन अधूरा-सा महसूस होता है, जहां हम दिल खोलकर बातें करते हैं और जहां मुश्किल समय में हम दोस्त के लिए खड़े रहते हैं। दोस्ती का रिश्ता अमीरी-गरीबी, अच्छे-बुरे या किसी भी भेदभाव को नहीं देखता। यह सच्चाई और समर्पण पर आधारित होता है।

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि मजबूत रिश्ते तनाव को कम करते हैं और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। हाल के अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि जिन लोगों के पास अच्छे रिश्ते होते हैं, वे अधिक खुश और स्वस्थ होते हैं। उदाहरण के लिए एक व्यक्ति जो अपने मित्रों के साथ नियमित रूप से समय बिताता है, वह अधिक संतुष्ट और खुश रहता है।

दो दोस्त बहुत कुछ समानता रखते हुए भी भिन्न होते हैं। इसलिए ''दोस्ती एक कला है'', जिसमें हर व्यक्ति एक-दूसरे की निजता का सम्मान करता है, उसे प्रेरित करता है, उसके सुख-दुख का साथी होता है। मगर बहुत निकटता होने के बावजूद हर व्यक्ति का एक निजी कोना भी होता है, जिसमें प्रवेश करना वर्जित होता है। इसलिए दूसरे को सुनना और समझना बहुत आवश्यक है। दूसरे की निजता का सम्मान करना बहुत जरूरी है। कई बार हम किसी दूसरे के अंदर की आवाज सुने बिना अपनी इच्छाएं उस पर लादने लगते हैं, जिससे व्यावहारिक समस्याएं पैदा होने लगती हैं। मगर रिश्तों की मजबूत डोर तो दिलों से बंधी होती है, जिसे कोई भी अलग नहीं कर सकता। दोस्ती पर कितने ही गीत बने हैं, फिल्में बनी हैं, जिन्होंने दोस्ती की मिसाल पेश की है, मौन को पढ़ना सिखाया है।

दोस्ती कहने भर का शब्द नहीं, महसूस करने का रिश्ता है। यह एक गंभीर चिंतन का विषय है कि हमें अपने रिश्तों को कैसे सहेजना है? रिश्तों को नियमों में नहीं बांधा जा सकता। दोस्ती करना सिखाया नहीं जा सकता। एक समय के बाद हम कभी-कभी दूसरे दोस्त से पहले जैसे व्यवहार की अपेक्षा करने लगते हैं, जो व्यवहार हमें पहले मिलता था, हमें वही व्यवहार चाहिए होता है। हम यह क्यों भूल जाते हैं कि दोस्त भी एक व्यक्ति है, उसमें भी हर दिन बदलाव हो रहा है- शरीर का, भावनाओं का, उसकी स्थितियों का और आवश्यकताओं का। इसलिए पहले जैसी मांग की अपेक्षा कई बार हमें और दोस्त, दोनों को असमंजस में डाल देती है।

दो मित्रों के बीच संवाद एक-दूसरे को समझने और सामंजस्य स्थापित करने में मदद करता है। फिर भी कई बार जब हम किसी व्यक्ति से किन्हीं कारणों से दूर होना चाहते हैं, उसे भी सहजता से स्वीकार करना चाहिए। इसमें दूसरे की इच्छा सर्वोपरि है, लेकिन ऐसे में कई बार जब हम दूसरे पर अपना हक जताने लगते हैं, तो रिश्ते में दरार पड़ने लगती है और यह स्थिति कई बार इतनी बढ़ जाती है कि दोस्ती, दुश्मनी में बदल जाती है। जो आज हमारे दोस्त हैं, वही कल दुश्मन हो जाता है।

मगर हम यह क्यों यह भूल जाते हैं कि हर व्यक्ति की मानसिक स्थिति और आवश्यकता हमेशा एक-सी नहीं रहती। आज जो उसकी पसंद है, हो सकता है कल वह न हो। हमें रिश्तों के प्रति सहज रहना चाहिए। आपसी समझ और स्वतंत्रता बहुत जरूरी है। किसी भी रिश्ते में अगर कोई नहीं रहना चाहता हो, तो उसे सहजता से स्वीकार करना चाहिए। जब चुनने की स्वतंत्रता है, तो अलग होने की क्यों नहीं? बिना किसी को आहत किए हम खुद को उस रिश्ते से बाहर निकाल सकते हैं। यह दोनों के सम्मान को बनाए रखेगा और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देगा।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को ले नियमित योगाभ्यास का संदेश

धनबाद (कासं) : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कोयला भवन मुख्यालय, बीसीसीएल में जारी सात दिवसीय योग कैंप के चौथे दिन भी आज अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ योग के विभिन्न सत्रों में अपनी सहभागिता की तथा योगाभ्यास किया।

योग प्रशिक्षक डी.के. पासवान के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं विश्राम संबंधी अभ्यास किए। इस दौरान योग की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई, तथा बताया गया कि योग के नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन बढ़ता है, श्वसन प्रणाली बेहतर होती है, तनाव एवं थकान में राहत मिलती है एवं मानसिक शांति की प्राप्ति होती है।

प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अनुशासन और उत्साह के साथ सभी अभ्यासों में सक्रिय भागीदारी की।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (सिक्यूरिटी) हफिजुल कुरैशी, महाप्रबंधक (खनन/एचआरडी) सुधाकर प्रसाद, विभागाध्यक्ष (औद्योगिक संबंध/सीएसआर), विभागाध्यक्ष (विधि) डॉ. कुमार शरत सिन्हा, विभागाध्यक्ष (कल्याण) किरण रानी नायक सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २०२६ के आयोजन की पूर्व तैयारी के तहत आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार देशभर के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) एवं विभिन्न सरकारी विभागों में योग कैम्प एवं वेलनेस सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए कॉमन योग प्रोटोकॉल के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का समापन आगामी २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य समारोह के साथ किया जाएगा।

धनबाद (कासं) : नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित विशेष दिव्यांग स्कूल पहला कदम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में त्रिदिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को योग के महत्व से अवगत कराना तथा उनके शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक विकास को बढ़ावा देना है। साथ ही आगामी २१ जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए बच्चों को तैयार करना भी इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है।

कार्यक्रम में स्कूल के सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। इस अवसर पर जिला आयुष समिति, धनबाद के योग प्रशिक्षक रोहित कुमार, भवानी राय एवं हीरालाल शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का प्रशिक्षण दिया तथा बताया कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की एक कला है। नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ, मन शांत तथा विचार सकारात्मक बने रहते हैं।

उन्होंने कहा कि २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन हेतु बच्चों को विशेष अभ्यास कराया जा रहा है, ताकि वे योग दिवस पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यक्रम में स्कूल के सुपरवाइजर कौशल अग्रवाल भी उपस्थित रहे। स्कूल की सचिव अनीता अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बच्चों को नियमित योग अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों की जानकारी दी गई तथा उनका अभ्यास कराया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। यह त्रिदिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी तीन दिनों तक संचालित होगा।

इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में स्वास्थ्य, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व को समझते हुए अपने जीवन में योग को अपनाएँ।

महिलाओं के लिए मिलेट खेती व उद्यमिता कार्यक्रम शुरू

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजना के तहत पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में उच्च गुणवत्ता वाले मिलेट की खेती और जनजातीय महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक फील्ड विजिट एवं सामुदायिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत की है।

यह कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता वाले मिलेट उत्पादन के माध्यम से पश्चिम बंगाल की जनजातीय महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने तथा डिजिटल मार्केटिंग प्लेटफॉर्म विकसित करने संबंधी परियोजना का हिस्सा है। यह परियोजना पिछले वर्ष से संचालित की जा रही है, जिसके तहत क्षेत्र में पहले भी कई प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान आईआईटीआईएसएम की टीम पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के सालतोड़ा प्रखंड स्थित रंगामाटिया गांव में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), किसानों तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के साथ संवाद कर रही है। इसका उद्देश्य मौजूदा कृषि पद्धतियों को समझना, चुनौतियों की पहचान करना और मिलेट आधारित आजीविका एवं उद्यमिता की संभावनाओं को बढ़ावा देना है। साथ ही गांव स्तर पर सर्वेक्षण कर फसल पैटर्न, उपलब्ध संसाधनों और बाजार संबंधी चुनौतियों का भी आकलन किया जा रहा है। परियोजना के प्रधान अन्वेषक (पीआई) और प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियंत्रण विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. निलाद्रि दास ने कहा कि मिलेट खेती ग्रामीण आजीविका और पोषण सुरक्षा को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। वहीं सहप्रधान अन्वेषक (कोपीआई) एवं विभाग की सहायक प्रोफेसर प्रो. रश्मि सिंह ने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को आधुनिक खेती, मूल्य संवर्धन, डिजिटल मार्केटिंग और बाजार से जुड़ाव की जानकारी दी जा रही है। यह पहल महिला सशक्तीकरण, सतत ग्रामीण विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री श्री विश्वनाथ महादेव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

धनबाद (कासं) : सहयोगी नगर सेक्टर३ स्थित नवनिर्मित भव्य श्री श्री विश्वनाथ महादेव मंदिर में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तृतीय दिन मुख्य अनुष्ठान के तहत मूर्तियों की विधिविधान से प्राण प्रतिष्ठा, महायज्ञ की पूर्णाहुति और विशाल महाभंडारा का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में भक्तजन उपस्थित हुए। प्राण प्रतिष्ठा के समापन समारोह में पहुंचे मुख्य अतिथि मेयर संजीव सिंह ने युवाओं से अपने सनातन धर्म, संस्कृति और परंपराओं को जाननेसमझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्षों के संघर्ष और बलिदान के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि आज के युवा ज्यादातर समय मोबाईल फोन चलाने में देते हैं उनके अभिभावकों से अपील है कि अपने बच्चों को श्री राम महादेव, आदिशक्ति माँ दुर्गा के बारे में भी बताएं।

मेयर संजीव सिंह, उदय प्रताप सिंह, हरीश सिंह व मंदिर निर्माण में सहयोग देने वाले अतिथियों एवं सदस्यों को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंदिर कमिटी के सदस्य और श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा इस मंदिर के निर्माण के लिए मुखिया भुवनेश्वर प्रसाद यादव ने जमीन दान दिया था इसके लिए हम सब उनके आभारी हैं। रात्रि में भव्य जागरण का आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के उदय प्रताप सिंह, हरीश सिंह, मृत्युंजय तिवारी, केदार नायक, अनिल कुमार, राजेश कुमार, अजीत सिंह सहित सभी सदस्य का महत्वपूर्ण योगदान था।

चंचनी कॉलोनी में निजी गार्ड की संदिग्ध मौत

धनबाद (कासं) : धनबाद के चंचनी कॉलोनी स्थित एक व्यवसायी के बंगले में पिछले १९ वर्षों से निजी गार्ड के रूप में कार्यरत ४५ वर्षीय अनिल कुमार सिंह की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों ने शव उठाने से मना कर दिया और बंगले के बाहर विरोध जताया। सूचना मिलने पर पुलिस, श्रम विभाग और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गया है। मृतक अनिल कुमार सिंह धनबाद के ठाकुर कुल्ही क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहते थे, जबकि मूल रूप से बिहार के आरा के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतक के परिजनों कमलेश सिंह अनुसार अनिल करीब २० वर्षों से व्यवसायी जितेंद्र अग्रवाला के बंगले में निजी गार्ड के रूप में कार्यरत थे और चौबीसों घंटे ड्यूटी पर रहते थे। बीती रात बंगले में ही उनकी मौत हो गई, जिसकी सूचना परिजनों को देर से मिलने का आरोप लगाया जा रहा है।

मृतक के परिजनों का आरोप है कि काम के दौरान हुई मौत के बावजूद मालिक की ओर से किसी प्रकार के मुआवजे की घोषणा नहीं की गई, जिससे परिवार में आक्रोश है। परिजनों ने उचित मुआवजा और न्याय की मांग करते हुए शव उठाने से इनकार कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए धनबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। धनबाद थाना प्रभारी मनोज पांडेय ने बताया कि मौत के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं श्रम निरीक्षक ऋषि कुमार प्रजापति ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर नियमों के तहत मुआवजे की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। फिलहाल प्रशासन की ओर से परिजनों और बंगले के मालिक के बीच वार्ता कर समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

मजदूरकिसानों का 10 अगस्त को जेलभरो आंदोलन

धनबाद (कासं) : मजदूरकिसानों का १० अगस्त को जेलभरों आंदोलन आयोजित किया जायगा। उक्त फैसला मजदूर यूनियन (सीटू) और किसान सभा के संयुक्त बैठक कॉ बीटीआर भवन प्रेमचंद नगर धनबाद में लिया गया है। बैठक में १० अगस्त को जेल भरो आंदोलन संयुक्त ट्रेड यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त रूप से भारत छोड़ो दिवस के अवसर पर १० अगस्त को जेलभरों का आह्वान किया है। इसी के तहत सीटू और किसान सभा धनबाद की संयुक्त बैठक में निर्णय लेते हुए नेताओं ने कहा कि धनबाद जिला में भी बड़े पैमाने पर जेल भरो कार्यक्रम में भारी संख्या में मजदूरकिसान हिस्सा लेंगे।

इसकी व्यापक सफलता के लिए जुलाई में संयुक्त ट्रेड यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा का संयुक्त जिला स्तरीय सम्मेलन कर आंदोलन के लिए कार्यक्रम आगे बढ़ाया जाएगा। साथ ही कोल वर्कर फेडरेशन के आह्वान पर कोयला उद्योग में १२वां वेतन समझौता शीघ्र लागू करो को लेकर १ जुलाई को मांग दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर सीटू और किसान सभा के नेताओं ने कहा कि मजदूर विरोधी चार लेबर कोड के खिलाफ विगत ९जुलाई २०२५ में जिस तरह देशव्यापी हड़ताल सफल करने के बाद भी केंद्र की भाजपा सरकार नियमों की अधिसूचना जारी कर दिया है, वहीं कृषि क्षेत्र में एमएसपी लागू करने का मोदी सरकार वादा से मुकर रहा है। अब जेल भरो आंदोलन मजदूरकिसान का एकजुटता का मिशाल बनेगा। नेताओं ने आगे कहा कि हम मजदूरकिसान को आगे बढ़ कर देश के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए साम्राज्यवाद और संप्रदायवाद के लिए संघर्ष तेज करना होगा। संयुक्त बैठक की अध्यक्षता सीटू जिला अध्यक्ष कॉ आनंदमय पाल और किसान सभा जिला कन्वेनर कॉ परशुराम महतो की अध्यक्ष मंडली ने किया। जबकि बैठक में दिशानिर्देश करने हेतु सीटू राज्य कमिटी से कॉ मानस चटर्जी के अलावा सीटू जिला महामंत्री कॉ राम कृष्णा पासवान, उपाध्यक्ष कॉ हरि प्रसाद पप्पू व हराधन रजवार, किसान नेता संतोष कु महतो, हेमंत मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मानदेय वृद्धि मामले पर मेयर से मिला प्रतिनिधिमंडल

कतरास (ससे) : धनबाद नगर निगम के शहरी क्षेत्र में कार्यरत २८० सहायक अध्यापकों के वार्षिक ४ प्रतिशत मानदेय वृद्धि के मामले को लेकर शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल मेयर संजीव कुमार सिंह से उनके कार्यालय में मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने मेयर के समक्ष मानदेय वृद्धि से संबंधित मांगों को रखा। इस पर मेयर संजीव कुमार सिंह ने आश्वासन दिया कि २७ जून के बाद इस विषय पर विभागीय स्तर पर बोर्ड की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें शिक्षा विभाग के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। बैठक में मानदेय वृद्धि के प्रस्ताव पर विचारविमर्श कर आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

मेयर के आश्वासन के बाद सहायक अध्यापकों में सकारात्मक माहौल देखा गया। प्रतिनिधिमंडल में उत्पल चौबे, चंदन मोदक, संजय प्रजापति, मनोज राय, राजेश कुमार, मोतीलाल महतो, परितोष महतो सहित दर्जनों सहायक अध्यापक उपस्थित थे।

शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि बोर्ड की आगामी बैठक में उनके वार्षिक ४ प्रतिशत मानदेय वृद्धि के लंबित मामले का सकारात्मक समाधान निकलेगा।

अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला ने संभाला पदभार

धनबाद (कासं) : जिले के नए अपर समाहर्ता के रूप में प्रदीप कुमार शुक्ला ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। निवर्तमान अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने उन्हें कार्यभार सौंपा।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा विगत बीती देर शाम जारी हुए प्रशासनिक पदाधिकारियों के स्थानांतरण आदेश के तहत धनबाद के अपर समाहर्ता विनोद कुमार का तबादला मेदिनीनगर नगर निगम के नगर आयुक्त के पद पर किया गया है। वहीं, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, रांची में उप सचिव के पद पर कार्यरत प्रदीप कुमार शुक्ला को धनबाद का नया अपर समाहर्ता नियुक्त किया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद प्रदीप कुमार शुक्ला ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा संचालित विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों के सहयोग से प्रशासनिक कार्यों को और अधिक पारदर्शी तथा जनोन्मुखी बनाने की प्रतिबद्धता जताई। उल्लेखनीय है कि प्रदीप कुमार शुक्ला का धनबाद से पुराना जुड़ाव रहा है। इससे पूर्व वे जिले में जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

इस मौके पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खलखो, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा, आइटी मैनेजर रूपेश कुमार मिश्रा, बिजनेस एनालिस्ट आनंद पटेल, जिला राजस्व शाखा के कार्यालय अधीक्षक राम विलास राम, सुशील कुमार सिन्हा, प्रधान सहायक कुमार कर्मवीर, मंजू मंझियाइन, मो. सोहराब, प्रशांत कुमार झा, मनीष कुमार, विजय कुमार, संतोष कुमार, अंशु देव, राज पृथ्वी राज, तालिब हुसैन, पिंकी कुमारी, उमेश कुमार, पिंकी कुमारी, मोबिन अंसारी आदि मौजूद थे।

गुरु अर्जन देव के शहादत दिवस पर शरबत व लंगर की सेवा

धनबाद (कासं) : श्री गुरु अर्जन देव जी के ४२०वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में बड़ा गुरुद्वारा, बैंक मोड़ में भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए शरबत वितरण और लंगर की विशेष व्यवस्था की गई। गुरुद्वारा परिसर में सुबह से ही संगत का जमावड़ा रहा। कीर्तनदरबार में रागी जत्थों ने गुरु अर्जन देव के जीवन, शिक्षाओं और शहादत पर आधारित शबदकीर्तन प्रस्तुत किए, जिसका श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव से आनंद लिया।

कार्यक्रम के दौरान गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं और राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाकर सेवा भाव का परिचय दिया गया। इसके साथ ही लंगर की व्यवस्था भी की गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

आयोजकों ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी का बलिदान सत्य, धैर्य और निःस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। इस तरह के आयोजन हमें उनकी शिक्षाओं पर चलने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम का समापन अरदास और रहरास साहिब के पाठ के साथ हुआ, जिसमें सभी की सुखसमृद्धि की कामना की गई।

कालीमेला (ससे) : सिखों के पांचवे गुरु गुरु अर्जन देव जी का ४२०वां शहीदी दिवस मनाया गया, स्त्री सत्संग ने शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया, सरदार सतपाल सिंह बिट्टू सिंह ने बताया कि सिखों के पांचवे गुरु गुरु अर्जन देव जी को एक महान गुरु कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने धर्म और मानवता के लिए अपना बलिदान दिया था। वह एक महान आध्यात्मिक विद्वान, और कुशल गुरु थे, जिन्होंने मुगलबादशाह के अत्याचार के खिलाफ अपना धर्म को नहीं छोड़ा और लड़ाई धर्म के खिलाफ जारी रखी।

लेकिन उनका झुकाव ध्यान और आध्यात्मिकता की ओर था। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल ११५ शबद लिखे और जैसी शिक्षाएँ दीं, जो जीवन के सभी सुखदुख और मानअपमान को समान भाव से स्वीकार करने का संदेश देती हैं।

मुगल बादशाह ने हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे थे। जबरन मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया जा रहा था। जब पंडितों ने गुरु से मदद मांगी, तो गुरु ने उनकी रक्षा के लिए अपना बलिदान देने का निर्णय लिया। मुगल बादशाह के अत्याचार के विरुद्ध उन्होंने अपनी शहीदी दी। उनकी शहादत के बाद सिख समाज नमन करता है।

बोकारो टाउनशिप में नागरिक सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना के विकास कार्य जारी

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) अपने टाउनशिप निवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं एवं गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस क्रम में टाउनशिप की अधिकांश मुख्य सड़कों, सेक्टरों की आंतरिक सड़कों तथा परिधीय सड़कों की व्यापक मरम्मत एवं उन्नयन का कार्य किया गया है। यह प्रक्रिया अभी भी जारी है।हाल ही में सेक्टर २सी, २बी, ३ए, ३बी, ४जी, ६ए, ९ए एवं ९डी में लगभग १५ किलोमीटर सड़कों की मरम्मत अत्याधुनिक माइक्रो-सर्फेसिंग तकनीक के माध्यम से की गई है।

इसके अतिरिक्त सेक्टर २ए, २बी, २सी, २डी, ३सी, ३डी, ५डी, ८बी, ९बी, ९डी, ११सी तथा ११डी में लगभग ११ किलोमीटर सड़कों का मरम्मत कार्य भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। इसके अतिरिक्त चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक लगभग ८ किलोमीटर सड़कों पर माइक्रो-सर्फेसिंग तथा लगभग १० किलोमीटर सड़कों की बिटुमिनस (डामर) मरम्मत किए जाने की योजना है।

आवासीय परिसरों के रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से सेक्टर ८ए एवं ११ए में आवासीय भवनों की बाहरी मरम्मत का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों में टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों के ८०० से अधिक आवासीय ब्लॉकों में बाहरी मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य पूरा किया जा चुका है। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक लगभग ५०० अतिरिक्त आवासीय ब्लॉकों में बाहरी मरम्मत कार्य की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

निवासियों को निर्बाध एवं स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से टाउनशिप में दो नए विद्युत उपकेंद्र (सब-स्टेशन) स्थापित किए गए हैं, जिनमें एक सेक्टर ४ए तथा दूसरा सेक्टर ९ में स्थित है। इन दोनों उपकेंद्रों के साथ, बीएसएल द्वारा अपने आंतरिक संसाधनों से टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों में अब तक कुल नौ विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त आगामी अवधि में तीन और नए उपकेंद्र स्थापित करने की योजना भी तैयार की गई है।

ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टाउनशिप के प्रमुख मार्गों एवं आर्टेरियल सड़कों पर स्मार्ट लाइटिंग कंट्रोल सिस्टम लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, एलईडी स्ट्रीट लाइट्स भी लगाई गई हैं, जिससे ऊर्जा संरक्षण के साथ-साथ बेहतर एवं प्रभावी रोशनी सुनिश्चित हुई है।

बोकारो स्टील प्लांट टाउनशिप के समग्र विकास, बेहतर जीवन-स्तर तथा आधुनिक नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेगा।

डीडीसी ने अधूरे पड़े अस्पताल भवन का किया निरीक्षण

बलियापुर (ससे) : डीडीसी सन्नी राज बलियापुर पहुंचे। उन्होंने लालाडीह में अधूरे पड़े अस्पताल भवन निर्माण स्थल का जायजा लिया। डीडीसी ने निर्माणाधीन अस्पताल परिसर को देखा। इस भवन का निर्माण कार्य एक दशक से भी अधिक दिनों से ठप पड़ा है।

मालूम हो कि आज ही प्रखंड कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान डीसी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को यहां से स्थानांतरित कर नए भवन में शिफ्ट करने की बातें कही है। डीसी ने लालाडीह में अधूरे पड़े अस्पताल भवन निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने की बातें कही है। इसी के मद्देनजर डीडीसी ने भवन का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

ऑपरेशन टाइगर बंगाल से पहुंचा महाराष्ट्र

मुंबई,(ईएमएस): ऑपरेशन टाइगर की चर्चा पूरे देश में है। ये टाइगर बंगाल के बाद महाराष्ट्र पहुंचा है। खासकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के सांसदों में संभावित बगावत की खबरों के बाद। एकनाथ शिंदे गुट की कोशिश है कि उद्धव ठाकरे खेमे के सांसदों में ऐसी सेंध लगाई जाए, जिससे संसद में भी शक्ति संतुलन बदला जा सके। लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा इस बात की ज्यादा है कि आखिर वे सांसद, जो उद्धव ठाकरे से कथित तौर पर नाराज बताए जा रहे हैं।

योग मन को शांत एवं एकाग्र बनाता है : उपायुक्त

बोकारो (ससे): सेक्टर-४ सिटी सेंटर हर्षवर्धन, प्लाजा स्थित द आर्ट ऑफ लिविंग के नए योग केंद्र का शुभारंभ उपायुक्त अजय नाथ झा ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। उक्त सेंटर पर योग, ध्यान, प्राणायाम की सुविधा आमलोगों के लिए उपलब्ध रहेंगी। सभी सुविधाएँ मुफ्त में प्रदान की जाएगी। समय सारणी प्रातः में ०५ बजे से ०८ बजे तक एवम संध्या काल में ०५ बजे से ०७ बजे तक ।
मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, आर्ट ऑफ लिविंग के ब्रह्मचारी योगी राम जी, श्री विनोद कुमार गुप्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने इस अवसर पर योग केंद्र का अवलोकन किया तथा उपस्थित लोगों को नियमित योग और ध्यान को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि वर्तमान समय में भागदौड़ भरी जीवनशैली, तनाव और विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बीच योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत एवं एकाग्र बनाता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य समाज के निर्माण में ऐसे योग केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उपायुक्त ने द आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा योग, ध्यान एवं मानव मूल्यों के प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि योग संस्थाए लोगों को तनावमुक्त जीवन जीने तथा सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित करती है। इससे समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ-साथ जीवन स्तर में भी सुधार होता है। कार्यक्रम के दौरान योगाभ्यास एवं प्राणायाम का किये गए तथा योग के विभिन्न लाभों की जानकारी दी। उपस्थित लोगों को नियमित रूप से योग करने, संतुलित जीवनशैली अपनाने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संकल्प भी दिलाया गया।

इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी, योग प्रशिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य स्थानीय लोग उपस्थित थे।

कार्य में लापरवाही बरती जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध कठोरात्मक कार्रवाई की जायेगी : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं क्रियान्वयन से संबंधित बिंदुओं की जानकारी उपायुक्त को दी गई। साथ ही बैठक में खाद्यान्न उठाव एवं वितरण, आधार सीडिंग, राशन कार्ड सत्यापन तथा विभागीय पोर्टल पर लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। मौके पर सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, सभी सहायक गोदाम प्रबंधक, सभी परिवहन अभिकत्ता एवं राईस मिल उपस्थित थे।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत लाभुकों को खाद्यान्न वितरण की स्थिति, राशन कार्ड निर्माण एवं संशोधन, ई-केवाईसी की प्रगति, पात्र लाभुकों के नाम जोड़ने तथा अपात्र लाभुकों के नाम हटाने की प्रक्रिया की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी योग्य लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिले तथा किसी भी स्तर पर अनियमितता की शिकायत न हो।

बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी शफीक आलम को निर्देश किया कि आगामी २५ जून, २०२६ तक सभी डिलरों को खाद्यान्न उपलब्ध करा दें ताकि ससमय लाभुकों के बीच वितरण किया जा सके। यदि कार्य में लापरवाही बरती जाती है तो संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध कठोरात्मक कार्रवाई की जायेगी। साथ ही दाल, नमक एवं धोती साड़ी का वितरण प्रतिशत कम रहने के कारण खेद प्रकट किया गया तथा उन्होंने निर्देश दिया गया कि सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी निर्धारित समय में खाद्यान्न आदि का वितरण सुनिश्चित करायें। उपायुक्त अजय नाथ झा ने धान अधिप्राप्ति योजना अन्तर्गत आगामी दिनांक २५ जून, २०२६ तक शत प्रतिशतसी०एम०आर० (चावल) जमा करने का निर्देश राईस मिलर को दिया गया।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर लंबित कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

दिव्यांग बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए बैठक

डुमरी (ससे): दिव्यांग बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने के लिए विशेष नामांकन अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन प्रखंड संसाधन केंद्र डुमरी में किया गया।बैठक में १५ जून से २४ जून तक दिव्यांग बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने हेतु चलने वाले विशेष नामांकन अभियान पर चर्चा की गई।कहा गया कि कोई भी दिव्यांग बच्चा विद्यालय में नामांकन से वंचित न रहे इसके लिए सभी को अपनी सहभागिता निभानी होगी।बैठक में प्रभारी बीडीओ शशिभूषण वर्मा रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश महतो बीपीओ गणेश मुखर्जी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अकीब अंसारी फिजियोथैरेपिस्ट डॉ लक्ष्मण सिंह सहित सभी प्रखंड साधन सेवी,संकुल साधन सेवी,विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक,प्रभारी प्रधानाध्यापक,शिक्षक आदि उपस्थित थे।

जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारंभ

बोकारो (ससे): सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद की अध्यक्षता में जिला स्तर पर मिशन परिवार विकास अभियान-२०२६ का शुभारंभ जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर परिवार नियोजन एवं छोटे परिवार के महत्व से संबंधित संदेशों के साथ जनजागरूकता अभियान की शुरुआत की गई।

सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि अभियान के तहत जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ-साथ सामुदायिक स्तर पर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत मुख्य रूप से जागरूकता रैली, प्रदर्शनी एवं प्रचार-प्रसार के माध्यम से योग्य दम्पत्तियों को परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों की जानकारी दी जाएगी तथा बच्चों के बीच उचित अंतराल रखने के प्रति प्रेरित किया जाएगा।

जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. सेलिना टुडू ने बताया कि कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, किशोर-किशोरियों एवं समुदाय के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए स्वस्थ एवं खुशहाल परिवार का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे परिवार नियोजन को अपनाकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में सहयोग करें।

रैली में डॉ. अभय भूषण प्रसाद, सिविल सर्जन, बोकारो; डॉ. सेलिना टुडू, जिला आरसीएच पदाधिकारी; हिना अग्रवाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक; आशीष दीन, जिला कार्यक्रम समन्वयक; अमित कुमार, डीपीएमयू कोऑर्डिनेटर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

.जयपुर में अवैध पटाखा गोदामों पर पुलिस का बड़ा शिकंजा

जयपुर (ईएमएस): राजस्थान की राजधानी जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की विशेष टीम (सीएसटी) ने देर रात अवैध पटाखा भंडारण के खिलाफ जयपुर शहर और ग्रामीण इलाकों में बड़ा अभियान चलाया। खोनागोरियान पटाखा फैक्ट्री अग्निकांड के बाद शुरू हुई कार्रवाई में १० से अधिक गोदामों और फैक्ट्रियों पर दबिश दी गई। इस दौरान भारी मात्रा में बारूद और पटाखे बरामद किए गए, वहीं एक गोदाम को सील किया गया है।

पुलिस के अभियान के तहत, जमवारामगढ़ रोड स्थित बड़ी का बास क्षेत्र में लाइसेंसधारी गोदाम में तय सीमा से अधिक विस्फोटक सामग्री मिली। ६०० किलो भंडारण की अनुमति के बावजूद, मौके पर १,००० किलो से ज्यादा बारूद और पटाखे ३०० से अधिक कार्टन में मिले। सीएसटी टीम ने इलेक्ट्रॉनिक कांटे से सामग्री का वजन करवाकर गोदाम को सील किया। यह गोदाम दीपक खंडेलवाल द्वारा किराए पर लिया गया था, जिनकी जयपुर में भारतीय पटाखा शॉप नाम से दुकान है। जांच के दौरान सुमेल रोड पर एलएन मित्तल कॉलेज से महज ३०० मीटर की दूरी पर पूर्णिमा नाम से संचालित दो गोदाम भी मिले। गोदाम संचालक अनिल अग्रवाल ने भले ही दूरी को डेढ़ किलोमीटर बताया, लेकिन शैक्षणिक संस्थान के इतने करीब खतरनाक सामग्री का भंडारण गंभीर सुरक्षा चिंताएं पैदा करता है।

ग्राम सभा कर दो नई रसोइयों का किया गया चयन

डुमरी (ससे): प्रखंड के मधगोपाली पंचायत अंतर्गत घुटवाली उत्क्रमित मध्य विद्यालय में गुरुवार को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया।मुखिया जागेश्वर महतो की अध्यक्षता में हुई इस ग्राम सभा में सर्वसम्मति से दो नई रसोइयों का चयन किया गया जिसमें बेबी कुमारी (पति सुनील कुमार महतो) और कलावती देवी (पति सुरेंद्र कुमार महतो) शामिल हैं।वहीं विद्यालय में अपनी सेवाएं देने वाली पूर्व रसोइया पार्वती देवी और पारो देवी को उनके बेहतरीन कार्य के लिए अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया और भावभीनी विदाई दी गई।नए रसोइयों को उनके दायित्वों से अवगत कराया गया।मौके पर उप मुखिया बसंती देवी पर्यवेक्षक शिव जी मुर्मू प्रधानाचार्य घनश्याम महतो सहायक शिक्षक बालेश्वर महतो,दशरथ महतो आंगनबाड़ी सेविका कांति देवी आदि उपस्थित थे।

पानी-बिजली की मांग को ले ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन

झरिया (ससे) : झरिया के लोदना क्षेत्र स्थित बागडिगी बस्ती के ग्रामीणों ने पेयजल और बिजली की समस्या से परेशान होकर लोदना महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की और जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर ओपन कास्ट परियोजना का चक्का जाम करने की चेतावनी दी। धरना के दौरान तेज धूप में बैठी ग्रामीण महिला मीना देवी की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें तत्काल निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया।

ग्रामीण नेता नयन चक्रवर्ती ने कहा कि बागडिगी बस्ती पूरी तरह रैयती जमीन पर बसी है, जिसे उनके पूर्वजों ने बीसीसीएल को सौंपा था। इसके बावजूद आज भी गांव के लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि २४ घंटे में केवल चार घंटे बिजली मिलती है और पेयजल की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है।

उन्होंने बताया कि स्व. ए. के. राय के समय बिछाई गई पाइपलाइन ओपन कास्ट खनन शुरू होने के बाद उखाड़ दी गई। आंदोलन के बाद आधा-अधूरा पाइप बिछाकर ठेकेदार को भुगतान कर दिया गया, लेकिन आज तक पानी का कनेक्शन नहीं जोड़ा गया। अभियंताओं पर भी समस्या के समाधान में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पानी और बिजली की समस्या दूर नहीं हुई तो पूरे गांव के लोग ओपन कास्ट परियोजना का चक्का जाम करेंगे और किसी भी अप्रिय स्थिति की जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। सूचना मिलने पर लोदना के महाप्रबंधक अनिल सिन्हा ने आंदोलनकारियों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि पेयजल लोगों की मूलभूत आवश्यकता है और माडा के साथ समन्वय कर समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा।

कृषि विज्ञान केन्द्र में कार्यशाला का आयोजन

बलियापुर (ससे) : खेती बचाओ अभियान के तहत बलियापुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में प्राकृतिक खेती पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा एवं केवीके के वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक खेती पर विशेष जोर देने की बातें कहीं। इसके लिए किसानों को मिट्टी जांच के पश्चात ही खेतों में बीज डालने को कहा। वहीं कीटनाशी के रूप में अज्ञ्नास्त्र, ब्रह्मास्त्र जैसे कीटनाशक का छिड़काव करने की जरूरत बताया। खेत बचाओ अभियान के तहत १ जून से ३० जून तक कई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।
कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक डॉ अनिल कुमार, डॉक्टर आदर्श श्रीवास्तव, भाजपा नेत्री तारा देवी, जिलाध्यक्ष मोहन कुंभकार, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, किसान प्रकोष्ठ के समीर साहू, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य धर्मजीत सिंह, धरणीधर मंडल, पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, आशीष मुखर्जी, प्रकाश बाउरी, जिला मंत्री निशि महतो, विद्युत चक्रवर्ती, राजेश मुखर्जी, सुरेश महतो, सरोज महतो, गौरांग मंडल आदि थे ।

मोहर्रम को ले शांति समिति की बैठक

बलियापुर (ससे) : मोहर्रम को ले बलियापुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें मोहर्रम का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में एसडीपीओ पीसी महतो, सिंदरी इंस्पेक्टर नूतन मोदी, बेंगू ठाकुर, घनश्याम ग्रोवर, मुखिया दिलीप कुमार महतो, विजय गोराई, उत्तम चौबे, संजय गोराई, शेख आजाद, इसराइल अंसारी, शेख खातिर, दिल मोहम्मद, कुलदीप अग्रवाल, करीम अंसारी, शैलन मंडल, सिराज अंसारी, इमरान भारती, मुख्तार अंसारी आदि मौजूद थे।

कैम्प कोर्ट में 27 मामलों का किया गया निपटारा

धनबाद (कासं) : झालसा के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर स्थाई लोक अदालत द्वारा कैंप कोर्ट का आयोजन किया गया। इस दौरान बैंक ऑफ इंडिया संग्रामडी में वर्षों से लंबित ण संबंधी २७ सुलहनीय मामलों का निपटारा किया गया। अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष पीयूष कुमार एवं सदस्य सुधीर कुमार सिन्हा तथा दुर्गा चरण निश्चल की पहल से कुल २ लाख १५ हजार ९ सौ ९२ रुपये की रिकवरी कराई गई। अभियान का उद्देश्य आपसी सुलह के माध्यम से मामलों का त्वरित निष्पादन करना है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

रन फॉर योग कार्यक्रम आज

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए १९ जून को प्रातः ७ बजे रन फॉर योग कार्यक्रम का आयोजन रणधीर वर्मा चौक से सिटी सेंटर तक किया जाएगा। वहीं २१ जून को १२वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मेमको मोड़ में प्रातः ६ बजे से जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

जन शिकायत व जन संवाद कार्यक्रम आयोजित

केन्दुआ (ससे) : उपायुक्त धनबाद के निर्देशन में छाताटांड अंचल में सरकार आपके द्वार पंजीकरण, अबुआ आवास, पेयजल जलापूर्ति, साफसफाई, स्वास्थ्य आदि समस्या का

के तहत जन शिकायत व जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अपर नगर आयुक्त संदीप अनुराग टोपनो उपस्थित थे। अधिकारीयों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में क्षेत्र की जनता अपनी अपनी समस्या लेकर पहुंचे। जिसमें जन्म मृत्यु लिखित ९० शिकायत दिया गया। कुछ समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया गया। अपर नगर आयुक्त ने कहा कि जन शिकायतों को संबोधित विभाग को अग्रसित कर त्वरित निष्पादन अधिकारी करें। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि झारखंड सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लक्ष्य के तहत काम करें।

अगले माह होने वाले शिविर में शतप्रतिशत समस्याओं का निष्पादन करना है। मौके पर सहायक नगर आयुक्त शन्नी कुमार, प्रकाश कुमार, प्रतिभा कुमारी, शिखा कुमारी, सिटी मैनेजर रजनिश लाल, विकाश मंडल, शाबिर आलम, वार्ड संख्या ९ से १९ के पार्षद या प्रतिनिधि, जिसमें अशोक यादव, ब्रजेश सिंह, कर्मी देवी, गोविंदा राउत, देवाशीष पासवान, बद्री रविदास, वार्ड संख्या ९ के पार्षद प्रतिनिधि आनंद खंडेलवाल, इंचार्ज ओमप्रकाश चौहान आदि उपस्थित थे।

एसडीपीओ ने किया बाघमारा थाना का निरीक्षण

कतरास (ससे) : बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बाघमारा थाना का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सबसे पहले थाना परिसर में मौजूद पुलिस अधिकारियों और जवानों की परेड की सलामी ली। इस निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ ने कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की और निर्देश जारी किए। थाना परिसर में स्थित जर्जर पुराने भवन को ध्वस्त करने का निर्देश दिया और इसके स्थान पर एक आधुनिक और नया थाना भवन बनाने की बात कही। स्वच्छता के लिए बाघमारा थाना प्रभारी अजीत कुमार की तारीफ की। थाना परिसर में साफसफाई की बेहतरीन व्यवस्था देखकर एसडीपीओ काफी प्रसन्न हुए। उन्होंने इस उत्कृष्ट कार्य के लिए बाघमारा थाना प्रभारी अजीत कुमार की जमकर प्रशंसा की।

थाना परिसर में आवारा पशुओं का प्रवेश न हो, इसके लिए उन्होंने मुख्य द्वार पर तुरंत लोहे का गार्डर बैरियर लगाने का सख्त निर्देश दिया। परिसर में लगे फलदार पौधों को देखकर एसडीपीओ ने खुशी जाहिर की। उन्होंने थाने के सौन्दर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण के लिए परिसर में और अधिक फूल व पौधे लगाने का सुझाव दिया। निरीक्षण के अंतिम चरण में एसडीपीओ ने थाने के सिरिस्ता रूम (कार्यालय) का बारीकी से निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने वहां रखे सभी रजिस्टरों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों का मिलान किया और कार्यप्रणाली को लेकर उचित दिशानिर्देश दिए।

धनबाद बालिका टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची, बालक टीम ने छोटानागपुर को हराया

गोविंदपुर (ससे) : के. के. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, नीरो, गोविंदपुर, धनबाद में आयोजित २६वीं यूथ झारखंड राज्य बास्केटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबलों का दौर जारी रहा। विभिन्न जिलों एवं इकाइयों की टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दिन की सबसे बड़ी उपलब्धि धनबाद की बालिका टीम की रही, जिसने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश सुनिश्चित किया। वहीं धनबाद की बालक टीम ने महत्वपूर्ण मुकाबले में छोटानागपुर बास्केटबॉल एसोसिएशन को २६१८ से पराजित कर अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए विजय झा (पूर्व बियाडा अध्यक्ष), डॉ. शिवानी झा, डॉ. प्रतिभा राय, डॉ. आशा राय, शारदा सिंह (अध्यक्ष, जिला परिषद), कृष्णा अग्रवाल, जुबैर आलम, अमरेंद्र सहाय (पूर्व अध्यक्ष, बार काउंसिल धनबाद) एवं जीतेंद्र सिंह (सचिव, बार काउंसिल धनबाद) उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों के खेल कौशल एवं अनुशासन की सराहना की। धनबाद ने छोटानागपुर को २६-१८ से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। बालिका वर्ग में जैप-१ ने टाटा स्टील को २५१७ से पराजित किया। धनबाद ने हजारीबाग को १५०६ से हराया।

धनबाद जिला बास्केटबॉल संघ की अध्यक्ष डॉ. साधना कुमारी ने धनबाद बालिका टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों का समर्पण एवं कड़ी मेहनत भविष्य में और बेहतर परिणाम लेकर आएगी। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में तपन सेन (आयोजन सचिव, २६वीं यूथ झारखंड राज्य बास्केटबॉल प्रतियोगिता), अनंत श्रीकृष्ण (संयुक्त सचिव, धनबाद जिला बास्केटबॉल संघ) एवं पंकज कुमार (समन्वयक, धनबाद जिला बास्केटबॉल संघ) सहित आयोजन समिति के सभी सदस्य सक्रिय रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

जिला प्रशासन की टीम पहुंची बलियापुर योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी

बलियापुर (ससे) : जिला प्रशासन की टीम बलियापुर पहुंची, जहां प्रखंड कार्यालय सभागार में उपायुक्त (डीसी) आदित्य रंजन ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद प्रशासनिक टीम ने विभिन्न पंचायतों का दौरा कर सरकार द्वारा संचालित विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने योजनाओं की गुणवत्ता, लाभुकों को मिल रहे लाभ तथा कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए गए ताकि योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुंच सके। जिला प्रशासन द्वारा किए गए इस निरीक्षण का उद्देश्य विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

गोविंदपुर (ससे) : मुखिया झूमा मुखर्जी की देखरेख में गोविंदपुर पूर्वी पंचायत सचिवालय में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें तीन दर्जन से भी अधिक लोगों की आंखों की जांच की गई। एसएनसी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अलीमुद्दीन अंसारी ने मोतियाबिंद, आंख से पानी आना, आंख लाल रहना, माथा दर्द रहना आदि की जांच की। जांचोपरांत मोतियाबिंद पाये गए लोगों को मुफ्त ऑपरेशन की भी सलाह दी। मुखिया श्रीमती मुखर्जी ने कहा कि शीघ्र ही स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने में जयजीत मुखर्जी, पार्थ धीवर, विनोद रजवार, राज किशोर, अंकित, शिबू चक्रवर्ती, आनंद कुमार, विकास धीवर, प्रदीप मंडल, अलाउद्दीन अंसारी आदि का सहयोग रहा।

भंडारे के साथ संपन्न हुआ प्राण प्रतिष्ठा समारोह

गोविंदपुर (ससे) : विलेज रोड स्थित पुनर्निर्मित गणेश मंदिर का दो दिवसीय प्रतिष्ठा समारोह विशाल भंडारे के साथ भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। गणेश पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित भंडारे में १० हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इसके लिए गोविंदपुर के १६ आना दीगर समेत जिले के सभी मायरा-मोदक गांवों को आमंत्रित किया गया था। भंडारे से पूर्व प्रसाद वितरण भी हुआ।

समारोह को सफल बनाने में विशाल दत्ता, मिलन दत्ता, सुमित रूज, माधव रूज, आकाश सेन, काजल दां, ऋतिक दत्ता, दुलाल दत्ता, दिलीप सेन, उत्तम सेन आदि समिति सदस्यों की अहम भूमिका रही।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

निरसा (ससे) : हाथबाड़ी स्थित आनंद वाटिका भक्ति, आस्था और सनातन संस्कृति के रंग में रंग गई। मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर २५१ कन्याओं की भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसके साथ ही पांच दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल से गूंज उठा।

कलश यात्रा हाथबाड़ी से शुरू होकर निरसा चौक होते हुए भालजोड़िया फटका स्थित नदी तट पहुंची। यहां वैदिक मंत्रोच्चारण और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच कलशों में पवित्र जल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालु और कन्याएं कलश लेकर शोभायात्रा के रूप में कथा स्थल आनंद वाटिका पहुंचीं।

आयोजनकर्ता एवं समाजसेवी परमजीत सिंह ने बताया कि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए वृंदावन से विद्वान आचार्यगण पधारे हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर में स्थापित होने वाला शिवलिंग ओंकारेश्वर से लाया गया दुर्लभ स्फटिक शिवलिंग है, जो इस आयोजन को विशेष महत्व प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन सनातन धर्म के प्रचारप्रसार, सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा मानवता, प्रेम और विश्व शांति का संदेश देती है। पांच दिवसीय कथा के दौरान वृंदावन से आए प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य श्री धनंजय कृपालु जी महाराज श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए शरबत और शीतल लस्सी की भी व्यवस्था की गई, जिसका लोगों ने आनंद लिया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। क्षेत्र के लोगों में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर विशेष उत्साह बना हुआ है।

जामाडोबा में सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित

जोड़ापोखर (ससे) : टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ), जामाडोबा ने अपनी सबल पहल के तहत स्पर्श सेंटर, जामाडोबा में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सबल - पीएमवीडीके (प्रधानमंत्री दिव्याशाबयोश्री केंद्र) के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के संवेदनशील वर्गों के जीवन में समावेशिता और सुगम्यता को बढ़ावा देना तथा उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। कुल ४९ लाभार्थियों को व्हीलचेयर, चलने की छड़ी, घुटने के ब्रेस, लम्बोसैक्रल बेल्ट तथा अन्य आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम में नरेंद्र कुमार गुप्ता, जेनरल मैनेजर, झरिया (डेजिग्नेट), टाटा स्टील मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। टाटा मेन हॉस्पिटल, जामाडोबा के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आलोक विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा, टाटा स्टील के वरिष्ठ अधिकारी तथा स्थानीय समुदाय के सदस्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य ऐसे लोगों की पहचान करना था जिन्हें सहायक उपकरणों की आवश्यकता है और उन्हें उनकी जरूरतों के अनुरूप उपकरण उपलब्ध कराकर उनके दैनिक जीवन को अधिक सुगम, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाना था। सहायक उपकरणों के वितरण के साथ-साथ कार्यक्रम में दिव्यांगजन समावेशन के महत्व पर भी जोर दिया गया तथा समुदाय आधारित सहयोग प्रणाली को और सशक्त बनाने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। ऐसी लक्षित पहलों और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से टाटा स्टील फाउंडेशन एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है, जहाँ दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिक अधिक आत्मनिर्भर, सम्मानजनक और गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए सशक्त बन सकें।

झामुमो का प्रतिनिधि मंडल जिला सचिव से मिला

बलियापुर (ससे) : झामुमो के प्रखंड सचिव निर्मल रजवार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल पार्टी के धनबाद जिला सचिव मन्नू आलम से पार्टी कार्यालय धनबाद में मिला। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने बलियापुर प्रखंड के सभी २३ पंचायतों में बीएलए एवं बूथ कमिटी की सूची जिला सचिव श्री आलम को सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में राजेंद्र हेंब्रम, त्रिलोचन महतो, विजय महतो एवं जय नारायण सिंह मौजूद थे।

रोगियों के बीच अनाज व फल वितरण

कतरास (ससे) : तेतुलमारी स्थित कुष्ठ अस्पताल सह प्रशिक्षण केंद्र में स्व. निखिल कुमार वर्मा की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर कुष्ठ रोगियों के बीच अनाज, फल, आलू एवं द्रव्य का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्व. निखिल कुमार वर्मा के पिता एवं वरिष्ठ पत्रकार मधुसूदन वर्मा ने कहा कि पुत्र की आत्मा की शांति के लिए कुष्ठ रोगियों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण करने से उन्हें आत्मिक संतोष मिलता है। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा ही दिवंगत आत्मा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। शहीद शक्तिनाथ स्मारक समिति के सचिव शिव प्रसाद महतो ने कहा कि निखिल कुमार वर्मा की पुण्य स्मृति में यह सेवा कार्य किया गया है, ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले और समाज में सेवा का संदेश पहुंचे। कार्यक्रम में झामुमो किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष शिव प्रसाद महतो, विजय भारती, नरेश महतो, मनोज कुमार दास समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण कार्य जारी

पुटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी क्षेत्र में बीसीसीएल, झारखंड सरकार और रैयतों के बीच वाशरी मोड़ रूपेश सिन्हा स्मारक स्थल के समीप अपनेअपने अधिकार का दावा किया गया है। सूत्रों के अनुसार जबरन अवैध निर्माण भी किया जा रहा है। विवाद को देखते हुए, पुटकी अंचाधिकारी विकास आनंद ने मुनीडीह ओपी प्रभारी मनीता कुमारी को तत्काल निर्माण कार्य पर रोक लगाने और सभी अपनी अपनी दावा पेश करने वालों को नोटिस जारी कर वैध कागजातों के साथ कार्यालय में उपस्थित होने का आदेश दिया है। सीओ ने कहा कि जांच किया जा रहा है, जो भी झारखंड सरकार के जमीन पर अवैध निर्माण पाया जाऐगा, उन पर कानूनी कार्रवाई की जाऐगी।

बीसीसीएल के विभिन्न तालाबों, जल स्रोतों की सफाई सहित कॉलोनी में चला स्वच्छता अभियान

धनबाद (कासं) : कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बीसीसीएल में १६ से ३० जून तक आयोजित किए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा' के तीसरे दिन कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों में तालाबों, जल स्रोतों, पानी टंकियों (वाटर टैंक), कॉलोनियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत तालाबों एवं पानी टंकियों की सफाई, कॉलोनियों में झाड़ियों एवं अनावश्यक वनस्पतियों की कटाई तथा सार्वजनिक स्थलों की साफसफाई कर स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गईं।

अभियान के अंतर्गत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संबंधित विभागों की सक्रिय सहभागिता से विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता संबंधी कार्य संपन्न किए गए। इस दौरान जल स्रोतों के संरक्षण, सार्वजनिक स्थलों की नियमित साफसफाई तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ परिवेश के प्रति जनजागरूकता को बढ़ावा दिया गया।

इसी क्रम में सीवी क्षेत्र के डी.आर. कॉलोनी में पानी टंकियों की सफाई के साथ व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। कोयला नगर स्थित तालाब एवं पानी टंकियों की सफाई के साथ कॉलोनी परिसर में झाड़ियों एवं अनावश्यक वनस्पतियों की कटाई कर परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाया गया। ब्लॉकप्प क्षेत्र में सिविल विभाग द्वारा घाटों की विशेष साफ-सफाई के साथ विभिन्न स्थानों एवं कॉलोनियों में झाड़ियों की कटाई की गई, जबकि बस्ताकोला क्षेत्र के बंगाली कोठी तालाब में विशेष स्वच्छता अभियान के साथ तालाब एवं उसके आसपास के क्षेत्र की साफसफाई की गई। इसके साथ ही विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी समान गतिविधियाँ संचालित की गई। इन गतिविधियों के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण तथा सामुदायिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल में १६ जून से प्रारंभ 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत प्रथम दिन कंपनी मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रों में स्वच्छता शपथ, एंटीलिटरिंग जागरूकता गतिविधियों एवं स्वच्छता संदेशों के साथ अभियान का शुभारंभ किया गया था। दूसरे दिन केंद्रीय चिकित्सालय, धनबाद सहित विभिन्न क्षेत्रीय अस्पतालों एवं डिस्पेंसरियों में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित कर स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जनजागरूकता को बढ़ावा दिया गया। इसी क्रम में आज तीसरे दिन तालाबों, पानी टंकियों, कॉलोनियों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई तथा झाड़ियों एवं अनावश्यक वनस्पतियों की कटाई जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आगामी दिनों में वर्षा जल संचयन प्रणालियों का निरीक्षण, स्वच्छता जागरूकता अभियान, चित्रकला प्रतियोगिता, स्वच्छता प्रशिक्षण, पौधारोपण अभियान, साइबर स्वच्छता जागरूकता सत्र, स्वच्छता रैली तथा धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पंजाब के विकास की रफ्तार धीमी नहीं पड़ने दूंगा : मुख्यमंत्री मान

अमृतसर,(ईएमएस): पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि पंजाब अब पिछली सरकारों की गलतियों और बुरे कार्यों का शिकार नहीं बनेगा, बल्कि विकास, मौकों और समृद्धि के एक नए युग की ओर निरंतर बढ़ रहा है। होशियारपुर के टांडा स्थित भट्टलां गांव में उन्होंने कहा कि उपजाऊ भूमि, प्रचुर जल संसाधनों और मेहनती लोगों के बावजूद, पिछली सरकारों ने राज्य के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी, जिसके कारण पंजाब अपनी पूरी क्षमता से विकास नहीं कर सका।

मुख्यमंत्री मान ने युवाओं के लिए अवसर पैदा करने, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने तथा एक ऐसा रंगला पंजाब सृजित करने की बात कही, जहाँ किसी भी युवा को बेहतर भविष्य की तलाश में विदेशों की ओर जाने की जरुरत नहीं होगी। उन्होंने अपनी सरकार की न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाकर कहा कि बरगाड़ी बेअदबी और बहिबल कलां-कोटकपूरा गोलीकांड के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के कटघरे में खड़ा कर जेल भेजा जाएगा। सीएम मान ने जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, २०२६ का भी जिक्र किया, जो बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान करता है। उन्होंने अकाली नेतृत्व पर आरोप लगाया कि उन्होंने गुरबानी के नाम पर वोट मांगे, लेकिन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा करने में विफल रहे।

सीएम मान ने पंजाब के सफर पर कहा कि राज्य ने १९४७ के विभाजन, १९८४ के दंगों और पिछली सरकारों द्वारा वर्षों की लूट-खसोट जैसे कई दुख झेले हैं, लेकिन अब इस प्रगति को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि पंजाब में संसाधनों की कोई कमी नहीं है, बल्कि वर्षों से ऐसी नेतृत्व क्षमता की कमी थी जो निजी और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर राज्य के हितों को सर्वोपरि रखे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से भावुक अपील की कि उन्हें केवल कनाडा, अमेरिका या अन्य विदेशों के सपने देखने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए, क्योंकि सरकार पंजाब में ही मौके पैदा कर रही है।

इस दिशा में, पंजाब सरकार ने ग्रुप-सी और ग्रुप-डी की महिला कर्मचारियों को उनके घरों से ४० किलोमीटर के दायरे में तैनात करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे हजारों महिला कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने हाई-टेंशन बिजली की तारों को भूमिगत करने की देश की पहली परियोजना, ९० प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली, किसानों को दिन के समय बिजली और सिंचाई को मजबूत करने के लिए १४,००० किलोमीटर से अधिक पाइपलाइनें बिछाने जैसी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त, मावां-धियां सम्मान योजना के तहत सभी वर्गों की १८ वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को १,००० रुपये प्रति माह और अनुसूचित जाति भाईचारे की महिलाओं को १,५०० रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा पंजाब उनका परिवार है और लोगों द्वारा दिखाया गया प्यार व विश्वास उन्हें और अधिक समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है।

दुनिया के सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों में भारत के दो एयरपोर्ट शामिल

मुंबई (ईएमएस): अंतरराष्ट्रीय विमानन पुरस्कारों के तहत वर्ष २०२६ के लिए जारी दुनिया के सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों की सूची में भारत के दो एयरपोर्ट- नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और गुवाहाटी का लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा-शामिल किए गए हैं। यह सूची यात्रियों के अनुभव,वास्तुकला, डिजाइन, सुविधाओं और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर तैयार की गई है। नवी मुंबई एयरपोर्ट अपनी आधुनिक संरचना, अत्याधुनिक तकनीक और भारतीय वास्तुकला से प्रेरित डिजाइन के कारण चर्चा में है।

अमेरिका ने सैन्य कमांड से इंडो हटायाः पाक ने कसा भारत पर तंज, मिला करारा जवाब

नई दिल्ली (ईएमएस): अमेरिकी सेना ने अपनी सबसे बड़ी सैन्य कमांड इंडो-पैसिफिक कमांड से इंडो शब्द को हटाकर यूएस पैसिफिक कमांड का पुराना नाम वापस दिया है। इस बदलाव पर पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने भारत पर परोक्ष रूप से तंज कसा, जिसके जवाब में भारतीय पूर्व राजनयिक कंवल सिब्बल ने उन्हें भू-राजनीति की गहरी समझ न होने का आरोप लगाया। दरअसल अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि यह बदलाव केवल कमांड के नाम तक सीमित होगा और इससे ऑपरेशन के तरीके या जिम्मेदारी के दायरे पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस फैसले से खुश दिख रहीं हिना खार ने प्रतिक्रिया देकर कहा कि यह हैरानी की बात है कि नाम बदलने से किसी देश की प्रतिष्ठा को लेकर बनी धारणा डगमगा सकती है। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर भारत पर निशाना साधकर कहा कि यह किसी राष्ट्र के लिए बहुत बुरी स्थिति है कि उसका राष्ट्रीय गौरव इस बात से जुड़ा हो कि अमेरिका अपने कमांड का नाम बदल रहा है। खार ने महत्व पाने के लिए फ्रेमिंग और नैरेटिव गढ़ने या उभरते प्रतिद्वंद्वियों के डर का फायदा उठाने से बचने की सलाह देकर उम्मीद जाहिर की कि क्षेत्र एक दिन भूगोल को नकारने वालों से मुक्त हो जाएगा।

इस पर पूर्व राजनयिक सिब्बल ने खार की पोस्ट को भू-राजनीति की समझ न होने वाला बयान करार दिया। उन्होंने समझाया कि इंडो-पैसिफिक अवधारणा पश्चिमी प्रशांत में चीन के समुद्री विस्तारवाद और जापान की चिंताओं के कारण प्रशांत और हिंद महासागर की सुरक्षा को जोड़ने के लिए लाई गई थी, जिसके लिए क्वाड ने ढांचा तैयार किया। सिब्बल ने बताया कि ट्रंप ने रणनीतिक संदेश देने के लिए कमांड का नाम बदला था, लेकिन अब बहाल करने का अर्थ प्रशांत महासागर की सुरक्षा को हिंद महासागर से वैचारिक रूप से अलग करना है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के पीछे की रणनीतिक सोच का विश्लेषण स्वाभाविक है, जिसे चीन भी समझने की कोशिश करेगा। सिब्बल ने अंत में उन लोगों पर निशाना साधा जिन्हें इन मामलों की गहरी समझ नहीं है और उन्हें बेकार की बातें करने से बचने की सलाह दी।

तेलंगाना में सड़क हादसों में सात की मौत

हैदराबाद,(ईएमएस)। तेलंगाना में गुरुवार का दिन सड़क हादसों के नाम रहा, जब राज्यभर में तीन अलग-अलग घटनाओं में करीब सात लोगों की जान चली गई। इन हादसों में तेज रफ्तार, अनियंत्रित वाहन और सड़क किनारे खड़े वाहनों से टक्कर मुख्य वजह बनी। पहली दर्दनाक घटना हैदराबाद के पास मेडचल मलकाजगिरी जिले में हुई। यहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार उछलकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरी और सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई।

परिसीमन पर नायडू को थरूर का जवाब ड्राइवर की सैलरी से समझाया गणित

नई दिल्ली,(ईएमएस): कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के उस बयान पर अपनी कड़ी असहमति जाहिर की है, जिसमें सीएम नायडू ने केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन ढांचे का बचाव किया था। कांग्रेस नेता थरूर ने एक विचार-प्रयोग के द्वारा समझाया कि सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में आनुपातिक वृद्धि के बावजूद राजनीतिक प्रभाव बड़े राज्यों की ओर ही झुकेगा। सीएम नायडू ने हाल ही में संसद में संविधान संशोधन विधेयक को रोकने के लिए विपक्ष की आलोचना कर कहा था कि परिसीमन को लेकर जाहिर की जा रही चिंताएं बेबुनियाद है।

अप्रैल में संसद के विशेष सत्र के दौरान प्रस्तुत किए गए संविधान (१३१वां संशोधन) विधेयक, २०२६ में लोकसभा की सीटों को ५४३ से बढ़ाकर ८५० करने और परिसीमन को २०११ की जनगणना से जोड़ने का प्रस्ताव था। इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में ५० प्रतिशत की आनुपातिक वृद्धि का प्रावधान भी शामिल था। हालांकि, यह विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका और पारित होने के लिए आवश्यक ३५२ मतों के मुकाबले केवल २९८ सदस्यों का समर्थन ही प्राप्त कर पाया, जबकि २३० सदस्यों ने इसका विरोध किया था।

नायडू के इस बयान पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने एक अख़बार की क्लिपिंग साझा की, जिसकी हेडलाइन थी नायडू ने कहा परिसीमन बिल ५० प्रतिशत सीट बढ़ोतरी के प्रावधान के साथ वापस आएगा। उन्होंने नायडू को संबोधित करते हुए लिखा, नायडू जी, आइए एक सोच-विचार वाला प्रयोग करते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी २ लाख है और आपके ड्राइवर की २०,००० है। आप सभी के लिए ५० प्रतिशत बढ़ोतरी का ऐलान करते हैं। अब आपकी सैलरी ३ लाख हो जाती है और आपके ड्राइवर की ३०,०००। थरूर ने समझाया, प्रतिशत या अनुपात के हिसाब से बढ़ोतरी तब एक जैसी है- लेकिन क्या आप अपने ड्राइवर की तुलना में और पहले की अपनी स्थिति की तुलना में, कहीं बेहतर स्थिति में नहीं हैं?

थरूर ने तर्क दिया कि दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने ठीक यही चिंता जाहिर की है कि भले ही सीटों में बढ़ोतरी का अनुपात एक जैसा रहे, फिर भी राजनीतिक संतुलन काफी बदल जाएगा। उन्होंने उदाहरण देकर पूछा, क्या सच में कोई फर्क नहीं पड़ेगा अगर उत्तर प्रदेश के सांसदों की संख्या ८० से बढ़कर १२० हो और केरल के सांसदों की संख्या २० से बढ़कर ३० हो जाए? उन्होंने कहा कि भले ही संख्या का अनुपात एक जैसा रहे, लेकिन राजनीतिक वज़न में भारी अंतर (केरल के १० और सांसदों के मुकाबले यूपी के ४० और सांसद) एक गंभीर चिंता का विषय बना रहेगा। इस विचार-प्रयोग के माध्यम से थरूर ने यह स्थापित करने का प्रयास किया कि सभी राज्यों में सीटों की संख्या में केवल आनुपातिक बढ़ोतरी से राजनीतिक संतुलन बना रहेगा, यह ज़रूरी नहीं है, खासकर दक्षिणी राज्यों के लिए, जो लंबे समय से आबादी पर आधारित परिसीमन प्रक्रिया में नुकसान होने की आशंका जता रहे हैं।

हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, आठ गिरफ्तार

चंडीगढ़ (ईएमएस) : पंजाब पुलिस ने सीमा पार से संचालित होने वाले बड़े हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से राज्य में अवैध हथियारों की घुसपैठ पर महत्वपूर्ण लगाम लगी है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से ११ आधुनिक पिस्टल और आठ कारतूस बरामद किए हैं। यह सभी आरोपी विदेश में बैठे हैंडलरों के संपर्क में थे, जहां से वे हथियार प्राप्त कर भारत में उसकी आपूर्ति करते थे। इस कार्रवाई की जानकारी पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की। गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है ताकि पूरे नेटवर्क और इसके अन्य सदस्यों का खुलासा किया जा सके। पुलिस का लक्ष्य इस तस्करी के पूरे मॉड्यूल का पता लगाना है। अमृतसर के एयरपोर्ट, सदर और छेरहटा पुलिस स्टेशनों में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और स्पष्ट किया है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस ने बताया कि अवैध हथियारों की तस्करी, सीमा पार अपराध और संगठित गिरोहों के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी। आपराधिक गतिविधियों में किसी भी संलिप्तता मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। हाल के दिनों में पंजाब पुलिस ने इसतरह के कई गिरोहों का पर्दाफाश किया है जो विदेशी हैंडलरों के इशारे पर भारत में हथियार पहुंचाते हैं। इसतरह के मामलों की गंभीरता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि ये अक्सर अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं, जिससे शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

महाराष्ट्र एमएलसी चुनावः कांग्रेस ने मुद्दों पर लड़ने का दावा किया

मुंबई,(ईएमएस): महाराष्ट्र विधान परिषद की ११ सीटों के लिए गुरुवार को मतदान हो रहा है। इसमें से ६ सीटों पर महायुति गठबंधन पहले ही निर्विरोध जीत दर्ज कर चुका है, जबकि शेष सीटों पर महा विकास अघाड़ी और महायुति के बीच कड़ा मुकाबला है। इस बीच, कांग्रेस ने चुनावी रणनीति में बदलाव का दावा कर मुद्दों पर चुनाव लड़ने की बात कही है, वहीं महायुति अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। नागपुर से कांग्रेस उम्मीदवार अतुल लोंढे ने दावा किया कि इस बार कांग्रेस ने पैसा दो, वोट लो की पुरानी राजनीति को छोड़कर मुद्दों पर चुनाव लड़ने का मौलिक निर्णय लिया है। उन्होंने बीजेपी पर विपक्ष को कमजोर करने और अपने कामकाज का जवाब देने से बचने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता लोंढे ने किसानों के लिए अपर्याप्त कार्य, स्थानीय निकायों को अनुदान की कमी, जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन, कमजोर स्वास्थ्य सुविधाओं और बढ़ती बेरोजगारी जैसे महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों को उठाया। उन्होंने नागपुर महानगरपालिका में भाजपा के दो दशक के नियंत्रण के बावजूद अधूरे विकास कार्यों पर भी सवाल खड़े किए, विशेषकर खेल सुविधाओं के विकास में देरी का जिक्र किया।

लोंढे ने कहा कि विधान परिषद नीति निर्माण और कानूनों पर गंभीर चर्चा का मंच है, और वे इन्हीं जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से सदन में उठाना चाहते हैं। नागपुर के कई पार्षदों ने लोंढे के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करने के प्रयासों का समर्थन किया। हालांकि, लातूर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के जिला अध्यक्ष अफसर शेख ने महायुति गठबंधन की जीत का पूरा भरोसा जताया है। उनका कहना है कि उनका गुट पूरी मजबूती के साथ गठबंधन के उम्मीदवार का समर्थन कर रहा है और वे बड़े अंतर से जीत हासिल कर रहे है।

सीबीएसई ओएसएम विवाद पर कॉम्प्ट एडुटेक की सफाईः मानवीय चूक, सिस्टम सुरक्षित

नई दिल्ली (ईएमएस): सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जुड़े विवादों के बीच, शिक्षा कंपनी कॉम्प्ट एडुटेक ने सफाई दी। कंपनी ने छात्र को गलत उत्तर पुस्तिका मिलने को मानवीय त्रुटि बताया, जो भौतिक स्कैनिंग प्रक्रिया के दौरान हुई थी, न कि सॉफ्टवेयर में कोई खराबी। उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मचारी और स्थान की पहचान कर ली गई है, और १०० प्रतिशत जांच में कोई तकनीकी त्रुटि नहीं पाई गई। कॉम्प्ट एडुटेक ने अपने स्कैनिंग उपकरणों की उच्च गुणवत्ता और वार्षिक अपग्रेडेशन पर जोर दिया, कहा कि वे उद्योग के मानक है। कंपनी ने टेंडर शर्तों में बदलाव कर निम्न गुणवत्ता वाले उपकरणों को शामिल करने के आरोपों को खारिज करते हुए पुष्टि की कि उसके सभी रिकॉर्ड सरकारी जांच के लिए खुले है। धुंधली इमेज से जुड़े मामलों की समीक्षा संबंधित मूल्यांकन प्राधिकरणों के साथ की जा रही है। १९ वर्षीय हैकर द्वारा प्लेटफॉर्म की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले पर, कंपनी ने स्पष्ट किया कि हैकर ने जिस सर्वर तक पहुंच बनाई थी, वह केवल एक टेस्टिंग सर्वर था, जिसका किसी भी ग्राहक के वास्तविक डेटा या सेवाओं से कोई संबंध नहीं था। यह सर्वर आंतरिक परीक्षण और डमी टेस्ट के लिए उपयोग होता है। कॉम्प्ट एडुटेक ने दावा किया कि उसकी वास्तविक परिचालन प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित है और इस घटना में न तो किसी छात्र का डेटा प्रभावित हुआ और न ही उसके तकनीकी ढांचे से कोई समझौता हुआ।

अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

पत्रांक :– 987/SNMMCH दिनांक :– 18.07.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत एवं अनुभवी वितरक से Supply of Liquid Medical Oxygen with tank facility हेतु वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए आपूर्ति हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत निम्नांकित शर्तो के अधीन ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 06.07.2026 को संध्या 5.00 बजे तक होगी।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो
चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

PR 382713 Health Med Edu and Family Welfare(26-27)#D

अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

पत्रांक :– 988/SNMMCH दिनांक :– 18.06.2026

अतिअल्पकालीन निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद के विभिन्न स्थानों पर लगे अग्निशमन यंत्र को रिफिल करनें हेतु दो–बोली व्यवस्था (2-Bid System) के तहत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन ई–निविदा समर्पित करनें की अंतिम तिथि– 01.07.2026 के संध्या 05:00 बजे तक होगी। निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तें www.jharkhandtenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा में मांगी गई हार्डकॉपी दिनांक– 02.07.2026 के 05:00 बजे अपराह्न तक स्पीडपोस्ट अथवा हाथो–हाथ जमा किया जा सकता है।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद।

PR.NO.382710 Health Med Edu and Family Welfare(26-27):D

झारखण्ड सरकार
अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, धनबाद

दूरभाष : 0326-2230352(O), 9431120164(M) Email: superintendentsnmmch@gmail.com

पत्रांक :– 986/SNMMCH दिनांक :– 18.06.2026

ई–निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत एवं अनुभवी वितरक से क्लिनिकल पैथोलॉजी के उपयोग हेतु Immunoassay Analyzer के क्रय आपूर्ति एवं अधिश्ठापन हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system)के ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। जिसका Gem Bid No.- Gem/2026/B/7668926 है। ई–निविदा को www.Gem.gov.in पर देखी तथा इच्छुक संवेदक द्वारा भाग ली जा सकती है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 02.07.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक होगी।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल धनबाद

PR 382712 Health Med Edu and Family Welfare(26-27)#D

कार्यालय, धनबाद नगर निगम, धनबाद।

टोल फ्री नं0 :–18008904160

ई–मेल : dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

पत्रांक – 644 दिनांक – 17.06.2026

–: अतिअल्पकालीन बन्दोबस्ती नीलामी सूचना :–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद नगर निगम अन्तर्गत विभिन्न सैरातों/पार्किंग स्थलों की बन्दोबस्ती प्रक्रिया दिनांक 01.07.2026 से 31.03.2027 तक के लिए खुली निलामी बन्दोबस्ती प्रक्रिया के द्वारा दिनांक 24.06.2026 को 3:00 PM में सम्पन्न की जानी है।

आवेदन/पंजीकरण शुल्क :–

इच्छुक डाक वक्ता दिनांक 24.06.2026 तक बंद लिफाफे में आवेदन के साथ मांगे गये दस्तावेज, जमानत राशि और पंजीकरण शुल्क 1000/- (एक हजार) रूपये डिमांड ड्राफ्ट (जो धनबाद नगर निगम, धनबाद के नाम से देय होगा) धनबाद नगर निगम कार्यालय के भू–तल में रखे गये ड्राप बॉक्स में अपराह्न 3:00 बजे तक जमा करें। पंजीकरण शुल्क पूर्ण रूप से Non Refundable होगा।

जमानत राशि :–

डाक वक्ता को बन्दोबस्ती राशि का दस प्रतिशत (10%) जमानत राशि डिमांड ड्राफ्ट (जो धनबाद नगर निगम, धनबाद के नाम से देय होगा) के रूप में आवेदन के साथ ड्राप बाक्स में जमा करना होगा। असफल डाक वक्ता की जमानत की राशि एकरारनामा के पश्चात् लौटा दी जाएगी।

क्र0 सं0	अंचल	सैरातों/पार्किंग स्थल का नाम	सैरातों/पार्किंग स्थल का विवरण	दिनांक 01.07.2026 से 31.03.2027 तक के लिए न्युनतम डाक राशि	जमानत राशि 10%
1.	धनबाद	झरिया रोड़ टेक्सटाईल मार्केट रोड़ के दोनो साईड	टेक्सटाईल मार्केट से बड़ा नाला तक एवं बड़ा नाला से डा0 पी0 के0 बनर्जी (विवेकानन्द आश्रम) तक।	3,04,403	30,440
2.	धनबाद	कोर्ट कैम्पस कोहीनुर मैदान सैरात	कोहीनुर मैदान से वेडिंग जोन तक एव SBI बैंक के सामने रोड़ के दोनो तरफ।	5,12,843	51,284
3.	धनबाद	बरटांड बस पड़ाव बैरियर	बरटांड बस पड़ाव	67,64,422	6,76,442
4.	धनबाद	पार्क मार्केट पार्क ग्राउड पार्किंग	पार्क मार्केट,चिल्ड्रेन पार्क ग्राउड, खेल मैदान को छोड़कर।	12,95,795	1,29,579
5.	सिंदरी	शहरपुरा नेहरू मैदान एवं सब्जी मार्केट गुरूद्वारा	शहरपुरा नेहरू मैदान, वीर कुँअर सिंह चौक के चारो ओर एवं सब्जी मार्केट से गुरूद्वारा तक।	8,15,244	81,524
6.	कतरास	गुहीबाँध बस पड़ाव सैरात	गुहीबाँध बस पड़ाव	3,37,808	33,781
7.	कतरास	कतरास बाजार हटिया स्थित पार्किंग एवं स्टॉल बन्दोबस्ती (बकरी हट्टा)	कतरास बाजार हटिया (पुरा ग्राउण्ड)	12,51,016	1,25,102
8.	कतरास	लिलोरी पार्क पार्किंग	लिलोरी पार्क के बगल में एवं लिलोरी मंदिर जाने के रास्ते 100 फुट।	2,28,959	22,896

नोटः–
1. आवेदन तथा पंजीकरण शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 24.06.2026 अपराह्न 3:00 बजे तक।
2. खुली नीलामी बंदोबस्ती प्रक्रिया दिनांक 24.06.2026 अपराह्न 3:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में की जाएगी।
3. नियम एवं शर्तें बेवसाइट www.udhd.jharkhand.gov.in पर एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित है।

PR 382672 Urban Development and Housing(26-27)D

अपर नगर आयुक्त, धनबाद नगर निगम।

उपायुक्त –सह– जिला दंडाधिकारी का कार्यालय, जामताड़ा।
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)
–:मनरेगा संबंधित आम सूचनाः–

ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प सं0–4729 दिनांक– 04.06.2007 के द्वारा निर्गत नियुक्ति सेवा शर्त एवं कर्तव्य नियमावली, 2007 एवं संकल्प सं0–6440 दिनांक– 17.07.2012 के द्वारा निर्गत नियुक्ति, सेवा शर्त एवं कर्तव्य (संशोधन) नियमावली, 2012 तथा पत्रांक– (N) 848 दिनांक– 21.03.2017 के आलोक में मनरेगा अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत जामताड़ा जिला में संविदा आधारित रिक्त पदों पर नियुक्त एवं कार्यरत मनरेगा के कतिपय क्षेत्रीय कर्मी विगत माह मार्च, 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। जिससे मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में काफी कठिनाई उत्पन्न हो रही है। चूँकी मनरेगा योजना माँग आधारित योजना है एवं ग्रामीणों द्वारा काम की माँग के आधार पर 15 दिनों के अन्दर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना होता है। ऐसी परिस्थिति में कर्मियों के हड़ताल पर रहने के कारण मनरेगा योजना के क्रियान्वयन एवं ग्रामीणों को ससमय रोजगार उपलब्ध कराने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मनरेगा क्षेत्रीय कर्मियो का योजना में मानव दिवस सृजन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मनरेगा कर्मियों के हड़ताल में रहने के कारण माह मार्च, अप्रैल एवं मई, 2026 में निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध मानव दिवस का सृजन नहीं किया जा सका है।

ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, रॉंची का पत्रांक–13– 107/ मन0क्षे0स्था0/2026/ग्रा0वि0 (N) 623, रॉंची, दिनांक– 29.05.2026 द्वारा प्राप्त निदेश के आलोक में इस कार्यालय के पत्रांक–337 दिनांक– 29.05.2026 एवं ज्ञापांक–376 दिनांक–08.06.2026 के द्वारा जिला जामताड़ा अन्तर्गत हड़ताल पर गए सभी मनरेगा कर्मियों को सेवा पर लौटने का निदेश दिया गया था, परन्तु अभी तक सभी मनरेगा कर्मी हड़ताल से सेवा पर वापस नहीं लौटे है।

अतः उपरोक्त वर्णित परिस्थिति में मनरेगा योजना की महत्ता तथा ग्रामीणों को ससमय रोजगार उपलब्ध कराने के परिप्रेक्ष्य में जामताड़ा जिले के सभी मनरेगा के हडताली क्षेत्रीय कर्मियों को सूचित किया जाता है कि हड़ताल से सेवा में सूचना प्रकाशन की तिथि से दो दिनों के अन्दर लौटना सुनिश्चित करेंगे। यदि वे निर्धारित समय के अन्दर सेवा पर वापस नहीं आते हैं तो उन्हें विरूद्ध विधि सम्मत् कठोर कार्रवाई की जायेगी।

उप विकास आयुक्त –सह–
अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक,
जामताड़ा।

PR 382638 District(26-27)D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
Agriculture, Animal Husbandry & Co-operative Department
(Co-Operative Division)

OFFICE OF THE REGISTRAR, CO-OPERATIVE SOCIETIES JHARKHAND, RANCHI
INTEGRATED CO-OPERATIVE DEVELOPMENT PROJECT (I.C.D.P.) CELL, RANCHI
Short e-Tender Notice

DATE:- 17.06.2026

SL No.	Tender Notice Number	Name of work	No Of Unit	Estimated Value of Work (in Rs)	Cost Of BoQ (in Rs)	Earnest Money (in Rs)	Time Of Completion Of Work
01.	ICDP/RANCHI/17/2026-27	Construction of 100 MT Capacity Godown –cum- Marketing Centre in Different MPCS Of District Bokaro.	39	13,83,89,355.00	13,84,000.00	10,000.00	12 Months
02.	ICDP/RANCHI/18/2026-27	Construction of 100 MT Capacity Godown –cum- Marketing Centre in Different MPCS Of Districts Ranchi and Khunti.	39	13,83,89,355.00	13,84,000.00	10,000.00	12 Months
03.	ICDP/RANCHI/19/2026-27	Construction of 100 MT Capacity Godown –cum- Marketing Centre in Different MPCS Of Districts Hazaribagh & Ramgarh.	45	15,96,80,025.00	15,96,800.00	10,000.00	12 Months
04.	ICDP/RANCHI/20/2026-27	Construction of 100 MT Capacity Godown –cum- Marketing Centre in Different MPCS Of Districts Palamu and Garhwa.	39	13,83,89,355.00	13,84,000.00	10,000.00	12 Months
05.	Date Of Publication of on Website		23.06.2026 AT 11:00 AM				
06.	Last Date & Time of Submission of bids		02.07.2026 AT 05:00 PM				
07.	Name & Address of Office Inviting Tender		State Monitoring Officer, ICDP Cell, Ranchi, Pasupalan-Sahkarita Bhawan Singh More, Hesag, Hatia, Ranchi. 834003				
08.	Contact No of Procurement Officer		7979780612, 9931477485				

09. Bid document with details terms and conditions will be available online on e-tendering portal, http:// Jharkhand tenders.gov.in from 23.06.2026 at 11:00 AM to 02.07.2026 up to 05:00 PM. Bids must be Submitted online only at the e- tendering portal http:// Jharkhandtender.gov.in on or before 05:00 PM on 02.07.2026. Tender Fee and EMD Will be received through online mode only. Bidders can use internet banking facility for faster processing of tender fee and EMD. Alternatively, bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from jharhand tenders.gov.in portal. Technical Bid received online will be opened at 05:00 PM on 03.07.2026.
10. Estimate Cost May Vary.
11. Corrigendum/Amendment if any will be published only on the above mentioned website.

Sd/-
State monitoring Officer
ICDP Cell, Ranchi

PR 382648 Co-opretive (26-27)_D

बिहार में स्कूल मान्यता के नियम सख्तः अब बिना खेल मैदान और लैब के नहीं मिलेगी मान्यता

पटना (एजेंसी): बिहार सरकार ने स्कूल मान्यता के नियम को सख्त करते हुए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिया है। अब से स्कूल परिसर में बिना खेल के मैदान, निर्धारित भूमि, चहारदीवारी, लैब, लाइब्रेरी और अन्य बुनियादी सुविधाओं के किसी भी निजी या गैर-सरकारी स्कूल को संबद्धता नहीं दी जाएगी। सरकार ने 'बिहार विद्यालय परीक्षा समिति संबद्धता (संशोधन) नियमावली, २०२६' को लागू कर दिया है, जिसकी आधिकारिक अधिसूचना १६ जून २०२६ को बिहार गजट में जारी की गई।

दरअसल सरकार का उद्देश्य राज्य में स्कूली शिक्षा के स्तर को सुधारना है। नियमों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च माध्यमिक विद्यालय के लिए कम से कम ६००० वर्ग मीटर भूमि होना अनिवार्य है, जिसमें से २००० वर्ग मीटर क्षेत्र खेल के मैदान के लिए आरक्षित रखना होगा। वहीं, पटना नगर क्षेत्र के स्कूलों के लिए न्यूनतम ३२०० वर्ग मीटर और अन्य शहरी क्षेत्रों के लिए ४००० वर्ग मीटर भूमि तय की गई है।

शहरी क्षेत्रों में यदि खेल का मैदान मुख्य परिसर से अलग है, तो उसकी दूरी २०० मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मैदान तक जाने के लिए कोई व्यस्त सड़क या हाईवे बीच में नहीं आना चाहिए। इसके अलावे सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि स्कूल की जमीन या तो रजिस्ट्री वाली होनी चाहिए या फिर कम से कम ३० वर्षों की वैध लीज पर होना आवश्यक है।

गजट के अनुसार, स्कूल भवन निर्माण को लेकर स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि माध्यमिक विद्यालय के लिए कुल न्यूनतम ८७० वर्ग मीटर क्षेत्र होना चाहिए। इसमें ३५-३५ वर्ग मीटर के छह क्लासरूम, तीन विज्ञान प्रयोगशालाएं (भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान), ५० वर्ग मीटर का कंप्यूटर कक्ष और ५० वर्ग मीटर की लाइब्रेरी बनाना अनिवार्य होगा। स्कूल संबद्धता के लिए आवेदन शुल्क १५ हजार रुपये तय किया गया है, जो नॉन रिफंडेबल होगा।

सभी मानक पूरे होने पर शुरुआत में केवल ५ वर्षों के लिए अस्थायी मान्यता मिलेगी। गजट में यह स्पष्ट किया गया कि यदि कोई स्कूल वित्तीय अनियमितता, फर्जी नामांकन या सामाजिक वैमनस्य फैलाने का दोषी पाया जाता है, तो कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। साथ ही उसकी मान्यता निलंबित कर दी जाएगी या हमेशा के लिए समाप्त कर दी जाएगी।

हिंदू लडक़ी की लाश कब्र से निकाली गई

प्रयागराज (ईएमएस): प्रयागराज में हिंदू समझकर मुस्लिम युवक से शादी करने वाली युवती की मौत की वजहें सामने नहीं आ सकी हैं। ३५ दिन बाद कब्र खोदकर २० वर्षीय युवती का शव पोस्टमॉर्टम के लिए निकाला गया। शव सड़ी-गली हालत में था। दो डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया, लेकिन रिपोर्ट में भी मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका। दरअसल, प्रयागराज के रहने वाले मुस्लिम युवक साहिल ने हिंदू नाम बताकर एमपी के रीवा की युवती गोल्डी से दोस्ती की थी और फिर दोनों ने शादी कर ली। साहिल और गोल्डी की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी।

दोनों हैदराबाद में जॉब करते थे। १० मई २०२६ को संदिग्ध परिस्थितियों में गोल्डी की मौत हो गई। युवती की मां का आरोप है कि उनकी गर्भवती बेटी की ससुराल वालों ने हत्या कर दी। उसे जहर देकर मार डाला। उनका यह भी कहना है कि मौत के करीब एक महीने बाद, ६ जून को उन्हें इसकी जानकारी दी गई।

निशांत चुनाव जीतकर तो नहीं आए हैं फिर इतनी सुरक्षा क्यों : तेज प्रताप

पटना (एजेंसी): बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को सुरक्षा मिलने पर जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने सवाल उठाया है। तेज प्रताप का कहना है कि निशांत कोई चुनाव जीतकर तो नहीं आए हैं, फिर उन्हें इतनी सुरक्षा क्यों दी जा रही है। लालू-राबड़ी की सुरक्षा घटाने और सरकारी आवास खाली कराने को लेकर बिहार की राजनीति में लगातार बयानबाजी हो रही है।

ध्यान हो कि कुछ दिनों पहले ही लालू यादव ने मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाया था। लालू यादव ने कहा था कि यह सब नीतीश कुमार ही करवा रहे हैं। तेज प्रताप ने अपने पिता को समर्थन देते हुए कहा कि जब पिताजी ने कहा कि यह सब नीतीश कुमार ही करवा रहे हैं, तो कुछ सोचकर ही बोले होंगे। इस दौरान तेज प्रताप ने भी नीतीश कुमार पर आरोप लगाया और सरकार पर सवाल उठाया कि निशांत कुमार को इतनी सुरक्षा क्यों दी जा रही है। वो कोई चुनाव जीत कर तो नहीं आए हैं।

तेज प्रताप ने बताया कि इसी वजह से वो और उनका परिवार अपनी सुरक्षा वापस करने का फैसला लिया। इससे पहले तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया था कि राबड़ी देवी के सरकारी दर्जे में कोई बदलाव नहीं हुआ, फिर भी उनकी सुरक्षा और आवास को लेकर कार्रवाई की जा रही है। वहीं मीसा भारती ने कहा कि उनके परिवार को सरकारी बंगले का कोई मोह नहीं है। एनडीए सरकार बदले की भावना से राजनीति कर रही है। इधर, विवाद के बीच बिहार पुलिस ने लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थिति स्पष्ट की है।

पुलिस के अनुसार, लालू प्रसाद को विशेष सुरक्षा दल अधिनियम, २०१० के तहत बॉडीगार्ड, आवास गार्ड, स्कॉट गार्ड, पायलट वाहन और बीआर कार की सुविधा उपलब्ध है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को भी बॉडीगार्ड, आवास गार्ड, स्कॉट गार्ड, पायलट, बीआर कार के साथ-साथ सादे लिबास में स्पेशल ब्रांच (एस.बी.) के सुरक्षाकर्मी भी तैनात किए गए हैं। बिहार पुलिस का कहना है कि दोनों नेताओं की सुरक्षा नियमों के अनुसार सुनिश्चित की गई है।

बाढ़ का खतरा, पांच लाख परिवार हो सकते प्रभावित, प्रशासन ने की तैयारियां

मुजफ्फरपुर,(ईएमएस) : जिले में संभावित बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने राहत और बचाव संबंधी तैयारियां तेज कर दी हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक जिले के ५ लाख ५४ हजार ८४३ परिवार बाढ़ के जोखिम वाले क्षेत्रों में रहते हैं। इन परिवारों को समय पर मदद पहुंचाने के लिए सूची का सत्यापन और अद्यतन कार्य कराया जा रहा है। समाहरणालय परिसर में जल संसाधन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में बाढ़, सुखाड़ एवं एईएस को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तृत जानकारी पेश की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में संभावित बाढ़ से निपटने के लिए जिले में आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था कर ली गई है। वर्तमान में २६,१२५ पालीथिन शीट उपलब्ध हैं। राहत एवं बचाव अभियान के लिए १५ सरकारी और २६३ निजी नावों को चिह्नित किया गया है।

इसके अलावा ४१८ राहत शिविर तथा ४४८ सामुदायिक रसोई केंद्रों की पहचान की गई है, ताकि आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता दी जा सके। आपदा के समय त्वरित कार्रवाई के लिए १५९ प्रशिक्षित गोताखोरों और ४९७ आपदा मित्रों को तैयार रखा है। साथ ही जरुरत पड़ने पर एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

बैठक में बताया कि मुजफ्फरपुर में मुख्य रूप से बूढ़ी गंडक, गंडक और बागमती नदियों के जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति पैदा होती है। इसके अलावा लखनदेई, करेह और बाया नदी के कारण भी कई इलाकों में जलजमाव और बाढ़ की समस्या सामने आती है। तटबंधों और जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा में अधिकारियों ने बताया कि जिले के सभी १४७ स्लुइस गेट सुरक्षित स्थिति में हैं। उनकी वार्षिक मरम्मत और ग्रीसिंग का कार्य जारी है। अधिकारियों को तटबंधों की नियमित निगरानी करने और जरुरत के मुताबिक मरम्मत व सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाढ़ के दौरान पशुधन को सुरक्षित रखने के लिए जिले में ३८ पशु राहत शिविर चिह्नित किए गए हैं। पशुओं के उपचार के लिए दवाओं और चारे की पर्याप्त व्यवस्था रखने का निर्देश दिया है, ताकि आपदा के समय पशुपालकों को परेशानी न हो। बैठक में एईएस की स्थिति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि अब तक कुल ३५ मामले सामने आए हैं। इनमें २० मामले मुजफ्फरपुर, चार पूर्वी चंपारण, दो सीतामढ़ी, पांच शिवहर तथा एक-एक मामला पश्चिम चंपारण, सारण, गोपालगंज और समस्तीपुर से जुड़ा है। सभी मरीजों का उपचार किया गया और स्वस्थ होने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

भ्रष्टाचार की खबर दिखाई तो पत्रकार के घर पहुंची पुलिस : आरजेडी

वैशाली (एजेंसी): वैशाली में डीएम कार्यालय में कथित रसोइया बहाली में भ्रष्टाचार की खबर उजागर करने वाले एक पत्रकार के घर मद्यनिषेध पुलिस पहुंची और शराब सेवन का आरोप लगाकर उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की। इसे लेकर आरजेडी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर वैशाली जिला प्रशासन और राज्य सरकार को निशाना बनाया है। आरजेडी द्वारा पोस्ट किये गए वीडियो में साफ देखा और सुना जा सकता है कि अधिकारी पत्रकार के शराब पीने की जांच कर रहे हैं। हालांकि जांच के बाद पत्रकार की शराब पीने की पुष्टि नहीं हो पाती है। इस दौरान पत्रकार अधिकारियों को यह कह रहा है कि मेरा पुरा खानदान में कोई शराब नहीं पी।

आरजेडी का कहना है कि संबंधित पत्रकार शराब का सेवन नहीं करता था। पार्टी ने यह दावा करते हुए सरकार और प्रशासन पर आरोप लगाया कि यह कार्रवाई कथित तौर पर उसे परेशान करने और दबाव बनाने के उद्देश्य से की गई है। आरजेडी ने इस पूरे मामले को अफसरशाही की मनमानी बताते हुए आरोप लगाते हुए अपने पोस्ट में लिखा कि बिहार में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठाने वालों को प्रताड़ित किया जा रहा है। पार्टी ने कहा कि आम नागरिकों और पत्रकारों को सवाल पूछने की कीमत चुकानी पड़ रही है। सरकार और प्रशासन आलोचनात्मक खबरों को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।

राबड़ी देवी ने खाली किया आवास, पति लालू यादव के साथ बेटे तेजस्वी के घर शिफ्ट हुईं

पटना (एजेंसी): बिहार की राजनीति का चर्चित १० सर्कुलर रोड बंगला आखिरकार खाली होना शुरू हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास से सामान हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। लालू प्रसाद यादव के परिवार का सामान अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सरकारी आवास १ पोलो रोड में शिफ्ट किया जा रहा है। पिछले कई दिनों से इस बंगले को लेकर सियासी विवाद जारी था, जो अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है।

दरअसल, पटना स्थित १० सर्कुलर रोड का सरकारी आवास पिछले २१ वर्षों से पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के पास था। बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने यह बंगला राज्य सरकार के मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित कर दिया है। वहीं, राबड़ी देवी को बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष होने के नाते ३९ हार्डिंग रोड स्थित दूसरा सरकारी आवास आवंटित किया गया था, लेकिन उन्होंने लंबे समय तक १० सर्कुलर रोड खाली नहीं किया। बिहार की राजनीति में यह बंगला लंबे समय से राजद का पावर सेंटर माना जाता रहा है।

सरकार की ओर से बंगला खाली करने के लिए राबड़ी देवी को १५ दिनों का समय दिया गया था, जिसकी समय-सीमा १५ जून को समाप्त हो गई। इसके बाद १६ जून को उन्होंने लालू प्रसाद यादव के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए सरकार को समय बढ़ाने के लिए पत्र लिखा था। हालांकि अब १८ जून से बंगले से सामान हटाने का काम शुरू हो गया है और ट्रकों व अन्य वाहनों के जरिए सामान १ पोलो रोड स्थित तेजस्वी यादव के सरकारी आवास में पहुंचाया जा रहा है।

पटना जंक्शन का भावुक वीडियो वायरल

पटना (एजेंसी): पटना जंक्शन का एक भावुक दृश्य सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रहा है। भीड़ से भरे प्लेटफॉर्म पर एक मां अपने दो बच्चों के साथ कहीं जा रही थी। इसी दौरान कुछ क्षणों के लिए उसका छोटा बेटा भीड़ में उससे बिछड़ गया। महज २ मिनट का यह बिछड़ना मां के लिए किसी बड़े हादसे से कम नहीं था। बेटे के अचानक नजरों से ओझल होते ही मां घबरा गई और उसे इधर-उधर तलाशने लगी। वहीं छोटा बच्चा भी डरा और सहमा हुआ अपनी मां को खोज रहा था।

हालांकि कुछ देर बाद जब मां और बेटा दोबारा मिले, तो वह पल बेहद भावुक कर देने वाला था। मां ने अपने बेटे को कसकर सीने से लगा लिया, मानो उसे अपनी पूरी दुनिया वापस मिल गई हो। मां की आंखों में राहत के आंसू थे। बच्चा भी मां से लिपटकर शांत हो गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इसे देखकर भावुक हो रहे हैं अपनी लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्तीः 9 महीने से रिजल्ट का इंतजार, अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) मुख्यालय के सामने गुरुवार को २०० से अधिक होम्योपैथिक फार्मासिस्ट अभ्यर्थियों ने शांतिपूर्ण धरना दिया। वे भर्ती संख्या ०९/२०२४ का अंतिम परिणाम तत्काल जारी करने की मांग कर रहे हैं। सुबह से ही पिकअप भवन के सामने जमीन पर बैठकर प्रदर्शन कर रहे इन अभ्यर्थियों का आरोप है कि उन्हें बीते नौ महीने से केवल आश्वासन मिल रहा है। अभ्यर्थियों ने बताया कि ३९७ पदों के लिए मुख्य परीक्षा २ फरवरी २०२४ को आयोजित हुई थी। इसके बाद सितंबर २०२४ में २४१० अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन भी पूरा हो चुका है। बावजूद इसके, नौ महीने बीत जाने के बाद भी अंतिम परिणाम घोषित नहीं किया है। हरदोई से आए राहुल मिश्रा और जौनपुर के राजेश प्रचेता जैसे अभ्यर्थियों ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा कि वे बार-बार लखनऊ आकर १५ दिन में रिजल्ट का आश्वासन सुन-सुन कर थक चुके हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे रात से भूखे हैं और जब तक १०० प्रतिशत ठोस आश्वासन नहीं मिलता, वे यहां से नहीं हटने वाले है।

अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि आयोग की लापरवाही से हजारों उम्मीदवारों का भविष्य अधर में लटका हुआ है और वे मानसिक तथा आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने हमारी मेहनत, हमारा अधिकार और परिणाम दो, न्याय दो जैसे नारों के साथ अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया।

राजभर को गंभीरता से नहीं लेता कोई : शिवपाल

लखनऊ,(ईएमएस): समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर के सपा में अंदरूनी फूट के आरोपों को सिरे से खारिज किया है, इस बयान को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सुनियोजित साजिश बताया।

गुरुवार को शिवपाल यादव ने बीजेपी और उसके सहयोगियों पर राजनीतिक लाभ के लिए झूठ फैलाने और समय-समय पर साजिशें रचने का आरोप लगाया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सपा का कोई भी सांसद पार्टी छोड़कर नहीं जाएगा, और ऐसी बातें केवल अपनी टीआरपी बढ़ाने और चुनाव में सीटें हासिल करने के लिए होती हैं। शिवपाल ने राजभर पर निशाना साधकर कहा कि उनके बयान पैसे के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, मुझे लगता है कि उन्हें ट्वीट करने के लिए पैसे मिलते हैं, इसीलिए वे ऐसी बातें कहते हैं और झूठ बोलते हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि २०२७ में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

शिवपाल ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में राजभर को कोई गंभीरता से नहीं लेता। गौरतलब है कि एसबीएसपी नेता और उत्तर प्रदेश के मंत्री राजभर, जो पहले समाजवादी पार्टी के सहयोगी थे, अब बीजेपी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के सदस्य हैं।इसके पहले गुरुवार को राजभर ने समाजवादी पार्टी की आलोचना कर आरोप लगाया था कि पार्टी नेतृत्व केंद्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) की चल रही जांचों से खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा था कि राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जो चिट्ठी भेजी थी, उसमें पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से जुड़ी सीबीआई एफआईआर का जिक्र है। राजभर ने दावा किया था कि गायत्री प्रजापति जेल में हैं, जबकि अखिलेश यादव अभी बाहर हैं। उन्होंने गोमती रिवर फ्रंट मामले में राम गोपाल यादव के बेटे, शिवपाल यादव और उनके बेटे सहित परिवार के कई सदस्यों के शामिल होने का भी जिक्र किया, जिसके चलते समाजवादी पार्टी ने अपनी जान बचाने के लिए एक सूची जारी की थी।

पूर्व मध्य रेल

ई–टेंडर सूचना

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता/पीटीआरयू, पूर्व मध्य रेलवे, पतरातू, भारत के राष्ट्रपति की ओर ई–टेंडर संख्या GEM/2026/B/7644886 हेतु पात्र एवं अनुभवी एजेंसियों/ठेकेदारों से "ओपन" ई–टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। विवरण निम्नानुसार है।

कार्य का नाम एवं स्थान : 03 (तीन) वर्षों के लिए सड़क परिवहन द्वारा लोको शेड/पी.टी.आर.यू. की रेलवे सामग्रियों का परिवहन। स्थान डीजल लोकोशेड – पतरातू। कार्य का अनुमानित लागत:₹1,05,83,141.40 (रूपये एक करोड़ पाँच लाख तिरासी हजार एक सौ इकतालीस और चालीस पैसे मात्र)। अर्नेस्ट मनी (ईएमडी) : ₹2,11,700/– (रूपये दो लाख ग्यारह हजार सात सौ मात्र), बोली जमा करने एवं बोली बंद होने की तिथि एवं समय : From 16.06.2026 upto Bid End Date 10.07.2026 16:00 Hrs., वेबसाईट का विवरण जहाँ बिड दस्तावेज उपलब्ध है : GeM वेबसाईट पोर्टल www.GeM.gov.in/ निविदा भरने वाले उनका मूल या परिशोधित निविदा प्रस्ताव केवल इसी वेबसाईट के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते है। इस निविदा के तहत मैनुअल (हस्तनिर्मित) निविदा प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है तथा ऐसे किसी भी मैनुअल निविदा प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। सूचना पट्ट का स्थान जहाँ निविदा का (नोटिस बोर्ड) पूर्ण विवरण देखा जा सकता है : लोको शेड, पतरातू का सूचना पट्ट।

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता / पूमरे/पतरातू

पीआर/0413/लोको शेड/पीटीआरयू/यां/टी/26–27/40

राम मंदिर चंदे पर डाकाः सुरक्षा पर 10 करोड़ खर्च, फिर भी चोरी

अयोध्या (ईएमएस) : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दान राशि में गड़बड़ी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए और चौंकाने वाले तथ्य सामने आने की चर्चा तेज होती जा रही है। जांच के तीसरे दिन एसआईटी ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि उसकी पड़ताल केवल धनराशि के कथित गबन तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रशासनिक, प्रबंधकीय और निगरानी तंत्र की गहन समीक्षा की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान कई ऐसे बिंदु सामने आए हैं जिनकी अब तक सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं हुई थी। इन्हीं तथ्यों के आधार पर एसआईटी अब यह समझने का प्रयास कर रही है कि आखिर ऐसी परिस्थितियां कैसे बनीं, जिनमें अनियमितताओं को अंजाम दिया गया। हालांकि वे चौंकाने वाले तथ्य क्या हैं, ये अब तक पता नहीं चल सके हैं। लेकिन सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी दान संग्रह, धनराशि की गणना, रख-रखाव, निगरानी और रिपोर्टिंग से जुड़ी पूरी प्रक्रिया की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

एसआईटी की जांच का सबसे महत्वपूर्ण पहलू जवाबदेही तय करना माना जा रहा है। जांच की दिशा से यह साफ है कि एसआईटी अब केवल यह नहीं पूछ रही कि किसने किया, बल्कि उससे बड़ा सवाल तलाश रही है- यह संभव कैसे हुआ। यही सवाल आने वाले दिनों में कई चौंकाने वाले खुलासों का आधार बन सकता है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कथित अनियमितताओं के पीछे किसी व्यक्ति विशेष की भूमिका अधिक थी या फिर व्यवस्थागत कमजोरियों ने इस स्थिति को जन्म दिया। इसी कारण पूरी प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्था को जांच के दायरे में रखा गया है।

राम मंदिर की दानराशि गड़बड़ी प्रकरण की जांच के बीच ट्रस्ट के वित्तीय दस्तावेजों से कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और वित्तीय निगरानी को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। दस्तावेजों के अनुसार मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर ११ माह में करीब १० करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन इसी अवधि में दान पेटियों से चोरी और दानराशि में गड़बड़ी का मामला सामने आ गया। जानकारी के अनुसार, २१ मार्च को हुई ट्रस्ट की बैठक में एक अप्रैल २०२५ से २८ फरवरी २०२६ तक की आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया था।

रांची में मानव तस्करी और तस्करी नेटवर्क पर अमेरिका-भारत की संयुक्त चर्चा

रांची (एजेंसी): मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत बनाने के उद्देश्य से रांची में यू.एस.-इंडिया कोऑपरेशन टू काउंटर ट्रैफिकिंग थ्रैट्स विषय पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व अमेरिकी वाणिज्य दूतावास, कोलकाता ने किया। सम्मेलन में सरकार, नागरिक समाज, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और शिक्षाविदों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी ने इस बात पर चर्चा की कि भारत और अमेरिका को नुकसान पहुंचाने वाले अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्कों को खत्म करने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग कितना जरूरी है। सम्मेलन का उद्घाटन अमेरिकी महावाणिज्यदूत कैथी गाइल्स-डियाज़ ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि तस्करी नेटवर्क समाज और समुदायों को नुकसान पहुंचाते हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनते हैं और सबसे कमजोर लोगों का शोषण करते हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य केवल चर्चा करना नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिकी विदेश नीति का स्पष्ट लक्ष्य अमेरिका को अधिक सुरक्षित बनाना है और इसके लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्कों को उनके स्रोत पर ही रोकना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की चुनौतियों से कोई देश अकेले नहीं निपट सकता और अमेरिका भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विशेषज्ञों ने साझा किए आधुनिक जांच और निगरानी मॉडल

सम्मेलन में कानून प्रवर्तन एजेंसियों, गैर-सरकारी संगठनों और शिक्षण संस्थानों से जुड़े अमेरिका और भारत के कई विशेषज्ञ शामिल हुए। विशेषज्ञों ने उन्नत जांच मॉडल, डेटा आधारित सीमा निगरानी तकनीक और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के बेहतर तरीकों पर अपने अनुभव साझा किए। चर्चा के दौरान सूचना साझा करने की व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा तस्करी की पहचान और रोकथाम के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही अमेरिका और भारत के बीच सहयोग के व्यावहारिक तंत्र विकसित करने पर भी विचार किया गया।

तस्करी नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई की जानकारी

सम्मेलन में यह भी बताया गया कि ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिकी सीमाओं और समुदायों के लिए खतरा बनने वाले तस्करी नेटवर्कों के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। सौ से अधिक ऑनलाइन धोखाधड़ी संचालकों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें से कई बंधुआ श्रम का इस्तेमाल कर दुनिया भर के लोगों से अरबों डॉलर की ठगी कर रहे थे। इसके अलावा, मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के अभियान के तहत अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने लगभग २० लाख किलोग्राम अवैध ड्रग्स और गोलियां जब्त की हैं। अधिकारियों के अनुसार इन कार्रवाइयों से आपराधिक नेटवर्कों के अरबों डॉलर के मुनाफे पर रोक लगी है। सम्मेलन में इस बात पर भी जोर दिया गया कि अमेरिका और भारत दोनों ही तस्करों को कानून के दायरे में लाने और उनके निशाने पर आने वाले कमजोर लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं।

आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम हमला करने के आरोपी हाजत से फरार, पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली

रांची (एजेंसी): राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित निवारणपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने के मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। इस मामले में गिरफ्तार एक आरोपी पुलिस हिरासत से फरार हो गया, जिसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के दौरान आरोपी को गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गौरतलब है कि गुरुवार दोपहर गिरफ्तार आरोपी को पुलिस हाजत में रखा गया था। इसी दौरान वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी के भागने की सूचना मिलते ही पुलिस ने उसका पीछा शुरू किया और मांडर क्षेत्र तक पहुंच गई। पुलिस के अनुसार, जब उसे पकड़ने की कोशिश की गई तो उसने एक पुलिसकर्मी का हथियार छीन लिया और फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी घायल हो गया।

गौरतलब है कि यह मामला मंगलवार रात का है, जब बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने निवारणपुर स्थित संघ कार्यालय को निशाना बनाया था। दोनों अपराधी कार्यालय परिसर की ओर जलता हुआ पेट्रोल बम फेंककर मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने सिटी एसपी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया था। जांच टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा स्थानीय खुफिया तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान दोनों आरोपियों की गतिविधियां सीसीटीवी फुटेज में कैद मिलीं, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को रांची से भागने के दौरान गिरफ्तार कर लिया था।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि पेट्रोल बम हमला किन कारणों से किया गया था तथा इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क की भूमिका तो नहीं है। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

रांची में व्यक्ति ने घर में अपनी पत्नी की पीट-पीट कर की हत्या, गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): राजधानी रांची के बरियातू थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपनी पत्नी बेला मुंडा की घर में ही पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना की जानकारी परिजनों को गुरुवार की सुबह हुई। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी पवन मुंडा को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि परिजन बेला मुंडा को अस्पताल ले गए थे। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। डॉक्टरों का कहना है कि अधिक मारपीट की वजह से बेला मुंडा ने दम तोड़ दिया है।

बताया जा रहा है कि पवनमुंडा के घर की बिजली कट गई थी। इसलिए गर्मी के चलते बच्चे रिश्तेदार के यहां सोने चले गए थे। गुरुवार की सुबह जब बच्चे स्कूल जाने के लिए अपने घर पहुंचे तो देखा कि उनकी मां खून से लथपथ पड़ी है। जबकि, पिता पवन मुंडा घर में नहीं थे। इस पर बच्चों ने अन्य रिश्तेदारों और पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी।

इसके बाद, पुलिस को जानकारी दी गई और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को पता चला कि पवन मुंडा मोरहाबादी के एदलहातू तालाब के पास एक ठिकाने पर छिप कर बैठा हुआ है। इस पर पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया।

देवघर में चार साइबर ठग गिरफ्तार,अंतरराज्यीय नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

देवघर (एजेंसी): देवघर जिले में पुलिस को साइबर अपराधियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए एक खास अभियान के दौरान पुलिस ने चार शातिर साइबर ठगों को रंगे हाथ दबोच लिया है। पकड़े गए ठगों के पास से पुलिस ने चार मोबाइल फोन और चार सिम कार्ड जब्त किए हैं। आशंका है कि इन सभी सामानों का इस्तेमाल लोगों को फांसने के लिए किया जा रहा था।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अशरफ अंसारी २६, सद्दाम अंसारी ३६, मुस्तकीम अंसारी २६ साल और ३७ साल का बिनोद दास शामिल हैं। ये सभी मिलकर भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बनाते थे।

देशभर से जुड़े हैं तार

शुरुआती जांच और मोबाइल की छानबीन में पुलिस को कई चौंकाने वाले सुराग मिले हैं। जब पुलिस ने इनके मोबाइल के आईएमईआई (खचएख) नंबरों की तकनीकी जांच की तो पता चला कि इन मोबाइलों का संबंध देश के अलग-अलग राज्यों में दर्ज साइबर धोखाधड़ी के मामलों से है। इसका मतलब है कि ये ठग केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपना जाल फैलाए हुए थे।

पुलिस ने यह भी बताया कि पकड़ा गया आरोपी सद्दाम अंसारी पुराना अपराधी है और पहले भी साइबर ठगी के मामलों में उसका नाम आ चुका है। फिलहाल पुलिस इन चारों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि इनके पूरे गैंग और बाकी साथियों का पता लगाया जा सके। इस कार्रवाई के बाद देवघर पुलिस ने आम जनता से सावधान रहने को कहा है। पुलिस का कहना है कि लोग इंटरनेट या फोन पर पैसों का लेनदेन करते समय पूरी सावधानी बरतें। किसी भी अनजान फोन कॉल, लॉटरी के झांसे या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने की गलती बिल्कुल न करें।

परिमल नथवाणी की जीत को लेकर कांग्रेस ने राजद व माले पर लगाया धोखा देने का आरोप, महागठबंधन में फूट

रांची (एजेंसी): झारखंड राज्यसभा चुनाव २०२६ में सत्तारूढ़ महागठबंधन को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। क्रॉस वोटिंग के चलते भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवाणी ने कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को हराकर राज्यसभा की सीट जीत ली। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम भी निर्वाचित हुए।

परिमल नथवाणी की जीत को लेकर महागठबंधन में फूट सामने आ गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व झारखंड प्रभारी के राजू ने राजद और माले पर धोखा देने का आरोप लगाया है। के राजू ने कहा है कि राजद और माले के विधायकों का वोट कांग्रेस उम्मीदवार को नहीं मिला। उधर माले का कहना है कि उनके विधायकों ने कांग्रेस के उम्मीदवार को ही वोट दिया है।

परिमल नथवाणी की जीत के बाद अब राजनीति के जानकार इसके मायने निकलने लगे हैं। कहा जा रहा है कि सरकार पर भी इसका असर पड़ सकता है।

झारखंड विधानसभा में गुरुवार को राज्यसभा की दो सीटों के लिए मतदान हुआ। चुनाव परिणाम में जेएमएम उम्मीदवार बैद्यनाथ राम को सबसे अधिक ३१ वोट मिले, जबकि भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवाणी को २८ वोट प्राप्त हुए। कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को २० वोट मिले थे, लेकिन एक वोट अमान्य होने के कारण उनके खाते में सिर्फ १९ वैध मत ही दर्ज हुए।

राज्यसभा चुनाव के नतीजों ने महागठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा के पास पर्याप्त संख्या नहीं होने के बावजूद परिमल नथवाणी को २८ वोट मिलना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि गठबंधन के कुछ विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि राजद और भाकपा माले के विधायकों ने गठबंधन के साथ विश्वासघात किया।

मतगणना के दौरान कुल तीन वोट अमान्य घोषित किए गए। इनमें भाजपा के दो और कांग्रेस का एक वोट शामिल था। इसके बावजूद परिमल नथवाणी की जीत ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए।

बैद्यनाथ राम के राज्यसभा पहुंचने के साथ एक नया इतिहास भी बना है। वह झारखंड से राज्यसभा के लिए चुने जाने वाले पहले दलित सांसद बने हैं। साथ ही राज्य गठन के बाद पलामू प्रमंडल से पहली बार कोई नेता राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुआ है।

वहीं परिमल नथवाणी तीसरी बार झारखंड से राज्यसभा पहुंचे हैं। इससे पहले वह दो बार झारखंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और वर्तमान में आंध्र प्रदेश से राज्यसभा सदस्य हैं, जिनका कार्यकाल २१ जून को समाप्त हो रहा है।

चुनाव परिणाम आने के बाद विधानसभा परिसर में एनडीए नेताओं ने जीत का जश्न मनाया और जय श्रीराम के नारे लगाए। दूसरी ओर कांग्रेस खेमे में मायूसी का माहौल देखने को मिला। कई दिनों से चली रणनीतिक बैठकों, विधायकों की निगरानी और डिनर डिप्लोमेसी के बावजूद कांग्रेस अपने उम्मीदवार को जीत दिलाने में असफल रही।

राजनीतिक गलियारों में अब यह चर्चा तेज हो गई है कि यह परिणाम विधायकों की अंतरात्मा की आवाज का असर था या फिर महागठबंधन के आरोपों के मुताबिक पर्दे के पीछे कोई राजनीतिक मैनेजमेंट काम कर रहा था।

कल प्रधानमंत्री आवास योजना के 322 लाभुकों को दी जाएगी नए घर की चाबी

जमशेदपुर (एजेंसी): बिरसानगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो नए फ्लैट बनाए गए हैं उनमें गृह प्रवेश का कार्यक्रम कल शुक्रवार १९ जून को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति आयोजित करेगी। ३२२ लाभुकों को नए घर की चाबी और आवंटन पत्र दिया जाएगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।

गौरतलब है कि बिरसानगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के किफायती आवास बनाए गए हैं। ब्लॉक ८ और ब्लॉक २३ में ६४४ फ्लैटों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। इन्हीं फ्लैटों में ३२२ लाभुकों को नया घर दिया जाएगा। जेएनएसी के उपनगर आयुक्त कृष्ण कुमार ने बताया कि यह फ्लैट बनाकर पूरी तरह तैयार हैं।

गौरतलब है कि जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने यह मुद्दा उठाया था कि जो फ्लैट बन गए हैं। उनमें लाभुकों को प्रवेश दिया जाए। उन्होंने नगर विकास मंत्री से भी बात की थी। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने भी मंत्री से बात की थी। इसके बाद सरकार ने १९ जून को गृह प्रवेश का कार्यक्रम तय किया है।

पृष्ठ एक का शेषांश

स्विट्जरलैंड में अमेरिका---

अमेरिकी अधिकारियों ने संकेत दिया है कि दोनों पक्षों के लिए समझौते से पीछे हटने का विकल्प अभी भी खुला है और आगे की प्रगति इस बात पर निर्भर करेगी कि कौन-सा पक्ष किस क्रम में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर अब इन तकनीकी वार्ताओं पर है, क्योंकि इन्हीं के आधार पर अमेरिका और ईरान के बीच किसी स्थायी और व्यापक समझौते का भविष्य तय होगा।

पश्चिम बंगाल पुलिस--

की जिम्मेदारी भी सौंपी जाएगी। सरकार का मानना है कि राज्य में महिला पुलिस बल की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए यह पहल सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगी। प्रस्ताव के तहत एक बटालियन के लिए स्थान का चयन जमीन की उपलब्धता और परिचालन जरूरतों के आधार पर किया जाएगा, जबकि दूसरी बटालियन को बैरकपुर पुलिस ब्रिगेड क्षेत्र में विकसित करने की योजना है। सरकार का कहना है कि इन महिला बटालियनों के जरिए सुरक्षा तंत्र में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को नई पहचान मिलेगी।

वकीलों पर भड़के सीजेआई---

भी यह सवाल उठा देगा कि जज काम नहीं कर रहे हैं और आंशिक कार्यदिवसों का भी आनंद ले रहे हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? सीजेआई के इन शब्दों ने अदालत कक्ष में एक गहन चुप्पी ला दी और न्यायपालिका के कामकाज के प्रति उनकी गंभीर प्रतिबद्धता को उजागर किया। उनका यह बयान न केवल वकीलों के लिए एक सबक था, बल्कि यह न्यायपालिका के प्रति जनता के भरोसे और उम्मीदों को भी दर्शाता था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने जूनियर वकीलों की स्थगन की मांग को नामंजूर करते हुए स्पष्ट किया कि अदालत इस मामले की सुनवाई अगले ही दिन यानी गुरुवार को करेगी। यह निर्णय न्याय के त्वरित निष्पादन और लंबित मामलों के बोझ को कम करने की न्यायपालिका की इच्छा को दर्शाता है। सुनवाई के दौरान एक अन्य वकील ने भी अदालत के वेकेशन पर होने का हवाला देते हुए मामले को टालने की मांग की।

कच्चे तेल की गिरावट---

उन्होंने बताया कि ऊंची ईंधन कीमतों के दौरान किसी भी राज्य सरकार ने अपने करों में कटौती करके राजस्व नहीं छोड़ा, जबकि केंद्र और तेल कंपनियों दोनों को अपना परिचालन जारी रखना है। राज्य मंत्री गोपी ने पुनः साफ किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें केवल अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के भाव पर निर्भर नहीं करतीं, बल्कि बाजार और परिवहन से जुड़े कई अन्य आंतरिक और बाहरी कारकों को भी ध्यान में रखा जाता है। गौरतलब है कि गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जहां ब्रेंट क्रूड करीब १.६४ प्रतिशत गिरकर ७८ डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा था, और अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी करीब २ प्रतिशत घटकर ७५ डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। कच्चे तेल की इन कीमतों में गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में हुई कूटनीतिक प्रगति के बाद देखी गई है, जिससे निवेशकों को उम्मीद है कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

आस्था, लोककथाओं और--

के अनुसार, प्राचीन काल में एक गड़रिया इस क्षेत्र में अपनी बकरियां चराने आया था। उसी दौरान पहाड़ी में अचानक हलचल हुई और देवी का स्वरूप प्रकट होने लगा। यह दृश्य देखकर वह भयभीत हो गया और उसने जोर-जोर से आवाज लगानी शुरू कर दी। कहा जाता है कि उसी समय मां मनसा का स्वरूप प्रकट हो रहा था, लेकिन गड़रिये के शोर के कारण देवी का स्वरूप केवल घुटनों तक ही प्रकट हो सका और उसी स्थान पर स्थापित हो गया। यह कथा आज भी स्थानीय लोगों के बीच श्रद्धा के साथ सुनाई जाती है और सदियों से यह मान्यता लोगों की आस्था का आधार बनी हुई है, जिसके कारण मंदिर का धार्मिक महत्व लगातार बढ़ता गया है। मनसा धाम में वर्षभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन शारदीय नवरात्र के दौरान यहां विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं। इस अवधि में मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो जाता है। आश्विन शुक्ल अष्टमी के अवसर पर यहां विशाल धार्मिक मेला आयोजित किया जाता है, जिसमें राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों सहित पड़ोसी राज्यों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। नवविवाहित दंपतियों के लिए यह स्थल विशेष महत्व रखता है। विवाह के बाद अनेक परिवार यहां पहुंचकर मां मनसा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इसके अलावा, बच्चों के जन्म, नई शुरुआत और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना लेकर भी लोग यहां दर्शन करने आते हैं। समाज में बढ़ती जागरूकता के साथ मनसा धाम की कई परंपराओं में भी परिवर्तन देखने को मिला है।

भारतीय नौसेना को इसी---

की दिशा में एक बड़ा एवं निर्णायक कदम मानी जा रही है। इनके शामिल होने से नौसेना की समुद्री युद्ध क्षमता, पनडुब्बी रोधी ताकत और समुद्री डेटा संग्रह प्रणाली को उल्लेखनीय मजबूती मिलेगी, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति और अधिक सशक्त होगी। यह भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति और रक्षा आत्मनिर्भरता का स्पष्ट प्रमाण है।

रांची-हजारीबाग रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी! जल्द मिल सकती है नई पैसेंजर ट्रेन की सौगात

रांची (एजेंसी): रांची से बरकाकाना होते हुए हजारीबाग आने-जाने वाले रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। इस रूट पर एक नई पैसेंजर ट्रेन चलाने की तैयारी चल रही है। यह ट्रेन हटिया से खुलकर रांची, नामकुम, टाटीसिल्वे, मेसरा, बारीडीह, हेहल, सिधवार और सांकी होते हुए बरकाकाना और हजारीबाग तक जाएगी। इस खबर के सामने आने के बाद से ही स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। काफी समय से इस इलाके के लोग इस रेल रूट पर लोकल पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग कर रहे थे। अब जब इस दिशा में काम आगे बढ़ता दिख रहा है, तो लोगों को उम्मीद जागी है कि उनका सालों पुराना इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस ट्रेन के शुरू होने से करीब ५० हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी आसान हो जाएगी। फिलहाल इस इलाके के लोगों को रांची या हजारीबाग आने-जाने के लिए बसों और प्राइवेट गाड़ियों का सहारा लेना पड़ता है। इसमें समय तो ज्यादा लगता ही है, साथ ही जेब पर भी भारी असर पड़ता है। ट्रेन चलने से लोगों को सस्ता, सुरक्षित और आरामदायक सफर का विकल्प मिल जाएगा।

कॉलेज के छात्रों को सबसे बड़ी राहत

इस ट्रेन सेवा का सबसे ज्यादा फायदा पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को होगा। बरकाकाना, सिधवार, सांकी, हेहल और मेसरा जैसे ग्रामीण इलाकों से रोजाना सैकड़ों छात्र बड़ी परीक्षाओं की तैयारी और कॉलेज की पढ़ाई के लिए रांची जाते हैं। अभी उन्हें बस या ऑटो के चक्कर काटने पड़ते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई और पैसे दोनों का नुकसान होता है। ट्रेन शुरू होने से वे बेहद कम खर्च में और सही समय पर अपने कॉलेज या कोचिंग पहुंच सकेंगे।

कारोबार और रोजगार की रफ्तार होगी तेज

रामगढ़ निवासी एवं व्यवसायी अनिल कुमार कहते हैं कि यह ट्रेन सिर्फ यात्रियों को ही नहीं, बल्कि स्थानीय व्यापार को भी नई ताकत देगी। रोज कमाने-खाने वाले और छोटे दुकानदारों के लिए रांची आना-जाना बहुत सस्ता हो जाएगा। वे कम लागत में अपना सामान ला और ले जा सकेंगे। वहीं, नौकरी की तलाश में शहर जाने वाले युवाओं के लिए भी यह सफर आसान बनाएगी, जिससे इलाके में रोजगार के नए मौके खुलेंगे।

जबकि आशा देवी बताती हैं कि यह ट्रेन छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और छोटे व्यापारियों के लिए किसी वरदान जैसी होगी। इससे समय और पैसा दोनों बचेगा। हालांकि, रेलवे की तरफ से अभी तक ट्रेन शुरू होने की किसी पक्की तारीख का ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन जिस तरह से इस रूट को लेकर सुगबुगाहट तेज हुई है, लोगों को पूरा भरोसा है कि जल्द ही उन्हें हटिया-बरकाकाना-हजारीबाग पैसेंजर ट्रेन की सौगात मिल जाएगी।

डिप्रेशन से छुटकारा दिला सकता है चीकू

आलू की तरह दिखने वाला फल चीकू सपोटा के नाम से भी जाना जाता है। चीकू में विटामिन-बी, विटामिन ई, पोटैशियम,फाइबर और मिनरल आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो शरीर को कई बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। चीकू खाने से त्वचा, दिमाग और पाचन अच्छा रहता है। चीकू खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है। चीकू का हर भाग स्वास्थ्य लाभों से भरा है इसके पत्ते, जड़ और छाल को औषधी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं चीकू खाने से व्यक्ति को मिलते हैं कौन से गजब के फायदे।

हड्डियां बनाए रखे मजबूत

चीकू में कैल्शियम, आयरन और फास्फोरस भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर की हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है। चीकू का रोजाना सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है। चीकू खाने से बुढ़ापे की वजह से होने वाली कमजोर हड्डियों को ठीक करने में भी मदद मिलती है।

एनर्जी

चीकू को एनर्जी का अच्छा सोर्स माना जाता है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को एनर्जी देने का काम करते हैं। जिन लोगों को एनर्जी की कमी महसूस होती है उनके लिए चीकू का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

वेट लॉस

चीकू शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होता और वेट लॉस में मिलती है। चीकू को दिन में किसी भी समय खाया जा सकता है। ये शरीर को तुरंत एनर्जी देने के साथ शरीर को मजबूत भी बनाता है।

डिप्रेशन में राहत

चीकू दिमाग को सेहतमंद बनाए रखने के साथ नींद न आने की समस्या को भी दूर करता है। चीकू का सेवन करने से गहरी और अच्छी नींद आती है। चीकू में मौजूद तत्व दिमाग में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं चीकू का सेवन डिप्रेशन को दूर करने के लिए भी किया जा सकता है।

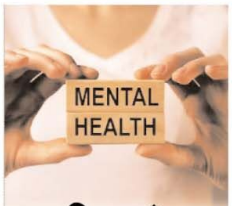

इन टिप्स से रखें मेंटल हेल्थ का ख्याल

आजकल तनाव न चाहते हुए भी हम सभी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। स्ट्रेस का बुरा असर, हमारी फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर होता है। अक्सर फिजिकल हेल्थ खराब होने पर जब इसके लक्षण नजर आते हैं, तो हम आसानी से इन्हें समझ लेते हैं और इसे ठीक करने की कोशिश में भी लग जाते हैं। लेकिन, मेंटल हेल्थ खराब होने पर इसके लक्षणों को हम या तो समझ नहीं पाते हैं या नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर महिलाएं अपनी मेंटल हेल्थ पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाती हैं। तनाव और चिंता की वजह से अगर आपके चेहरे की मुस्कुराहट भी कहीं खो गई है, तो आपको अपनी मेंटल हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है।

मेंटल हेल्थ का ख्याल रखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

- एक्सपर्ट का कहना है कि मेंटल हेल्थ को सही रखने के लिए, डाइट बहुत जरूरी है। डाइट में पोषक तत्वों की कमी भी मेंटल हेल्थ पर असर डाल सकती है।
- अगर आप अधिक तनाव में हैं और इसकी वजह से आपका किसी काम में मन नहीं लग रहा है या आप हर वक्त परेशान रहती हैं, तो किसी से इस बारे में खुलकर बात जरूर करें।
- ओवरथिंकिंग की वजह से भी मेंटल हेल्थ खराब होती है। इसलिए, किसी भी चीज या डर को लेकर, बहुत अधिक न सोचें वरना इसका असर आपकी सेहत पर हो सकता है।
- किसी बात को बार-बार सोचने से, स्ट्रेस और एंग्जायटी बढ़ने लगती है। इसकी वजह से सिरदर्द, शरीर में दर्द और घबराहट हो सकती है। इसलिए, ज्यादा न सोचें और मन को शांत रखने की कोशिश करें।
- एक्सरसाइज, मेडिटेशन और प्राणायाम भी मेंटल हेल्थ सुधारने में मदद कर सकता है। इसलिए, इसे रूटीन का हिस्सा जरूर बनाएं।
- जब आपको स्ट्रेस या एंग्जायटी महसूस हो, तो गहरी सांस लें और कुछ देर के लिए सारी चीजों पर से ध्यान हटाने की कोशिश करें।
- दिन में कुछ समय उन चीजों को जरूर दें, जो आपको खुशी देती हों।

पैरों के तलवे में होती है जलन इन टिप्स से मिलेगा आराम

क्या आपको भी पैरों के तलवे में जलन होती है, जलन के मारे काम करना भी मुश्किल हो जाता है तो हम आपको कुछ आजमाए हुए टिप्स बता रहे हैं जिससे आपको काफी आराम मिल सकता है। अक्सर लोगों को पैरों के तलवे में जलन की शिकायत होती है। यह एक असहज और परेशान करने वाली समस्या होती है, कई बार जलन के कारण नींद भी नहीं आती है और काम भी प्रभावित होता है। अगर आप भी इस स्थिति का सामना करते हैं तो हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं जिससे आपको तलवे में जलन से राहत मिल सकती है।

पैरों के तलवे में जलन क्यों होती है?

- पैरों की अत्यधिक गर्मी के कारण ऐसा हो सकता है। अगर आप लंबे वक्त तक जूते पहने रह सकते है तो इसके कारण तलवे में जलन हो सकती है।
- खराब रक्त प्रवाह के कारण भी पैरों के तलवे में जलन हो सकती है।
- शरीर में आयरन और विटामिन B12 की कमी के कारण भी यह समस्या हो सकती है।

पैरों के तलवे की जलन दूर करने के उपाय

- तलवे में अगर बहुत ज्यादा जलन होती है तो आप ठंडा पानी में 20 मिनट तक पैरों को डूबा कर रख सकते हैं। आप चाहे तो इसमें कुछ बर्फ के टुकड़े डाल सकते हैं, इससे काफी आराम महसूस होगा।
- इसके अलावा आप तलवे में हो रही जलन को दूर करने के लिए तलवों की मालिश कर सकते हैं, मालिश करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और जलन में आराम मिलता है।
- अपने आहार में आयरन विटामिन B12 जैसे पोषक तत्व शामिल करें, इससे शरीर में खून बढ़ता है और रक्त प्रवाह को बनाए रखने में मदद मिलती है।
- तलवे के जलन को कम करने के लिए आप मेहंदी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। रात के समय पैरों में मेहंदी लगा लें और सुबह उठकर धो लें इससे तलवे में ठंडक मिलती है।
- इसके अलावा आप पैरों में एलोवेरा और चंदन का लेप लगा सकते हैं। इन दोनों ही चीजों की तासीर ठंडी होती है। इसका पेस्ट बना ले और तलवे पर भी 20 मिनट तक लगा कर रखें, फिर साफ पानी से धो लें।
- अगर इन उपायों को आजमाने के बाद भी आपको राहत नहीं मिलती है तो आपको डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए।

देखने की क्षमता प्रभावित करता है प्रेसबायोबिया विकार

प्रेसबायोबिया आंखों से जुड़ी एक बीमारी जिसमें आंखों की करीब वस्तुओं पर फोकस करने की क्षमता कम हो जाती है।

प्रेसबायोपिया आंखों से संबंधित एक विकार है। इस शब्द को ग्रीक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है बूढ़ी आंख, यह एक ऐसी स्थिति होती है जब आपकी धीरे-धीरे चीजों को करीब से स्पष्ट रूप से देखने की क्षमता खो देती है। इस स्थिति में नजदीकी वस्तुओं पर तेजी से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। आमतौर पर यह 40 से 45 साल की उम्र में शुरू होती है और समय के साथ बिगड़ती जाती है। यह बाकी उम्र से संबंधित दृष्टि समस्याओं जैसे अंधापन, हाइपरोपिया मायोपिया से अलग है। यह एक प्राकृतिक परिवर्तन है जो लगभग सभी लोगों को प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने हेल्थ एक्सपर्ट से बाती है।

प्रेसबायोपिया के लक्षण

- छोटी लेखन सामग्री पढ़ने में कठिनाई होती है, खासकर अगर रोशनी बहुत कम है।
- जब आपको यह बीमारी होती है तो आप अपने स्मार्टफोन या किसी भी किताब, मेनू , लेबल को अधिक स्पष्ट रूप से देखने के लिए अपनी आंखों से दूर रखते हैं।
- कोई नजदीकी काम करते हैं या कुछ नजदीक रखकर पढ़ते हैं तो इसे सिर में दर्द और आंखों में तनाव होना।

प्रेसबायोपिया के कारण

- आंखों की उम्र बढ़ाने की प्रक्रिया प्रेसबायोपिया की ओर ले जाती है।
- समय के साथ आंखों का आंतरिक लेंस लचीला नहीं रहता है, जिससे नजदीकी वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है।
- उम्र के साथ लेंस को नियंत्रित करने वाली मांसपेशियां कमजोर हो जाती है।
- यह अनुवांशिक भी हो सकती है। अगर आपके घर में माता-पिता या दादा- दादी कोप्रेसबायोपिया था तो आपको भी यह स्थिति होने की संभावना ज्यादा रहती है।
- डायबिटीज,उच्च रक्तचाप और दिल की बीमारी सहित कई स्वास्थ्य स्थितियों में भीप्रेसबायोपिया हो सकता है।
- आंखों की चोट के कारण भी लेंस को नियंत्रित करने वाले मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है,इससे भी प्रेसबायोपिया हो सकता है।

डाइट से एडेड शुगर हटाना फायदेमंद!

चीनी...यह एक ऐसा शब्द है जिसे सुनते ही मुंह में मिठास घुलने लगती है। चीनी जिस तरह से हर मिठाई, हलवे और खीर का स्वाद बढ़ाती है, उसी तरह से बीमारियों का खतरा भी बढ़ाती है। वजन बढ़ने से लेकर डायबिटीज तक, चीनी शरीर के लिए कई तरह से नुकसानदायक मानी जाती है। ऐसे में कई लोगों ने चीनी को अपनी डाइट से पूरी तरह से हटा दिया है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो चीनी को अपनी थाली से बिल्कुल नहीं निकाल पा रहे हैं और भरपूर मीठा खा रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक दिन में कितना चीनी यानी शुगर का सेवन करना आपके लिए सेफ है।

अति किसी भी चीज की बुरी होती है, यह बात चीनी के सेवन के मामले में भी लागू होती है। डॉक्टर्स से लेकर हेल्थ एक्सपर्ट भी इस बात को मानते हैं कि व्हाइट शुगर सेहत के लिए कई तरह से हानिकारक होती है। अब इस बात पर इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने भी मुहर लगा दी है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशियन ने कुछ समय पहले भारतीयों की डाइट को लेकर 17 गाइडलाइन्स की एक ज्वाइंट रिपोर्ट जारी की थी। जिसमें से एक गाइडलाइन में भारतीयों को एक दिन में कितनी शुगर लेनी चाहिए, इसका जिक्र किया गया है।

एक दिन में कितनी चीनी का सेवन करना चाहिए?

अगर एक सामान्य एडल्ट प्रति दिन 2000 कैलोरी लेता है और इसका 5 परसेंट यानी 25 ग्राम शुगर इन्टेक करता है तो वह हाई शुगर कहलाता है। अगर इसे सामान्य भाषा में समझें 20-25 ग्राम शुगर का एक दिन में सेवन किया जा सकता है।

संभव रहे तो चीनी को अपनी डाइट से पूरी तरह से हटा देना चाहिए। क्योंकि इसमें कैलोरी के अलावा किसी भी तरह के न्यूट्रिशियन शामिल नहीं होते हैं। कैलोरी शरीर के लिए तभी फायदेमंद होती है जब विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर के साथ ली जाए।

रिपोर्ट के मुताबिक, एडेड शुगर को अपनी डाइट से पूरी तरह से हटा देना फायदेमंद होता है। एडेड शुगर में चीनी, गुड़, ग्लूकोज, फरूक्टोज, डेक्सट्रोज, शुगर सिरप आदि चीजें आती हैं। किसी भी चीज में शुगर को मिलाकर खाना सेहत के लिए किसी भी तरह से बेहतर नहीं होता है क्योंकि इससे शरीर में सिर्फ कैलोरी बढ़ती है। चीनी के बहुत सारे नुकसान होते हैं।

क्या नेचुरल शुगर है सेफ?

रिपोर्ट में फलों और दूध में पाई जाने वाली शुगर को नेचुरल बताया है। फलों और खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से मौजूद रहने वाली शुगर को एक्सपर्ट भी सेफ मानते हैं. लेकिन सभी फलों और खाने की चीजों में मौजूद शुगर आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं होती है। मेडिकल बॉडी ने अपनी रिपोर्ट में गन्ने के जूस को सेहत के लिए हानिकारक माना है। गन्ने के जूस में शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और यह आपको बीमार कर सकती है। 100 द्रव्य के गन्ने के जूस में 15 ग्राम शुगर होती है, ऐसे में इसका अधिक सेवन आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। शरीर में अत्यधिक शुगर से कई बीमारियों को न्योता मिल सकता है।

रिपोर्ट में सॉफ्ट ड्रिंक्स के सेवन पर भी ऐतराज जताया गया है. मेडिकल बॉडी का मानना है कि सॉफ्ट ड्रिंक्स में सिर्फ हाई शुगर कंटेंट होता और न्यूट्रिशियनल वेल्यू ना के बराबर होती हैं। ज्यादा सॉफ्ट ड्रिंक्स के सेवन से मोटापा, टाइप 2 डायबिटीज, दांतों की समस्या और दिल की बीमारी भी हो सकती है। साथ ही सॉफ्ट ड्रिंक्स पानी और फ्रेश फ्रूट्स की जगह नहीं ले सकते हैं, ऐसे में उन्हें जितना हो सके इनका सेवन करने से बचना चाहिए। सॉफ्ट ड्रिंक्स की जगह छाछ, नींबू पानी, बिना चीनी वाले फरूट जूस और नारियल पानी के सेवन की सलाह दी गई है। जूस से ज्यादा फलों के सेवन पर भी जोर दिया है। रिपोर्ट में ऐसा कहा गया है कि फरूट फाइबर और न्यूट्रियंट वेल्यू की वजह से ज्यादा सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

गाइडलाइन्स में भारतीयों की हेल्दी डाइट पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट में हरी सब्जियों के अत्याधिक सेवन की बात की गई है और डाइट से प्रोसेस्ड फूड, पैक्ड जूस, सॉफ्ट ड्रिंक को हटाने की सलाह दी गई है। साथ ही चाय और कॉफी के सेवन को भी कम करने की बात की गई है, क्योंकि इसमें कैफीन होता है जो सेहत के लिए हानिकारक साबित साबित हो सकता है।

जंगल के हँसमुख जांबाज़

संकट में अक्ल और साहस

आज हम मधुबन के घने जंगल की एक ऐसी ही मार्मिक और शिक्षाप्रद कहानी लेकर आए हैं। यह कहानी है 'मंगू' नाम के एक हँसमुख बंदर और 'भैरों' नाम के एक शक्तिशाली लेकिन गुस्सैल जंगली सूअर की। आइए पढ़ते हैं कि कैसे मुसीबत के समय एक सच्ची जांबाजी ने पूरे जंगल का दिल जीत लिया।

मधुबन जंगल में असाढ़ (मानसून) का महीना अपनी पूरी रफ़्तार पर था। नदियां पानी से लबालब भरी थीं। उसी जंगल के एक पुराने पीपल के पेड़ पर 'मंगू' बंदर रहता था। मंगू बहुत ही मस्तमौला, हँसमुख और चंचल था। वह दिन भर पेड़ की डालियों पर झूलता, मीठे फल खाता और जंगल के छोटे बच्चों (खरगोशों और हिरन के छौनों) को अजीब-अजीब शक्लें बनाकर हँसाता रहता।

उसी पेड़ के नीचे एक बहुत ही ताक़तवर और गुस्सैल जंगली सूअर रहता था, जिसका नाम 'भैरों' था। भैरों को मंगू की यह हँसी-ठिठोली बिल्कुल पसंद नहीं थी। वह अक्सर मंगू पर गुर्राता, 'अरे ओ उछल-कूद करने वाले! तू हर वक्त दाँत क्यों चियारता (हँसता) रहता है? जीवन कोई खेल नहीं है। जांबाज वह है जिसके पास ताकत हो, जैसे मेरे पास है। तू तो सिर्फ़ एक जोकर है!'

मंगू कभी भैरों की बातों का बुरा नहीं मानता। वह मुस्कुराकर कहता, 'भैरों दादा! ताक़त शरीर में नहीं, मन में होती है। और जो मन खुश रहता है, वही सबसे बड़ी ताक़त है।'

नदी का उफ़ान और मौत का साया

एक दिन जंगल में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। देखते ही देखते पास की नदी में भयंकर उफ़ान आ गया। पानी इतनी तेजी से बढ़ा कि जंगल के बीचों-बीच बना एक छोटा सा टापू चारों तरफ से तेज धार से घिर गया।

उस टापू पर जंगल के कुछ छोटे बच्चे (दो खरगोश और एक हिरन का बच्चा) घास चरने गए थे। अब वे वहां फँस चुके थे। पानी तेज़ी से टापू को डुबो रहा था और बच्चे डर के मारे जोर-जोर से रो रहे थे। उनकी आवाज सुनकर पूरा जंगल नदी के किनारे इकट्ठा हो गया।

भैरों सूअर ने अपनी ताक़त दिखाते हुए पानी में छलांग लगा दी। उसने सोचा कि वह अपनी ताक़त से पानी चीरता हुआ जाएगा और बच्चों को ले आएगा। लेकिन नदी की धार इतनी तेज थी कि ताक़तवर भैरों भी दो गोते खाने के बाद वापस किनारे पर आ गिरा। उसकी ताक़त ने जवाब दे दिया था। चारों तरफ हाहाकार मच गया।

तभी मंगू बंदर पीपल के पेड़ से नीचे कूदा। उसने देखा कि बच्चे डर से कांप रहे हैं। मंगू ने बिना घबराए नदी के किनारे उगी एक बहुत लंबी और मजबूत बेल को अपने दांतों से काटा। उसने बेल का एक सिरा भैरों सूअर के मजबूत दांतों में फँसाया और कहा, 'दादा, बस अपनी पूरी ताक़त से इसे पकड़े रहना, छोड़ना मत!'

फिर मंगू ने बेल का दूसरा सिरा अपनी कमर में बांधा और पेड़ों की ऊंची डालियों से छलांग लगाता हुआ, नदी के ठीक ऊपर लटकती हुई एक पतली डाल के सहारे टापू तक पहुँच गया।

टापू पर पहुँचकर भी मंगू बिल्कुल नहीं घबराया। बच्चों को शांत करने के लिए उसने अपना मुँह फुलाकर एक मजाकिया शक्ल बनाई और हँसते हुए बोला, 'अरे छोटे उस्तादों! रोना बंद करो, देखो मैं तुम्हारे लिए 'जंगल एक्सप्रेस' झूला लाया हूँ!' मंगू की बात सुनकर बच्चों का डर थोड़ा कम हुआ।

मंगू ने एक-एक करके खरगोशों और हिरन के बच्चे को अपनी पीठ पर बांधा और उस तनी हुई बेल (जिसे भैरों ने किनारे से पकड़ रखा था) के सहारे लटकते हुए उन्हें सुरक्षित किनारे पर ले आया।

जब सारे बच्चे सुरक्षित आ गए, तो पूरा जंगल मंगू की जय-जयकार करने लगा। भैरों सूअर की आँखों में आज मंगू के लिए सम्मान था। उसने सिर झुकाकर कहा, 'मंगू, मुझे माफ़ कर दो। आज तुमने सिखा दिया कि असली जांबाज वह नहीं जो ताक़त का घमंड करे, बल्कि वह है जो मुसीबत में भी हँसमुख रहे और अक्ल से काम ले।'

होममेड मेलोडी टॉफी

घर पर बनी मिठाइयों का स्वाद हमेशा खास होता है, खासकर जब बात बच्चों और चॉकलेट लवर्स की हो। अगर आप बाजार जैसी सॉफ्ट और टेस्टी टॉफी घर पर आसानी से बनाना चाहते हैं, तो होममेड मेलोडी टॉफी एक परफेक्ट रेसिपी है। सिर्फ दो चीजों से बनने वाली यह टॉफी स्वाद में बेहद लाजवाब होती है और बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आती है। खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता और आप इसे किसी खास मौके या स्नैक के तौर पर भी तैयार कर सकते हैं।

डार्क चॉकलेट - 200 ग्राम
कंडेंस्ड मिल्क - 100 ग्राम

बनाने की विधि

1. एक बर्तन में पानी उबालें और उसके ऊपर एक बाउल रखें। इसमें 200 ग्राम डार्क चॉकलेट डालकर लगातार चलाते हुए पूरी तरह पिघला लें।
2. अब गैस बंद करें और इसमें 100 ग्राम कंडेंस्ड मिल्क डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को तब तक मिलाएं जब तक यह आटे जैसी कंसिस्टेंसी का न हो जाए।
3. मिश्रण के छोटे-छोटे हिस्से लें और उन्हें टॉफी का आकार दें। फिर हर टॉफी को रैपर में लपेट लें।
4. आपकी होममेड मेलोडी टॉफी तैयार है। इसे तुरंत सर्व करें या एयरटाइट जार में स्टोर करें।

वायरल मैगी भेल

अगर आप भी रोज-रोज एक ही तरह के स्नैक्स खाकर बोर हो गए हैं, तो ये वायरल मैगी भेल आपके लिए परफेक्ट रेसिपी है। मैगी, कुरकुरे और चटपटे मसालों से बनी ये क्रंची भेल स्वाद में बेहद मजेदार लगती है। खास बात ये है कि इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। शाम की भूख हो या दोस्तों के साथ कुछ टेस्टी खाने का मन, ये आसान और झटपट बनने वाली रेसिपी हर किसी को पसंद आएगी।

मैगी - 140 ग्राम
शेजवान सॉस - 2 बड़े चम्मच
सोया सॉस - 1 छोटा चम्मच
केचप - 2 बड़े चम्मच
सिरका - 1 छोटा चम्मच
मैगी मसाला - 2 बड़े चम्मच
चाट मसाला - 1 छोटा चम्मच
कुरकुरे - 50 ग्राम
लेज - 30 ग्राम
प्याज - 100 ग्राम
टमाटर - 80 ग्राम
खीरा - 80 ग्राम
हरी मिर्च - 1 बड़ा चम्मच
हरा धनिया - 1 बड़ा चम्मच
नींबू का रस - 1 बड़ा चम्मच

बनाने की विधि

1. सबसे पहले 140 ग्राम मैगी को बिना तेल के 3-4 मिनट तक ड्राई रोस्ट करें।
2. अब गैस बंद करें और मैगी को फूड प्रोसेसर या मिक्सर में डालकर दरदरा पीस लें।
3. एक बाउल में 2 बड़े चम्मच शेजवान सॉस, 1 छोटा चम्मच सोया सॉस, 2 बड़े चम्मच केचप, 1 छोटा चम्मच सिरका, 2 बड़े चम्मच मैगी मसाला और 1 छोटा चम्मच चाट मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें।
4. दूसरे बाउल में 50 ग्राम कुरकुरे और 30 ग्राम लेज डालकर क्रश कर लें।
5. अब इसमें रोस्ट की हुई मैगी, 100 ग्राम प्याज, 80 ग्राम टमाटर, 80 ग्राम खीरा, 1 बड़ा चम्मच हरी मिर्च, तैयार सॉस मिश्रण, 1 बड़ा चम्मच हरा धनिया और 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस डालें।
6. सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें।
7. तैयार है आपकी टेस्टी और क्रंची वायरल मैगी भेल। सर्व करें और मजे से खाएं।

दांतों में दर्द हो तो करें ये उपाय

दांतों में दर्द होना आजकल की आम समस्या है। पहले तो सिर्फ बड़े लोगों में ही यह समस्या देखने को मिलती थी लेकिन आजकल छोटे बच्चों और कम उम्र के लोगों के दांतों में भी दर्द होने लगता है। इसका कारण अधिक मीठा खाना, दांतों की साफ-सफाई न रखना और शरीर में कैल्शियम की कमी है। दांतों में दर्द होने पर काफी परेशानी होती है और लोग डेंटिस्ट के पास भागते हैं लेकिन कुछ घरेलू उपाय करके भी दांत दर्द ठीक किया जा सकता है।

दांत दर्द होने पर बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़ों को किसी रूमाल में बांधकर सिंकाई करें। इससे दर्द करने वाले दांत के बाहरी हिस्से पर सेंक करें और तब तक करते रहें जब तक दांत दर्द में आराम न मिल जाए।

इसके लिए लौंग के एक टुकड़े को दांतों के बीच में रख लें और कुछ देर ऐसे ही रहने दें। इससे दर्द ठीक हो जाएगी। इसके अलावा उंगली की मदद से लौंग के तेल को भी दर्द कर रहे दांत पर लगा सकते हैं।

दांत दर्द होने पर नमक वाले पानी से कुल्ला भी कर सकते हैं। इसके लिए एक गिलास पानी को हल्का गुनगुना करें और उसमें एक चम्मच नमक डालकर घोलें। अब इस पानी से कम से कम 7-8 मिनट तक मुंह में रख कर घुमाएं।

इसके लिए पीनट बटर को उंगली में लेकर दर्द कर रहे दांत पर लगाएं और हल्की मसाज करें। इसे कुछ देर दांतों में लगा कर रखने से दर्द में आराम मिलता है।

प्याज में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण किसी भी तरह के दर्द से राहत दिलाता है। दांत दर्द होने पर कच्चे प्याज की एक स्लाइस काट कर उसे दांत से चबाएं। इससे जो रस निकलेगा उससे दांत दर्द दूर होगा।

सूखी खांसी में मलाई-इलायची से पाएं राहत

मौसम में बदलाव आते ही सूखी खांसी की समस्या बहुत आम हो जाती है। गले में खुजली, जलन और बार-बार खांसने से दिनचर्या भी प्रभावित होने लगती है। ऐसे में लोग तुरंत दवाइयों की ओर रुख करते हैं, लेकिन कई बार आसान घरेलू नुस्खे भी उतने ही असरदार साबित होते हैं। दादी-नानी के समय से चला आ रहा मलाई और इलायची का यह नुस्खा आज भी काफी लोकप्रिय है। यह ना केवल गले के सूखेपन को कम करता है, बल्कि अंदर से आराम भी देता है। मलाई गले को मुलायम बनाती है, जबकि इलायची अपने एंटी-बैक्टीरियल गुणों से राहत पहुंचाती है। सही तरीके से इसका सेवन करने पर सूखी खांसी में जल्दी आराम मिल सकता है।

मलाई के फायदे

मलाई में नेचुरल फैट होता है, जो गले के सूखापन को कम करता है। यह गले को कोटिंग देकर उसे मुलायम बनाती है। इससे खांसी के दौरान होने वाली जलन और दर्द में राहत मिलती है। खासकर सूखी खांसी में यह बहुत फायदेमंद माना जाता है।

इलायची क्यों है जरूरी?

इलायची में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। यह गले की इंफेक्शन को कम करने में मदद करती है। साथ ही इसकी खुशबू और स्वाद गले को ताजगी देते हैं और सांस को भी बेहतर बनाते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

इस नुस्खे को बनाने के लिए एक चम्मच ताजी मलाई लें और उसमें चुटकी भर इलायची पाउडर मिलाएं। इसे अच्छे से मिक्स करके धीरे-धीरे खाएं। बेहतर असर के लिए इसे रात में सोने से पहले लें, ताकि यह गले में लंबे समय तक असर करे।

कब और कितनी बार लें?

आप इसे दिन में 1-2 बार ले सकते हैं। खासकर रात में लेने से ज्यादा फायदा मिलता है क्योंकि उस समय गले को आराम करने का मौका मिलता है। लगातार 2-3 दिन इस्तेमाल करने से खांसी में आराम महसूस हो सकता है।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

अगर आपको दूध या डेयरी प्रोडक्ट से एलर्जी है, तो इस नुस्खे को अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। छोटे बच्चों को देने से पहले भी सावधानी रखें।

क्यों अपनाएं घरेलू नुस्खे?

दादी-नानी के नुस्खे प्राकृतिक होते हैं और इनका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। ये आसानी से घर में उपलब्ध चीजों से बन जाते हैं और शरीर को बिना नुकसान पहुंचाए फायदा देते हैं।

जरूरी सलाह! अगर खांसी लंबे समय तक बनी रहती है या ज्यादा बढ़ जाती है, तो डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

शुगरफ्री मिठाई से कम रहता है डायबिटीज का खतरा

मिठाईयां और मीठे व्यंजन सभी को पसंद होते हैं पर इसके अधिक सेवन से उन्हें डायबिटीज जैसी बीमारी होने का खतरा भी बना रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे में लोगों को शुगर-फ्री मिठाई का सेवन करना चाहिये।

बेसन लड्डू : बेसन, घी और ढेर सारी चीनी से बना बेसन का लड्डू काफी लोगों को पसंद होता है, हालांकि आजकल इसका शुगर-फ्री विकल्प भी उपलब्ध है, जिसमें चीनी बिल्कुल नहीं होती और खाने में यह अच्छा होता है।

खजूर रोल : कैलोरी को लेकर सचेत रहने वाले लोगों के लिए खजूर अच्छा विकल्प है। आप बादाम के टुकड़ों के साथ खजूर रोल खा सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए भी बढ़िया है।

अंजीर बर्फी : अंजीर को दुनियाभर में काफी हेल्दीर माना जाता है। यह पाचन में सुधार कर मधुमेह को नियंत्रित करता है। इस फल को अंजीर की बर्फी के रूप में भी खाया जा सकता है, जिसमें रिफाइंड शुगर बिल्कुल नहीं होता है। यह मिठाई काजू, बादाम, पिस्ता, अंजीर, घी और शहद से बनाई जाती है, जो बच्चों और बड़ों दोनों के लिए स्वास्थ्यवर्धक है।

फिनी : फिनी एक पारंपरिक राजस्थानी मिठाई है. यह मुख्य रूप से राजस्थान के बीकानेर में मिलती है. इसे आटे, चीनी और शुद्ध घी से बनता है, लेकिन आजकल शहद से तैयार शुगर-फ्री फिनी भी मिलने लगी है, जिसका आप लुत्फ ले सकते हैं।

लौकी का हलवा : आप इसका सेवन भी कर सकते हैं. इसे सिर्फ एक छोटा चम्मच घी, लौकी, कम वसा वाले दूध, इलायची पाउडर और स्टेविया डालकर बनाया जाता है। खजूर नारियल रोल : यह रोल खजूर, बादाम और एक कप ग्रेट किए हुए नारियल से बनाया जाता है, जिसमें दो ग्राम फाइबर होता है।

खजूर व सेब खीर : यह शुगर फ्री खीर बनाने के लिए आपको बस एक मैश किया हुआ सेब, खजूर और एक छोटा चम्मच अखरोट की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन का रूस पर अब तक का सबसे बड़ा हमलाः मॉस्को के सभी एयरपोर्ट बंद

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से ज्यादा समय से जारी जंग के बीच गुरुवार को एक बहुत बड़ा मोड़ आ गया। यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। इस हमले के बाद सुरक्षा कारणों से मॉस्को के सभी बड़े एयरपोर्ट पर उड़ानों को पूरी तरह रोक दिया गया है। रूस की विमानन संस्था रोसावियात्स्य ने पुष्टि की है कि हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। रूसी अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने मास्को के आसमान में यूक्रेन के 180 ड्रोनों को मार गिराया है। इस महाहमले के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बड़ा एलान किया है। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेनी सेना ने इसी हफ्ते दूसरी बार मॉस्को की एक बहुत बड़ी तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने टेलीग्राम बयान जारी करते हुए कहा कि यह हमारे शहरों और कस्बों पर किए गए रूसी हमलों का एक बिल्कुल जायज जवाब है। हमारे सैनिकों ने रूस की उस सैन्य मशीनरी को चोट पहुंचाई है जो इस युद्ध को बढ़ावा देती है। इसके अलावा राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह भी साफ किया कि यूक्रेनी सेना केवल मास्को तक ही सीमित नहीं रही। उनके जवानों ने रूस के रोस्तोव इलाके और यूक्रेन के उन हिस्सों में भी कई ठिकानों को सफलतापूर्वक तबाह कर दिया है, जिन पर रूस ने अवैध कब्जा कर रखा है। इस हमले के बाद से पूरे रूस में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

साइबेरिया में दबा रेयर अर्थ मटेरियल खोदकर निकालेगा भारत, रूस ने की पेशकश

मास्को, एजेंसी। रूस ने भारत को साखा (याकुटिया) गणराज्य में स्थित टॉमटोर रेयर अर्थ मेटल्स डिपाजिट तक पहुंच का प्रस्ताव दिया है। भारत की सरकारी कंपनी इंडियन रेयर अर्थस लिमिटेड (आईआरईएल) इस डिपाजिट के सैंपल (नमूने) हासिल करने और उनके विश्लेषण के लिए रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ गोपनीय बातचीत कर रही है। द मास्को टाइम्स ने रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि डिपाजिट से मिले मटीरियल की प्रोसेसिंग रूस में ही होगी। इसके बाद विस्तृत जांच के लिए भारत भेजा जाएगा, जहां भारतीय विशेषज्ञ सहयोग के बारे में फैसला लेने के लिए इसके मिनरल कंपोजिशन (खनिज संरचना) का आकलन करेंगे। टॉमटोर रेयर अर्थ मेटल्स डिपाजिट दुनिया में रेयर अर्थ एलिमेंट्स के सबसे बड़े अविकसित स्रोतों में से एक है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब भारत क्रिटिकल मिनिरल्स के लिए घरेलू सप्लाई चेन को मजबूत करने और चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। चीन का अभी ग्लोबल रेयर अर्थ इंडस्ट्री पर दबदबा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में टामटोर प्रोजेक्ट का कंट्रोल रोसनेफ्ट को सौंप दिया गया, क्योंकि मास्को ने अपने घरेलू अहम मिनरल सेक्टर को विकसित करने की कोशिशें तेज कर दी थीं। रूस के लिए, रणनीतिक सामानों के मामले में भारत के साथ सहयोग बढ़ाना संसाधन परियोजनाओं को विकसित करने और एक अहम व्यापारिक साझेदार के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने का एक जरिया है।

जी7 सम्मेलन के बाद पीएम मोदी पेरिस पहुंचे, वीवा टेक-2026 को करेंगे संबोधित

पेरिस, एजेंसी। जी-7 शिखर सम्मेलन में कई बैठकें पूरी करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पेरिस पहुंच गए हैं। इन बैठकों में प्रधानमंत्री ने शासन और नीति निर्माण के प्रमुख क्षेत्रों पर भारत के विचार रखे। पीएम मोदी फ्रांस के शहर एवियन-लेस-बैंस में जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे, जहां भारत को अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, एवियन में जी-7 शिखर सम्मेलन में एक उत्पादक बैठकें और बातचीत हुई। प्रमुख क्षेत्रों पर भारत के विचार और प्रयास रखने का अवसर मिला। उन्होंने आगे कहा, इस बात को भी सम्मेलन में रखने का अवसर मिला कि वैश्विक समृद्धि के संदर्भ में वैश्विक दक्षिण के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि वह अपनी फ्रांस यात्रा के अंतिम चरण में पेरिस में वीवा टेक 2026 और भारतीय प्रवासियों के साथ एक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

ब्रिटेन में पाकिस्तानी शख्स का कारनामाः सैंकड़ों छात्रों की जगह परीक्षा देकर कमाए करोड़ों रुपए

लंदन एजेंसी। ब्रिटेन के लिवरपूल में रहने वाले पाकिस्तानी मूल के 42 वर्षीय शाहिद अदनान को विश्वविद्यालयों में बड़े पैमाने पर शैक्षणिक धोखाधड़ी चलाने के मामले में तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उसे कंप्यूटर सिस्टम में अनधिकृत प्रवेश, फर्जी प्रतिनिधित्व के जरिए धोखाधड़ी और आपराधिक आय को छिपाने जैसे अपराधों का दोषी पाया। पुलिस जांच के अनुसार, अदनान छात्रों के ऑनलाइन अकाउंट में लॉग-इन कर उनके लिए असाइनमेंट तैयार करता था, कोर्सवर्क जमा करता था और कई मामलों में ऑनलाइन परीक्षाएं भी देता था। इस तरह उसने 100 से अधिक छात्रों को अवैध रूप से डिग्री हासिल करने में मदद की और करोड़ों रुपए कमाए।

कैसे खुला पूरा खेल?

इस घोटाले का खुलासा तब हुआ जबलिवरपूल जॉन मूर्स यूनिवर्सिटी के एक छात्र ने मूल्यांकन के लिए एक पेन ड्राइव जमा की। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर फॉरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. टॉम बेरी को उसमें बड़ी मात्रा में संवेदनशील डेटा मिला, जिसमें छात्रों के यूजरनेम, पासवर्ड, असाइनमेंट की जानकारी और वित्तीय रिकॉर्ड शामिल थे। मामला तुरंत पुलिस को सौंप दिया गया। इसके बाद विश्वविद्यालय और पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की। कई छात्रों के असाइनमेंट एक ही आईपी एड्रेस से जमा किए गए थे। जांचकर्ताओं ने उस आईपी एड्रेस को ट्रैक कर अदनान के घर तक पहुंच बनाई, जहां से उसके पूरे नेटवर्क के सबूत मिले। पुलिस के मुताबिक, अदनान ने स्टडी शार्प लिमिटेड नामक कंपनी बना रखी थी। इसी कंपनी के जरिए छात्रों से पैसे लिए जाते थे। जांच में यह भी सामने आया कि उसे विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों से नियमित भुगतान मिल रहा था। एक छात्र द्वारा उसे लगभग 14,000 तक दिए जाने की जानकारी भी सामने आई है। मर्सीसाइड पुलिस के डिटेक्टिव सार्जेंट एडम डैगनॉल ने कहा कि यदि ऐसी धोखाधड़ी को नहीं रोका जाए तो ऐसे लोग डिग्री लेकर उन पेशों में पहुंच सकते हैं जिनके लिए उनके पास वास्तविक कौशल या योग्यता नहीं है। इससे समाज और सार्वजनिक सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। अदालत द्वारा जेल की सजा सुनाए जाने के बाद अब अधिकारियों ने अदनान की संपत्तियों और अवैध कमाई को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। यह कार्रवाई ब्रिटेन के अर्जित धन वापस लिया जा सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि उनके कर्मचारियों की सतर्कता और स्थापित सुरक्षा प्रक्रियाओं की वजह से इस गंभीर धोखाधड़ी का पता चल सका। संस्थान ने दोहराया कि वह शैक्षणिक ईमानदारी से कोई समझौता नहीं करेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों की लगातार समीक्षा की जाएगी।

मां की जान बचाने के चक्कर में घोड़ा-बग्गी से कूदा भारतीय छात्र, अस्पताल में मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में स्थित मशहूर सेंट्रल पार्क से एक बेहद दुखद खबर आई है। यहां अपनी मां को बचाने की कोशिश में एक 18 साल के भारतीय छात्र की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब एक बग्घी का घोड़ा अचानक भड़क गया और तेजी से दौड़ने लगा, जिससे संतुलन बिगड़ गया। मृतक छात्र की पहचान 18 वर्षीय रोमांच महाजन के रूप में हुई है। रोमांच अपने परिवार के साथ पहली बार न्यूयॉर्क घूमने गया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बुधवार की है। बग्घी का ड्राइवर पर्यटकों (महाजन परिवार) की एक पारिवारिक तस्वीर खींचने के लिए अपनी सीट से उतरा। उसी पल घोड़ा किसी बात से डर गया और अचानक बेकाबू होकर भागने लगा। घोड़ा फुटपाथ और घास के मैदानों पर पागलों की तरह बग्घी को खींच रहा था। रोमांच के पिता दीपक महाजन ने बताया कि हम सब डर के मारे चिल्ला रहे थे। बग्घी के पलटने से ठीक पहले, रोमांच की मां प्रिया चलती बग्घी से नीचे गिर गईं। अपनी मां को गिरता देख रोमांच ने उन्हें बचाने के लिए तुरंत बग्घी से नीचे छलांग लगा दी। रोमांच के पिता ने कहा कि मेरे बेटा सिर्फ अपनी मां को बचाने के लिए नीचे कूद गया। नीचे कूदते ही रोमांच का सिर जमीन से बहुत तेजी से टकराया और वह बेहोश हो गया। उसे तुरंत न्यूयॉर्क-प्रेसबिटेरियन वील कॉर्नेल मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां बुधवार रात इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हादसे में रोमांच के माता-पिता और छोटे भाई को मामूली चोटें आई हैं। इस हादसे के बाद न्यूयॉर्क में घोड़ा-गाड़ियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग फिर से तेज हो गई है। ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन के उपाध्यक्ष अलेक्जेंडर केम्प ने कहा कि ड्राइवर का फोटो खींचने के लिए गाड़ी छोड़ना पूरी तरह गलत था। बग्घी के मालिक ने ड्राइवर को अनिश्चित काल के लिए सस्पेंड कर दिया है। घोड़ों से जुड़े आठ हादसे हो चुके हैं। शहर के अधिकारियों का कहना है कि इस दर्दनाक घटना के बाद अब पार्क में इन घोड़ा-गाड़ियों को हमेशा के लिए बंद करने का वक्त आ गया है।

शोक में डूबी फिल्म इंडस्ट्रीः 35 साल की उम्र में द रिंग से घर-घर हुई मशहूर एक्ट्रेस का निधन

लास एंजिल्स, एजेंसी। हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। मशहूर अभिनेत्री और वॉइस आर्टिस्टडेवी चेस का 35 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके अचानक निधन की खबर ने फैंस और मनोरंजन जगत को गहरे सदमे में डाल दिया है। सोशल मीडिया पर हजारों प्रशंसक उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनकी यादों को साझा कर रहे हैं। डेवी चेज अपनी हॉरर फिल्म द रिंग से घर-घर मशहूर हुईं। आज भी एक्ट्रेस को 'द रिंग' के नाम से ही जाना जाता है। एक्ट्रेस के निधन की खबर सुनकर उनके फैंस शोक्ड में है।

बचपन से ही टेलेंटड थी एक्ट्रेस

डेवी चेस उन कलाकारों में शामिल थीं जिन्होंने बहुत कम उम्र में मनोरंजन जगत में कदम रखा था। चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में उन्होंने अपनी पहचान बनाई और बाद में हॉलीवुड में एक जाना-पहचाना नाम बन गईं। उनकी सबसे चर्चित फिल्मों में हॉरर फिल्म द रिंग शामिल है, जिसमें उनके किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इसके अलावा उन्होंने एनिमेटेड फिल्म में मुख्य किरदार लिलो को अपनी आवाज देकर भी लोकप्रियता हासिल की थी।

एक्टिंग के साथ वॉइस आर्टिस्ट के रूप में भी बनाई पहचान

साल 2000 के दशक में डेवी चेस को हॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली युवा कलाकारों में गिना जाता था। वह सिर्फ अभिनय ही नहीं बल्कि अपनी दमदार आवाज के लिए भी मशहूर थीं। उनके कई प्रोजेक्ट्स आज भी दर्शकों के बीच याद किए जाते हैं। अपने सफल करियर के बावजूद डेवी चेस ने धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी निजी जिंदगी कुछ कानूनी विवादों और अन्य समस्याओं में उलझ गई थी। इसी दौरान उनका मनोरंजन जगत में काम भी कम होता चला गया। लंबे समय तक स्क्रीन से दूर रहने के बाद डेवी चेस ने साल 2016 में रिलीज हुई हॉरर फिल्म में काम किया था। यही फिल्म उनके करियर की आखिरी बड़ी फिल्म साबित हुई। इसके बाद वह किसी बड़े प्रोजेक्ट में नजर नहीं आईं। डेवी चेस के निधन की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर शोक संदेशों की बाढ़ आ गई।

ब्रिटेन में 100 साल पुराने भारतीय रेस्तरां पर बेदखली का खतरा, बचाने के लिए भारत से दखल की अपील

लंदन एजेंसी। दुनिया के सबसे पुराने भारतीय रेस्टोरेंट में से एक वीरस्वामी ने भारत सरकार से अपील की है कि वह लंदन में उसकी मशहूर जगह से उसे जबरन हटाए जाने के मामले में दखल

दे। इस जगह पर कभी महात्मा गांधी का स्वागत किया गया था। इस रेस्टोरेंट ने हाल ही में 100 साल पूरे किए हैं। अब महीने के आखिर में इसकी लीज को लेकर कानूनी लड़ाई होने वाली है। बिल्डिंग के मालिक क्राउन एस्टेट का कहना है कि बड़े पैमाने पर मरम्मत की जरूरत के कारण वे इस ऐतिहासिक रेस्टोरेंट की लीज को रिन्यू नहीं कर सकते। वीरस्वामी की मालिक कंपनी एमडब्ल्यू ईट के रंजीत मथरानी ने कहा, इतनी देर हो जाने के बाद भी, हम भारत सरकार से गुजारिश करेंगे कि वह भारतीय व्यंजन, जो ब्रिटेन में देश की साफ्ट पावर है, के लिए दखल देने पर विचार करे। मथरानी ने कहा, आखिरकार, वीरस्वामी भारत से बाहर गई पाक-कला की विशेषज्ञता का एक शानदार उदाहरण है।

पाकिस्तान फिर हुआ बेनकाबः गुरुद्वारे में सिख दंपति की हत्या पर आर.पी. सिंह का तीखा बयान

इस्लामाबाद, एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर. पी. सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक गुरुद्वारे के भीतर सिख सेवादार जगन्नाथ और उनकी पत्नी असमा वंती की हत्या की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं है, बल्कि पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार बनी हुई असुरक्षा, भय और उत्पीड़न की स्थिति को एक बार फिर उजागर करती है। उनके अनुसार, पूजा स्थल शांति और श्रद्धा का केंद्र होते हैं, लेकिन वहां हुई यह हिंसक घटना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान में सिख, हिंदू,

ईसाई और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले बार-बार सामने आते रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। तमाम आश्वासनों के बावजूद, वहां का तंत्र अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की प्रभावी रूप से रक्षा करने में असफल रहा है। आर. पी. सिंह ने इस घटना के दोषियों की तत्काल पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाने की मांग की और पाकिस्तान सरकार से इस मामले पर स्पष्ट जवाब देने तथा अल्पसंख्यक समुदायों और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की अपेक्षा जताई। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसे मामलों पर चुप नहीं रहना चाहिए, क्योंकि धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकार सार्वभौमिक मूल्य हैं और इनका पालन सभी देशों में समान रूप से होना चाहिए।अंत में उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएँ उन परिस्थितियों पर भी सवाल उठाती हैं जिनमें अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर लगातार बहस होती रही है।

वो लकजरी विला जिसे देखने दुनिया भर से आते हैं रईस, 32 कमरे और आलीशान पूल

बीजिंग, एजेंसी। खूबसूरत वादियों, शांत समंदर या किसी खूबसूरत आइलैंड (द्वीप) पर अपना एक आलीशान घर होना हर किसी का सपना होता है। जरा सोचिए, एक ऐसा घर जो चारों तरफ से नीले पानी और पहाड़ों से घिरा हो, जिसमें तैरने के लिए एक शानदार इनफिनिटी पूल हो और अंदर कदम रखते ही सात सितारा होटल जैसी लक्जरी का अहसास हो। चीन के सूझोउ शहर में स्थित एक ऐसा ही आलीशान महलनुमा घर इस समय पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह चीन का अब तक का सबसे महंगा घर है जिसकी भव्यता और कीमत सुनकर अच्छे-अच्छों के होश उड़ जाते हैं।

क्या है इस महल का नाम और कहां है स्थित?

इस आलीशान विला को ताओहुआयुआन नाम दिया गया है। चीनी भाषा में इसका मतलब होता है यूटोपिया यानी एक ऐसी आदर्श और शांत दुनिया जहां सिर्फ सुख और शांति हो। यह घर चीन की मशहूर दुशु झील के ठीक बीच में बने एक बेहद खूबसूरत प्राइवेट आइलैंड (निजी द्वीप) पर स्थित है। इस घर की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इसका असली मालिक कौन है यह आज तक कोई नहीं जानता। इस आलीशान प्रॉपर्टी का मालिकाना हक पूरी तरह से गुप्त (गुमनाम) रखा गया है जो इसे और ज्यादा रहस्यमयी बनाता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस घर को तैयार करने में दुनिया भर के बेहतरीन आर्किटेक्ट्स को लगाया गया था। यह प्रॉपर्टी करीब 72,400 वर्ग फुट के विशाल एरिया में फैली हुई है। इसे पूरी तरह से बनकर तैयार होने में 3 साल से भी ज्यादा का समय लगा था। इस घर के अंदर कुल 32 आलीशान बेडरूम और 32 हाई-टेक बाथरूम बनाए गए हैं। घर का नक्शा इस तरह तैयार किया गया है कि इसके हर एक कमरे में सूरज की प्राकृतिक रोशनी सीधी पहुंचती है। इस पूरे विला का डिजाइन यूनेस्को की विश्व धरोहरों से प्रेरित है। इसे फेंगशुई के सभी नियमों चीन के बाजार में इसकी कीमत 1 अरब युआन है। डॉलर में आंका जाए तो यह संपत्ति लगभग 150 मिलियन डॉलर की है। भारतीय मुद्रा के हिसाब से इस एक अकेले घर की कीमत करीब 1200 करोड़ रुपये बैठती है। खूबसूरत बगीचों, पारंपरिक चीनी नक्काशी और आधुनिक सुख-सुविधाओं से लैस इस द्वीप-महल को देखने और इसकी एक झलक पाने के लिए दुनिया भर से रईस और टूरिस्ट चीन पहुंचते हैं।

यूएन में महिला नेतृत्व का समर्थनः भारत बोला- आधी आबादी के लिए नीति पर सरकार का जोर, प्रशासन में 10 लाख+ महिलाएं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में महिला सशक्तिकरण और शांति स्थापना के क्षेत्र में अपनी बड़ी उपलब्धियों को गर्व से पेश किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने बताया कि भारत में स्थानीय शासन के स्तर पर 10 लाख से अधिक महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 'महिला आरक्षण अधिनियम 2023' के साथ अब यह व्यवस्था भारतीय संसद में भी लागू होगी। राजदूत पर्वतनेनी ने कहा कि भारत का अनुभव बताता है कि जब महिलाओं को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाया जाता है, तभी स्थायी परिणाम मिलते हैं। भारत में महिलाओं ने हमेशा ऊंचे पदों की जिम्मेदारी संभाली है। देश में महिला सरकार प्रमुख और संसद की अध्यक्ष रही हैं। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि वर्तमान में भारत की राष्ट्रपति भी एक महिला हैं। भारत सरकार 'महिला नेतृत्व वाले विकास' के मॉडल पर काम कर रही है। इसका उद्देश्य महिलाओं को देश की आर्थिक प्रगति की मुख्य ताकत बनाना है। भारत सरकार डिजिटल और वित्तीय समावेशन, सीधे लाभ हस्तांतरण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। भारतीय सशस्त्र बलों में भी महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। राजदूत ने कहा कि स्वतंत्र और मजबूत महिलाएं समाज को एकजुट रखती हैं। शांति अभियानों के क्षेत्र में भी भारत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। भारत पहला देश था जिसने लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के लिए पूरी तरह महिला पुलिस इकाई भेजी थी। इस कदम ने लाइबेरिया की हजारों महिलाओं को अपनी राष्ट्रीय पुलिस में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में 160 से अधिक भारतीय महिला शांति रक्षक दुनिया के विभिन्न देशों में तैनात हैं। दिल्ली में भारतीय सेना का केंद्र 2016 से दुनिया भर की महिला सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण दे रहा है। पिछले साल भारत ने 35 देशों की महिला शांति रक्षकों के लिए एक सम्मेलन भी आयोजित किया था। भारतीय महिला शांति रक्षकों के काम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार सम्मान मिला है।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने में एक अहम साझेदार बताया

एवियन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत को क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने में एक अहम साझेदार बताया। कहा कि भारत एक 'भरोसेमंद सहयोगी' है और पश्चिम एशिया के संकट से निपटने में 'बड़ी भूमिका' निभा रहा है। ट्रंप ने यह बात फ्रांस में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई उच्च स्तरीय बातचीत के बाद कही। इस बातचीत में समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और खाड़ी क्षेत्र की बदलती भू-राजनीतिक स्थिति जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

भारत की भूमिका पर ट्रंप ने क्या कहा?

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह पश्चिम एशिया में भारत की कोई भूमिका देखते हैं, तो ट्रंप ने कहा, हां, मैं देखता हूं। मुझे लगता है कि भारत हर चीज में बड़ी भूमिका निभाता है। जब तक वह (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) नेतृत्व कर रहे हैं, भारत बड़ी भूमिका निभाता रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच मजबूत संबंध और संस्थागत सहयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा

कि व्यापार वार्ता में काफी प्रगति हुई है। दोनों देश एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों के लिए ट्रंप की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने उम्मीद जताई कि खाड़ी क्षेत्र में शांति स्थायी होगी। उन्होंने कहा, मैं पश्चिम एशिया में शांति के लिए आपके प्रयासों और नेतृत्व की सराहना करता हूं।

प्रधानमंत्री ने खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता की अहमियत पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने खास तौर से समुद्री क्षेत्रों में काम करने वाले भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर चिंता जताई और कहा कि उनका कल्याण भारत की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा बेहद अहम है। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि क्षेत्र में संभावित शांति समझौते के तहत उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता मिलेगी। यह उच्च स्तरीय बातचीत रणनीतिक रूप से काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि यह दोनों नेताओं के बीच लगभग 16 महीनों बाद पहली आमने-सामने मुलाकात थी। यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब पश्चिम एशिया में तनाव, समुद्री सुरक्षा की चिंताएं और व्यापार वार्ताएं वैश्विक कूटनीति को प्रभावित कर रही हैं।

रोनाल्डो पर भारी पड़ रही है लियोनल से तुलना

फीके प्रदर्शन के बाद लगे 'मेसी-मेसी' के नारे

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। फीफा विश्वकप 2026 में पुर्तगाल और डीआर कांगो के बीच खेला गया मुकाबला कई वजहों से चर्चा में रहा। एक तरफ डीआर कांगो ने 52 साल बाद विश्वकप में वापसी करते हुए पुर्तगाल जैसी मजबूत टीम को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया, वहीं दूसरी तरफ क्रिस्टियानो रोनाल्डो का फीका प्रदर्शन भी सुर्खियों में रहा। मैच के बाद कुछ प्रशंसकों ने रोनाल्डो को चिढ़ाने के लिए 'मेसी-मेसी' के नारे लगाए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

रोनाल्डो गोल करने में रहे नाकाम

मुकाबले के समाप्त होने के बाद स्टेडियम में मौजूद डीआर कांगो के कुछ समर्थकों ने रोनाल्डो को देखकर मेसी-मेसी के नारे लगाने शुरू कर दिए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह साफ सुनाई देता है। हालांकि रोनाल्डो ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वह शांत भाव से मैदान से बाहर निकले और टनल की ओर बढ़ गए। यह घटना ऐसे समय हुई जब एक दिन पहले लियोनेल मेसी ने विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक लगाई थी, जबकि रोनाल्डो गोल करने में नाकाम रहे।

नहीं चला रोनाल्डो का जादू

विश्वकप का रिकॉर्ड छठा संस्करण खेल रहे रोनाल्डो के लिए यह मुकाबला निराशाजनक रहा। पूरे मैच में उनके पास सिर्फ 25 बार गेंद आई और वह एक भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा सके। पुर्तगाल को छठे मिनट में जोआओ नेवेस ने बढ़त दिला दी थी। पेड्रो नेटो के क्रॉस पर नेवेस ने शानदार हेडर लगाकर टीम को आगे कर दिया। हालांकि पहले हाफ के अतिरिक्त समय में योआने विस्सा ने आर्थर मासुआकु के क्रॉस पर हेडर से गोल दागकर डीआर कांगो को बराबरी दिला दी। यह विश्वकप इतिहास में डीआर कांगो का पहला गोल भी था।

डीआर कांगो ने रचा इतिहास

डीआर कांगो के लिए यह मुकाबला बेहद खास रहा। टीम 52 साल बाद विश्वकप में खेल रही थी। इससे पहले उसने 1974 में, जब देश का नाम जायरे था, विश्वकप में हिस्सा लिया था। तब टीम अपने तीनों मुकाबले हार गई थी और एक भी गोल नहीं कर सकी थी। ऐसे में पुर्तगाल जैसी मजबूत टीम के खिलाफ ड्रॉ और विश्वकप इतिहास का पहला गोल डीआर कांगो के लिए यादगार उपलब्धि बन गया।पुर्तगाल को मुकाबले में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन टीम अपने अवसरों का फायदा नहीं उठा सकी। ब्रूनो फर्नांडिस ने भी अंतिम मिनटों में एक अच्छा मौका गंवा दिया। अब अगले मुकाबलों में पुर्तगाल और रोनाल्डो दोनों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा।

इतिहास रचने से चूके रोनाल्डो

इस मुकाबले में रोनाल्डो के पास इतिहास रचने का मौका था। वह अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी के साथ छह विश्वकप खेलने वाले दुनिया के केवल दूसरे खिलाड़ी बने। अगर वह डीआर कांगो के खिलाफ गोल कर लेते तो छह अलग-अलग विश्वकप में गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन जाते। हालांकि 68वें और 73वें मिनट में उनके दोनों प्रयास निशाने से बाहर चले गए। दोनों मौकों पर रोनाल्डो निराश नजर आए। मेसी ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा कर लिखा, ' शुरुआत नहीं जो हम चाहते थे, लेकिन अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। आगे बढ़ो और अगले खेल पर ध्यान केंद्रित करो।'

दूसरे हाफ में इंग्लैंड का हमला, क्रोएशिया की वापसी पर फिरा पानी

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एल मुकाबले में इंग्लैंड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए क्रोएशिया को 4-2 से शिकस्त दी। डलास स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागे, जबकि जूड बेलिंघम और मार्कस रैशफोर्ड ने भी गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। दूसरी ओर, क्रोएशिया के लिए मार्टिन बातुरिना और पीटर मूसा ने गोल किए, लेकिन उनकी मेहनत टीम को हार से नहीं बचा सकी। इंग्लैंड ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और 12वें मिनट में कप्तान हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। शुरुआती बढ़त के बाद इंग्लैंड ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार क्रोएशियाई डिफेंस पर दबाव बनाया।

केन ने किया दूसरा गोल

पहले हाफ के 36वें मिनट में क्रोएशिया ने शानदार वापसी की। मार्टिन बातुरिना ने बेहतरीन गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, इंग्लैंड ने जल्द ही जवाब दिया और 42वें मिनट में हैरी केन ने अपना दूसरा गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। जब लग रहा था कि इंग्लैंड बढ़त के साथ ब्रेक में जाएगा, तभी अतिरिक्त समय में क्रोएशिया ने पलटवार किया। 45+5वें मिनट में पीटर मूसा ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ दोनों टीमें हाफ-टाइम तक पहुंचीं।

बेलिंघम ने दूसरे हाफ में बदला मैच का रुख

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही इंग्लैंड ने फिर आक्रमण तेज कर दिया। 47वें मिनट में जूड बेलिंघम ने शानदार गोल करते हुए इंग्लैंड को 3-2 की बढ़त दिला दी। इस गोल के बाद क्रोएशिया बराबरी की तलाश में जुटा रहा, लेकिन इंग्लैंड का डिफेंस मजबूती से डटा रहा। मैच के अंतिम चरण में क्रोएशिया ने वापसी की कोशिश की, लेकिन 85वें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने गोल दागकर इंग्लैंड की बढ़त 4-2 कर दी। इसके बाद क्रोएशिया वापसी नहीं कर सका और इंग्लैंड ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने ग्रुप-एल में महत्वपूर्ण तीन अंक हासिल किए, जबकि क्रोएशिया को टूर्नामेंट में झटका लगा।

फिर टीम इंडिया की जर्सी पहन गर्व महसूस हो रहा: किशन

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में तूफानी शतक जड़कर भारत की सीरीज जीत के हीरो बने विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने टीम इंडिया में वापसी को अपने लिए बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद फिर से भारतीय टीम की जर्सी पहनना गर्व की बात है और अब उनका लक्ष्य भारत को ज्यादा से ज्यादा मैच जिताना है। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में भारत ने अफगानिस्तान को 170 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। इस जीत में कप्तान शुभमन गिल (154) और ईशान किशन (125) ने शानदार पारियां खेलीं। बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान किशन ने महज 79 गेंदों में 125 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने 14 चौके और 7 छक्के लगाए। रोहित शर्मा (48) के आउट होने के बाद ईशान और शुभमन गिल ने तीसरे विकेट के लिए 224 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर अफगानिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने 402 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

79 गेंदों में खेली 125 रनों की तूफानी पारी

मैं शानदार टीम का हिस्सा हूं

मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में ईशान ने कहा, 'मैं इस समय बेहद गर्व महसूस कर रहा हूं क्योंकि लंबे समय बाद फिर से टीम इंडिया की जर्सी पहनने का मौका मिला है। व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैं इतनी शानदार टीम का हिस्सा हूं। यहां अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। मेरा लक्ष्य सिर्फ भारत को ज्यादा से ज्यादा मैच जिताना है।'

हर मौके पर टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं

ईशान ने कहा कि एक खिलाड़ी के रूप में सीखने और बेहतर बनने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती। 'एक खिलाड़ी के तौर पर सफर लगातार चलता रहता है। जब भी मुझे मौका मिलेगा, मैं अपने साथियों का पूरा साथ दूंगा और हर बार टीम इंडिया के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।' ईशान किशन का यह शतक वनडे टीम में उनकी दमदार वापसी का बड़ा संकेत माना जा रहा है। अब सभी की नजरें सीरीज के तीसरे और अंतिम मुकाबले पर रहेंगी।

शानदार प्रदर्शन

मुक्केबाज मीनाक्षी ने पोलैंड की बॉक्सर को 5-0 से हराया

नई दिल्ली। चीन के गुइयांग में आयोजित बॉक्सिंग वर्ल्ड कप (स्टेज-2) में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारत की स्टार बॉक्सर मीनाक्षी ने दमदार जीत दर्ज करते हुए महिलाओं की 51 किलोग्राम भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।48 किलोग्राम वर्ग की मौजूदा विश्व चैंपियन और पूर्व विश्व नंबर-1 मीनाक्षी ने ओलंपिक 51 किलोग्राम वर्ग में खेलते हुए पोलैंड की नतालिया कुचेव्स्का को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया।हालांकि पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में भारत के अविनाश जमवाल को किर्गिस्तान के मिर्ज़ोखिद इमामनाज़ारोव के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनका सफर समाप्त हो गया।अब तक भारत के पांच मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुके हैं।

फुटबाल विश्वकप

पहले सप्ताह में कई गुमनाम खिलाड़ियों ने प्रभाव छोड़ा

टोरंटो। वे लियोनेल मेस्सी जैसे नहीं हैं, वे काइलियान एमबाप्पे जैसे नहीं हैं। वे एर्लिंग हालैंड या हैरी केन जैसे भी नहीं हैं। विश्व कप में फुटबॉल के सबसे बड़े नाम ही सुर्खियां नहीं बटोर रहे हैं, कुछ ऐसे कुछ गुमनाम खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले सप्ताह में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। इन खिलाड़ियों में केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा भी शामिल हैं। स्पेन के खिलाफ पहले मैच में शानदार प्रदर्शन से उन्होंने दुनिया भर के फुटबाल प्रेमियों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इससे इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या एक करोड़ 30 लाख तक पहुंच गई है। क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। उन्होंने विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे छोटे देश की तरफ से पहला गोल किया।

चश्मा पहनकर जोफ्रा आर्चर का सामना करते दिखे ग्लेन फिलिप्स, बाउंसर पर ऐसा हुआ हाल, क्रीज पर जमे

लंदन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है। दोनों के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज जारी है। लॉर्ड्स में पहला टेस्ट इंग्लैंड ने 115 रन से अपने नाम किया था। अब केनिंग्टन ओवल में दूसरा टेस्ट जारी है। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है। हालांकि, मैच के पहले दिन ग्लेन फिलिप्स अलग ही वजह से सुर्खियों में रहे। वह सनग्लासेस पहनकर बल्लेबाजी करते दिखे। उन्होंने सनग्लासेस पहनकर तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का भी सामना किया। इस दौरान बाउंसर्स पर वह क्रीज पर इधर उधर गिरते पड़ते भी दिखे, लेकिन दिन का खेल खत्म होने तक वह मैदान पर जमे हुए हैं।

दरअसल, इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले दिन ही 188 रन तक न्यूजीलैंड ने पांच विकेट गंवा दिए। कप्तान टॉम लाथम 27 रन, डेवोन कॉनवे नौ रन, हेनरी निकोल्स 24 रन, रचिन रवींद्र 33 रन और डेरिल मिचेल 44 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल ने 51 रन की पारी खेली। सातवें नंबर पर फिलिप्स बल्लेबाजी के लिए उतरे। जब वह उतरे तो सनग्लासेस के साथ आए। इस दौरान उन्होंने जोफ्रा आर्चर, मैथ्यू फिशर, जोश टंग जैसे तेज गेंदबाजों का सामना सनग्लासेस पहनकर ही किया।

चकिंग के आरोप ने अनिल कुंबले को तेज गेंदबाज से बना दिया महान लेग स्पिनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने याद किया कि कैसे किशोरावस्था में उनके बॉलिंग एक्शन पर उठे सवालों ने उन्हें तेज गेंदबाजी छोड़ने और अचानक लेग स्पिन अपनाने पर मजबूर कर दिया, एक ऐसा फैसला जिसने आगे चलकर उनके शानदार करियर को नई पहचान दी। कुंबले ने बताया कि स्कूल और क्लब क्रिकेट खेलते समय वे मुख्य रूप से तेज गेंदबाज थे, लेकिन एक सीनियर खिलाड़ी ने उनके बॉलिंग एक्शन पर सवाल उठाए।

कुंबले ने दूरदर्शन के 'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो' पर कहा, 'मेरे क्लब के एक सीनियर खिलाड़ी ने मेरे कोच से मुझे बॉलिंग करने से रोकने के लिए कहा क्योंकि उन्हें लगा कि मैं अपनी कोहनी मोड़ रहा हूं। सच कहूं तो मुझे पता भी नहीं चला कि मैं कोहनी मोड़ रहा हूं। मैं वैसे ही बॉलिंग कर रहा था जैसा मुझे स्वाभाविक लगता था। उस समय मैं लगभग 13-14 साल का था और शायद उतना मजबूत नहीं था।'

शायद तुम्हें मौका मिल जाए...

इस आरोप के कारण युवा कुंबले को कर्नाटक अंडर-15 सिलेक्शन ट्रायल से कुछ हफ्ते पहले ही कोई दूसरा विकल्प तलाशना पड़ा। तेज गेंदबाजी जारी न रख पाने के कारण उन्होंने अपने भाई से सलाह ली जिन्होंने टीम में चुने जाने की संभावना बढ़ाने के लिए लेग स्पिन आजमाने का सुझाव दिया।

कुंबले ने कहा, 'फिर मुझे अंडर-15 सिलेक्शन ट्रायल का मौका मिला, जो एक-दो महीने दूर था। तब तक मैं तेज गेंदबाजी नहीं कर सकता था क्योंकि लोग पहले ही कह रहे थे कि मैं 'चकिंग' करता हूं। मेरे भाई ने मुझसे कहा, 'लेग स्पिन आजमाओ, ज्यादा लोग ऐसा नहीं करते, शायद तुम्हें मौका मिल जाए।' तब मुझे लेग स्पिन के बारे में ज्यादा पता भी नहीं था। मैंने बी.एस. चंद्रशेखर का नाम सुना था, लेकिन टेलीविजन आम नहीं था और मैंने उन्हें मैचों में बॉलिंग करते हुए नहीं देखा था।'

सिलेक्शन ने एक शानदार सफर की शुरुआत की

कुंबले ने माना कि उन्होंने बिना किसी खास तकनीकी समझ और बिना किसी औपचारिक कोचिंग के इस नई शैली को अपनाया। किताबी लेग-स्पिन सीखने के बजाय उन्होंने ऑफ-स्पिन बॉलिंग से मिली ग्रिप का इस्तेमाल करते हुए खुद ही प्रयोग करके इसे सीखा। उन्होंने कहा, 'असल में जब मैंने पहली बार असली क्रिकेट बॉल उठाई थी, तो मैंने ऑफ-स्पिन ग्रिप से बॉलिंग की थी। इसलिए, जब मुझे लेग-स्पिन बॉलिंग करने के लिए कहा गया, तो मैंने बस अपनी ऑफ-स्पिन ग्रिप का इस्तेमाल किया, बॉल को घुमाने की कोशिश की और लेग-स्पिन बॉलिंग की। मेरे पास कोई कोच नहीं था जो मुझे बताता कि बॉल को कैसे पकड़ना है या कैसे छोड़ना है; मैंने बस खुद ही ऐसा किया। एक-दो महीने बाद कर्नाटक अंडर-15 ट्रायल्स में मेरा सिलेक्शन हो गया। इसके बाद मैंने कर्नाटक अंडर-15 के लिए खेला।' उस सिलेक्शन ने एक शानदार सफर की शुरुआत की। आलोचना की वजह से मजबूरी में किए गए उस बदलाव ने आखिरकार एक ऐसे करियर की नींव रखी जिसमें कुंबले ने टेस्ट क्रिकेट में 619 विकेट लिए, टेस्ट की एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले दूसरे बॉलर बने और भारत के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई।